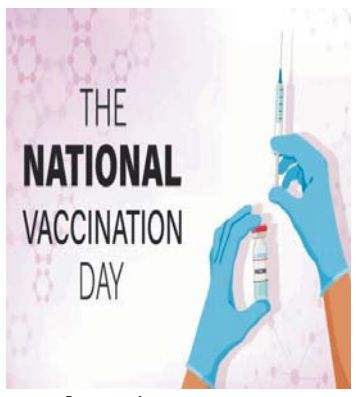

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 212/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 16 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

होंडा की सबसे सस्ती बाइक लॉन्च:100cc इंजन वाली बाइक की कीमत 65 हजार, बुकिंग आज से, डिलिवरी मई में शुरू होगी

मह़ू घटना को लेकर विस में हंगामा, जांच के आदेश

भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र के 9वें दिन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष ने महू में आदिवासी युवती की मौत का मामला उठाया। इससे पहले सदन के बाहर पूर्व विजयलक्ष्मी साधौ बोलीं- गृहमंत्री ने लड़की का चरित्र चित्रण पहले से कर दिया कि वह लिवइन में रहती थी। लड़की की मां सीधे-सीधे आरोप लगा रही है कि उसकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। हत्या के बाद उसका अंतिम संस्कार आज सुबह 6.30 से 7 बजे के बीच पुलिस की कस्टडी में हुआ। मामा आदिवासियों के हितैषी बनकर ढोंग रच रहे हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा में आज 9वें दिन सप्लीमेंट्री बजट पर चर्चा होना है। स्पीकर गिरीश गौतम ने इसके लिए डेढ़ घंटे का समय दिया है।

सदन से बाहर आते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा एवं तरुण भानोट।

मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, घटना पूरे मध्यप्रदेश के लिए बड़ा कलंक है। 18 साल में भाजपा सरकार ने यह हासिल किया है कि मध्यप्रदेश को आदिवासी अत्याचार के 13 मुकुट मिले हैं। बाकी 5 बार प्रदेश दूसरे नंबर पर रहा है। यह एनसीआरबी की रिपोर्ट है।

घटना पर सदन में संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा- दो बातें सामने आ रही हैं। उसके साथ बिटिया रहती थी। पानी गर्म करने वाली रॉड से करंट लगने से युवती की मौत होने की बात सामने आई है। उधर, युवती के परिवार ने जिस पर हत्या का आरोप लगाया, उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। भीड़ थाने पहुंच गई और आरोपी को हवाले करने की मांग कर पथराव कर दिया। बीच-बचाव में गोली चली। मुख्यमंत्री ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

घटना पर पूर्व मंत्री और महेश्वर से विधायक

कांग्रेस का दल महू पहुंचा

महू में हुए पूरे घटनाक्रम के बाद कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ सबसे पहले सक्रिय हुए है। उन्होंने मामले में आदिवासी विधायकों का दल घटनास्थल पर जांच के लिए भेजा है। दल में कांतिलाल भूरिया, बाला बच्चन, झूमा सोलंकी और पांचीलाल मेड़ा इंदौर के प्रभारी महेंद्र जोशी ओर संतोष गौतम है। ये दल घटना की सच्चाई पता करेगा और पीड़ित लोगों से बातचीत करेगा। दल अपनी रिपोर्ट कमल नाथ को सौंपेगा जिसके बाद कांग्रेस अपनी आगामी रणनीति तय करेगी। कांग्रेस की यह जांच कमेटी मृतक युवती के परिवार के भी बयान लेगी।

युवती की मौत के बाद पुलिस चौकी पर हमला, लाठीचार्ज, हवाई फायर हुए, एक युवक की मौत

इंदौर। युवती की संदिग्ध अवस्था में मौत के बाद बड़गोंदा थाना क्षेत्र की डोंगरगांव पुलिस चौकी पर बुधवार रात पुलिस और आदिवासी समाजजन आमने-सामने हो गए। बवाल बढ़ता देख पुलिस ने लाठी चार्ज, 20 से अधिक अश्रुगैस के गोले छोड़े और लगातार हवाई फायर किए। फायरिंग में गोली लगने से 18 वर्षीय भेरूलाल की मौत हो गई। मामले में कलेक्टर इलैया राजा टी ने इंदौर ग्रामीण क्षेत्र में धारा 144 लगा दी है। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने घटना के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। घटना में कुल 20 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, इसमें टीआई ज्यादा घायल है। गोली से मृत युवक भेरूलाल का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उज्जैन में कहा कि मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। संवेदनशील मुद्दे पर कांग्रेस को राजनीति नहीं करना चाहिए।

बताया जा रहा है कि इसमें जयस के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। एक घंटे तक प्रदर्शन चला। इस दौरान गुस्साए लोगों ने पुलिस चौकी पर पथराव कर पुलिस की गाडियों में भी तोड़फोड़ की। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और हवाई फायर किए। पुलिस ने बड़ी संख्या में आंसू गैस के गोले दागे। बवाल में 6 पुलिस वाले घायल हो गए। प्रदर्शन करने वालों को पुलिस ने खदेड़ा और वापस आ गई। लगा कि मामला थम गया। कुछ देर के बाद प्रदर्शन करने वाले लौटे और पुलिस पर गोफन से हमला किया। खबर है कि इसके बाद पुलिस ने भी सामने से फायरिंग की।

चार थानों का पुलिस बल तैनात- स्थिति पर काबू करने के लिए महू, बडगोंदा सहित चार थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। इसके साथ इंदौर से भी अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। एएसपी शशिकांत कनकने, एसडीएम अक्षत जैन, तहसीलदार अभिषेक शर्मा समेत कई अन्य अधिकारी मौके पर हैं। सड़क जाम की वजह से मुख्य मार्गों पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। एएसपी शशिकांत कनकने ने बताया कि पुलिस पर पथराव करने वाले लोगों को खदेड़ दिया है। मौके पर 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी मौजूद हैं। शांति व्यवस्था बना रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस मामले को लेकर अपने विधायकों का एक दल बनाया है यह विधायक घटनास्थल पर जाकर पूरे मामले की जांच करेंगे समझेंगे और अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ को देंगे।

घृणित राजनीति ना करे कांग्रेस: सलूजा

भाजपा नेता नरेंद्र सलूजा ने ट्वीट किया है- एक तरफ़ कमलनाथ जी महू की घटना पर आज सुबह ही कांग्रेस के जाँच दल की घोषणा कर रहे है और खुद कांग्रेस कह रही है कि जाँच दल वहाँ जाकर घटना की सच्चाई का पता लगायेगा,पीड़ितों से मिलेगा और अपनी रिपोर्ट सौपेगा। कांग्रेस का जाँच दल अभी नींद से जागा ही नहीं, मौके पर अभी पहुँचा ही नहीं। और खुद कमलनाथजी महू की घटना को लेकर झूठे, मनगढ़ंत आरोप लगाने में लग गये। क्या उन्हें अपने ही जाँच दल पर भरोसा नहीं..? क्या कांग्रेस ने जाँच रिपोर्ट जाने के पहले ही तैयार कर ली है? शिवराज सरकार इस घटना को लेकर गंभीर है और उसने इस घटना की मजिस्ट्रियल जाँच की घोषणा भी कर दी है। सरकार पीड़ित परिवार के साथ है और उसे हर हाल में न्याय दिलायेगी। लेकिन कांग्रेस इस दुखद घटना पर अपनी घृणित राजनीति ना करे, अपनी राजनीति के लिये समाजो को बाटने का काम ना करे। लेकिन फूट डालो, राज करो, यह कांग्रेस की शुरू से ही आदत है और अभी भी कांग्रेस यही काम कर रही है।

सांध्यप्रकाश विशेष

व्यापमं के व्हिसल ब्लोअर की पोस्ट पर पूर्व महिला मंत्री भड़कीं, देर रात मिलने घर पहुंची, आनंद राय बाहर नहीं आए

धार। व्यापमं घोटाले में व्हिसल ब्लोअर और इंदौर के डॉ. आनंद राय ने बुधवार को अपने फेसबुक अकाउंट से 7 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया है। इस पोस्ट पर उन्होंने लिखा कि भाजपा नेता और पूर्व मंत्री रंजना बघेल चुनाव में जयस का साथ देंगी। इस पोस्ट पर रंजना बघेल नाराज हो गई। उन्होंने गुस्से में वीडियो जारी कर कहा है कि आनंद राय को घर आकर जूते मारूंगी। देर रात वे डॉ आनंद राय के घर पहुंची, पर उनकी पत्नी ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद आनंद राय ने फेसबुक पर एक मैसेज डालकर अफसोस जताया।

पूर्व मंत्री रंजना बघेल ने आनंद राय के घर के दरवाजे पर खड़े होकर ही उनकी पत्नी को हिदायत दी कि अपने पति को समझाएं कि नौकरी कर लें या राजनीति कर लें। इस तरह की पोस्ट न डालें और न आदिवासियों को बदनाम करें। उन्होंने यह भी कहा कि आनंद राय घर मे ही थे पर बात करने नहीं निकले।

आनंद राय ने जो वीडियो पोस्ट किया है, इसमें रंजना बघेल विधायक और जयस नेता डॉ हीरालाल अलावा को माला पहना रही हैं। उनके साथ भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष सचिन पांडे और बदनावर के सिंधिया गुट के नेता दिनेश ग्रेवाल भी खड़े हैं। आनंद राय ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा है कि अगले चुनाव में कुक्षी-मनावर सीट पर साझा रणनीति बनी। रंजना बघेल जयस संगठन का साथ देंगी। मनावर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सचिन पांडे भी साथ होंगे। सोफे पर बदनावर के सिंधिया गुट के भाजपा नेता दिनेश ग्रेवाल बैठे हैं। इन्हें पिछली बार धार संसदीय सीट से टिकट मिला था। वे भाजपा नेता सांसद छतरसिंह दरबार के सामने हार गए थे।

वीडियो दो साल पुराना

पोस्ट सामने आने पर पूर्व मंत्री रंजना बघेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर वीडियो पोस्ट किया। इसमें पूर्व विधायक बघेल ने कहा कि आनंद राय अपना भ्रामक पोस्ट हटाएं। यह वीडियो दो साल पुराना है। जब यहां जनपद भवन व पुल का लोकार्पण हुआ था, उस समय का वीडियो है। ऐसा नहीं करते हैं, तो मैं उन पर स्नद्ध्रक्ककराऊंगी, घर जाकर जूता मारूंगी।

मैं 30 साल से पार्टी की सिपाही हूं

रंजना बघेल ने वीडियो में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मजबूत कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए मुझे 30 साल हो गए हैं। मुझे झूठ बोलना व भ्रामक प्रचार करना नहीं आता है। मैंने भारतीय जनता पार्टी को क्षेत्र में मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. आनंद राय ने पिछले विधानसभा चुनाव में डॉ हीरालाल अलावा को समाज के नाम पर टिकट दिलाया था। समाज के नाम पर लगे रहो, कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को लेकर मेरे पास आज भी प्रमाणित प्रमाण है।

लोगों को बरगला रहे हैं आनंद राय

रंजना बघेल ने कहा कि विधानसभा चुनाव के 8 महीने बाकी हैं, आज गलत व भ्रामक प्रचार कर रहे हैं। 2013 से 15 तक आपने आदिवासी युवाओं में भ्रामक प्रचार करके उनकी लाइफ खराब की है। आपने आदिवासी समाज की संस्कृति को तोड़ने का काम किया है। रंजना बघेल ने कहा आप इस भ्रामक प्रचार को रोकिए मैं एक आदिवासी महिला नेता हूं, आपने अपने फेसबुक अकाउंट से जो टिप्पणी कि है उसे डिलीट करें, वरना मैं स्नद्ध्रक्ककरुंगी या घर पर आकर आपको जूता मारूंगी, जो भी होगा देखा जाएगा।

आनंद राय बोले 'मैं कोर्ट में जवाब दूंगा'

वीडियो वायरल को लेकर मनावर नगर भाजपा अध्यक्ष सचिन पांडे ने कहा कि आनंद राय झूठा प्रचार कर रहे हैं। हम भारतीय जनता पार्टी के पुराने सच्चे कार्यकर्ता हैं। रही बात विधायक डॉ हीरालाल अलावा की तो वे अपना निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। आनंद राय ने कहा कि जो वीडियो में दिख रहा है, वह मैंने लिखा है। मेरे खिलाफ कार्रवाई करें तो मैं कोर्ट में जवाब दूंगा। यह वीडियो देखकर सब समझ गए हैं।

संसद में कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा दोपहर दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही स्थगित होने का सिलसिला लगातार चौथे दिन जारी है। जहां केंद्र सरकार कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लंदन में दिए बयानों को लेकर उनके माफी मांगने पर अड़ी है, तो वहीं विपक्ष ने अदाणी मामले में हिंडनबर्ग के खुलासों को लेकर भाजपा को घेरना जारी रखा है।

राज्यसभा में गुरुवार को फिर भाजपा और विपक्ष के बीच टकराव हुआ। इसी दौरान एक मौके पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ सांसद सभापति जगदीप धनखड़ ने आसन के करीब पहुंच गए। जब धनखड़ ने उनसे सीटों पर लौट जाने का आग्रह किया, तो सांसदों इसे अनसुना कर दिया। सभापति ने इन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की भी चेतावनी दी लेकिन इसका कोई असर ना होता देख उन्होंने बैठक दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

पीएम मोदी ने की संसद भवन में बैठक

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मंत्रियों के साथ आज संसद भवन में बैठक की। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कानून मंत्री किरेन रिजिजू, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, खेल-सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और प्रह्लाद जोशी मौजूद रहे।

राहुल गांधी की सफाई, मैंने देश के खिलाफ कुछ नहीं बोला

बीती रात विदेश से लौटने के बाद राहुल गांधी गुरुवार दोपहर संसद पहुंचे। राहुल ने अपनी सफाई में कहा है कि उन्होंने देश के खिलाफ कुछ नहीं बोला है। संसद भवन में प्रवेश करते

समय मीडिया ने उन्हें घेर लिया। उस समय राहुल ने कुछ नहीं कहा। इससे पहले विदेशी मंच से भारतीय लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करने के मुद्दे पर भाजपा राहुल गांधी को चौतरफा घेरने लगी है। अदाणी मुद्दे पर बिना साक्ष्य ही राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाने का मामला पहले ही विशेषाधिकार समिति के समक्ष है।

सीबीआई तेजस्वी यादव से 25 मार्च को पूछताछ करेगी

लैंड फॉर जॉब्स स्कैम में दिल्ली हाईकोर्ट का समन को रद्द करने से इनकार, सीबीआई बोली- गिरफ्तार नहीं करेंगे

पटना। लैंड फॉर जॉब्स स्कैम मामले में गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट से तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लगा। कोर्ट ने तेजस्वी की सीबीआई के समन को रद्द करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कहा कि तेजस्वी को 25 मार्च को सुबह साढ़े 10 बजे सीबीआई दफ्तर जाना ही होगा।

सुनवाई के दौरान तेजस्वी के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार को कहा कि अगर तेजस्वी एजेंसी के सामने पेश होंगे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद सीबीआई ने अदालत से कहा कि हमारा उन्हें गिरफ्तार करने का इरादा नहीं है। हम चाहते हैं कि वे पेश हों, क्योंकि उन्हें कुछ दस्तावेज दिखाने हैं। अगर वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होते हैं, तो उससे कोई फायदा नहीं होगा।

सीबीआई ने कहा- शनिवार को तो आ सकते हैं- तेजस्वी ने कोर्ट में कहा कि बिहार में बजट सत्र चल रहा है। ऐसे में वे बार-बार पूछताछ के लिए दिल्ली नहीं आ सकते हैं। इस पर सीबीआई ने कहा कि शनिवार को बजट सत्र नहीं होता। वे इस दिन आ सकते हैं। साथ ही एजेंसी ने भरोसा दिलाया कि फिलहाल उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। सीबीआई ने 28 फरवरी, 4 मार्च और 11 मार्च को तेजस्वी यादव को समन जारी किया था।

सीबीआई तेजस्वी को 3 बार समन भेज चुकी है- मामला 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेलमंत्री रहते हुए लालू प्रसाद से जुड़ा है। आरोप यह है कि लालू प्रसाद ने पद पर रहते हुए परिवार को जमीन हस्तांतरित के बदले रेलवे में नौकरियां दिलवाईं।

भारतवंशी रवि चौधरी बने अमेरिकी एयरफोर्स के असिस्टेंट सेक्रेटरी

वाशिंगटन। भारतवंशी रवि चौधरी अमेरिकी एयरफोर्स के असिस्टेंट सेक्रेटरी बन गए हैं। वो पहले भारतीय-अमेरिकी हैं, जिन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया है। अमेरिकी सीनेट में (संसद का अपर हाउस) ने उनके नाम पर मुहर लगाई। ये पद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय-पेंटागन में शीर्ष नागरिक नेतृत्व के पदों में से एक है।

रवि चौधरी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन में एडवांस्ड प्रोग्राम्स एंड इनोवेशन, ऑफिस ऑफ कॉमर्शियल स्पेस के डायरेक्टर रह चुके हैं। 1993 से 2015 तक एयरफोर्स में पायलट थे। उन्होंने ईरान और इराक में कई कॉम्बेट मिशन किए।

न्यूजीलैंड के करमाडेक आईलैंड में भूकंप, रिक्टर स्केल पर 7.1 रही तीव्रता

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के करमाडेक आईलैंड में गुरुवार सुबह भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 रही। जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर अंदर था। भूकंप के बाद न्यूजीलैंड में सुनामी की वॉर्निंग जारी की गई थी। वहीं, न्यूजीलैंड की नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी का कहना है कि सुनामी का खतरा नहीं है।

नॉर्थ कोरिया ने फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट

सियोल। नॉर्थ कोरिया ने गुरुवार की सुबह एक लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की। साउथ कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि एक बैलिस्टिक मिसाइल को कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्वी तट से पानी में दागा गया है। नॉर्थ कोरिया ने आखिरी बार 18 फरवरी को लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया था। एक साल से भी कम समय में चार बार बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च कर चुका है।

भारत में एरिक गार्सेटी होंगे अमेरिका के नए राजदूत

नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के नए राजदूत अब लॉस एंजिल्स के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी होंगे। अमेरिकी सीनेट ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। दरअसल, भारत में अमेरिकी राजदूत का पद पिछले दो साल से खाली था। ऐसा पहली बार हुआ है, जब ये पद इतने लंबे वक्त तक खाली था। भारत में अमेरिका के आखिरी राजदूत केनेथ जस्टर थे, जिन्होंने जनवरी 2021 तक इस पद पर किया

लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विस के नए डायरेक्टर जनरल नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह को आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विस के नए डायरेक्टर जनरल के रूप में नियुक्त किया है। रक्षा अधिकारी के मुताबिक, जनरल दलजीत सिंह पुणे स्थित आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके हैं। वह देश के एक प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ और नियोनेटोलॉजिस्ट भी हैं।

शिकागो एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के 300 यात्री फंसे

शिकागो। अमेरिका के शिकागो एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के 300 यात्री फंसे हुए हैं। टेक्निकल इश्यू की वजह से 24 घंटे से भी ज्यादा समय में फ्लाइट उड़ान नहीं भर सकी है। दरअसल, फ्लाइट को शिकागो से मंगलवार को भारतीय समयानुसार 13.30 बजे टेकऑफ करना था। 15 मार्च को 14.20 बजे दिल्ली में उतरना था, लेकिन अभी भी फ्लाइट ने उड़ान नहीं भरी है।

दवाइयों के ऑनलाइन मार्केट की नकेल कसने की तैयारी

नई दिल्ली। देश में दवाइयों के तेजी से बढ़ते ऑनलाइन मार्केट की बिक्री पर बहुत जल्द रोक लगने की संभावना है। केंद्र सरकार ई-फार्मेसी के नियमों को लेकर काफी सक्रिय है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने ऑनलाइन दवाईयां बेच रही कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। स्वास्थ्य मंत्रालय ऑनलाइन दवाईयां बेचने वाली कंपनियों को रेगुलेट करने के लिए नियम बनाने पर काम कर रही है।

जानकारों का कहना है कि ई-फार्मेसी बिजनेस से ताल्लुक रखने वाली कंपनियां उस बिजनेस मॉडल को फॉलो कर रही है जिससे मरीजों के डाटा को खतरा हो सकता है। यह खासकर उन मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है, जो ऑनलाइन दवाईयां आर्डर करते हैं। इस फैसले को ग्राहकों की सिक्योरिटी को दुरुस्त करने के लिए लिया गया है।

केंद्र टाटा 1 एमजी और नेटमेडस जैसे ऐप्स पर जल्दी ही पाबंदी लगा सकती है। इस तरह के सख्त फैसले को लेने के पीछे डाटा प्राइवेसी, गलत प्रैक्टिस और दवाओं की बेसलेस सेल का तर्क दिया गया है। डीसीजीआई ने 8 फरवरी को ई-फार्मेसी प्लेटफॉर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसमें प्रेक्टो, अपोला, अमेजोन जैसी दिग्गज कंपनियां भी शामिल थीं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने ई-फार्मेसी कारोबार ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन पाया है। 20 से ज्यादा ऐसी ई-फार्मेसी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को यह नोटिस सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन द्वारा जारी किया गया है।

गोपनीयता की रक्षा की जाएगी

ऑल इंडियन ओरिजिन केमिस्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने केंद्र को इस बारे में पहले ही आगाह किया था। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि वह नए नियम को लाने की तैयारी में है जिससे ग्राहकों के गोपनीयता की रक्षा होगी।

चैतीचांद पर्व का कार्ड सिंधी भाषा के दोनों लिपियों में किया प्रकाशित

संत हिरदाराम नगर। अखिल भारतीय सिंधी समाज को गर्व हो रहा है कि मातृभाषा के विकास संवर्धन तथा प्रोत्साहन हेतु संत नगर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी द्वारा इस वर्ष भी सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस चैतीचांद के कार्ड सिंधी भाषा के दोनों लिपियों में प्रकाशित कर सराहनीय कार्य किया है। इसके साथ ही रीझवानी ने 10 अप्रैल को सिंधी दिवस भी मनाने हेतु सामाजिक संस्थाओं से अपील भी की है अखिल भारतीय सिंधी समाज के प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डॉ सी.पी देवानी, उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, आनंद सबधानी, किशोर आहूजा, मुरलीधर बलवानी, गुलाब राय मोहनानी, रतनलाल आसुदानी, रमेश वाधवानी, कन्हैयालाल पंजवानी ने घर परिवार में बच्चों से अपनी मातृभाषा में बात करने की अपील की है ताकि सिंधी भाषा का सर्वागीण विकास हो सके।

आओ आओ मेरे बसंत वाल्मी में फाग अनंत सीजन 2

भोपाल । कलियासोत डेम के पास वाल्मी भोपाल इकोविलेज परिसर में आओ आओ मेरे बसंत सीजन-2 की धूम चल रही है, प्रतिदिन शहर के लोग महिलाऐं बच्चे बुजुर्ग शामिल होकर आयोजन का आनंद ले रहें हैं। विशेष रूप से अवकाश एवं शनिवार रविवार में संख्या बढ़ जाती है, इसमें महिलाओं की किटी पार्टी के गुप्स, विभिन्न समाजों के सामाजिक समूह. कॉर्पोरेट समूह, बैंकर्स के समूह बढ़चढ़ कर हिस्सा लेकर यहां के प्रकृति वातावरण में जंगल रोटी का आनंद ले रहे हैं तथा विभिन्न सशुल्क / नि:शुल्क गतिविधियों में भाग लेकर दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर रहे है। परिसर में शतरंगी कार की सेल्फी ले रहे है तथा जगह- जगह लगे झूले का भी आनंद महिलाओं एवं बच्चों द्वारा लिया जा रहा है। दिनांक 08 मार्च 2023 से 12 मार्च 2023 तक यहां पर फाग उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें टेशू के फूलों से बने हर्बल रंग की होली तथा मड होली का भी आनंद ले सकते है। इनके लिए अनेक बुकिंग आ रही हैं, जो प्राकृतिक वातावरण में मड एवं हर्बल होली खेलने के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क कर रहे है। इस आयोजन से इकोविलेज परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने का मिल रहा है

महापौर ने दिव्यांग बच्चों के लिए खेल उपकरणों का किया लोकार्पण

भोपाल । महापौर मालती राय ने अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की उपस्थिति में न्यू लाईफ डेव्लपमेंट सोसायटी द्वारा कमला पार्क में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष रूप से स्थापित किये गये खेल उपकरणों का लोकार्पण किया एवं खेल उपकरणों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष विमलेश ठाकुर के अलावा न्यू लाईफ डेव्लपमेंट सोसायटी के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

ननि अध्यक्ष शीतला सप्तमी पर शोभायात्रा में हुए सम्मिलित

भोपाल । नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने शीतला सप्तमी के अवसर पर कुम्हारपुरा शाहजहांनाबाद स्थित प्रजापति समाज के दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना की तथा इस उपलक्ष्य में आयोजित शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष रामदयाल प्रजापति, भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी, उत्तर विधानसभा के प्रभारी चेतन भार्गव, जोन अध्यक्ष देवेन्द्र भार्गव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन मौजूद थे।

हिनौतिया आलम क्षेत्र को झुग्गीमुक्त करने बनेंगे ईडब्ल्यूएस आवास

निगम आयुक्त ने हिनौतिया आलम व राहुल नगर फेस-2 आवासीय परियोजना स्थलों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने कोलार क्षेत्र स्थित हिनौतिया आलम एवं राहुल नगर फेस-2 में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासीय परियोजनाओं में प्रचलित कार्यों व प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया और हिनौतिया आलम में पूर्व से निर्मित आवासों में पेयजल, साफ-सफाई आदि मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने एवं खुली भूमि पर ई.डब्ल्यू.एस एवं एमआईजी आवास निर्माण हेतु योजना बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने माता मंदिर स्थित राहुल नगर फेस-2 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रस्तावित आवासों के निर्माण हेतु फाउंडेशन का कार्य शीघ्रता से शुरू करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त चन्द्र प्रताप गोहल, कार्यपालन यंत्री आर.के.गोयल सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कोलार क्षेत्र स्थित हिनौतिया आलम में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासीय परियोजनाओं में प्रचलित कार्यों व प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया और प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने क्षेत्र को झुग्गीमुक्त बनाने के दृष्टिगत खुली भूमि पर ई.डब्ल्यू.एस. आवास के अतिरिक्त ब्लाक बनाने एवं इसके अतिरिक्त एमआईजी आवास निर्माण हेतु योजना बनाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने हिनौतिया आलम में पूर्व से निर्मित आवासों के रहवासियों से चर्चा भी की और रहवासियों के लिए पेयजल, साफ-सफाई आदि मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्मित आवासों के रहवासियों को समय पर रखरखाव की राशि जमा करने की समझाइश दी जिससे आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का संचालन नियमित रूप से किया जा सके। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्मित रिक्त आवासों में परियोजना स्थल के पास की बस्ती के रहवासियों को शिफ्ट करने तथा उस क्षेत्र को झुग्गीमुक्त करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त चौधरी ने माता मंदिर स्थित राहुल नगर फेस-2 में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रस्तावित परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और प्रचलित एवं प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने प्रस्तावित कार्यों की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए फाउंडेशन का कार्य शीघ्रता से शुरू करने के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा अमले ने दुग्ध उत्पादों के 13 नमूने लिए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मिलावट से मुक्ति अभियान के अन्तर्गत कलेक्टर अविनाश लवानिया के निर्देशानुसार अभिहित अधिकारी देवेन्द्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा बुधवार 15 मार्च 2023 को दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद विक्रेता प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दुग्ध उत्पादों के कुल 13 नमूने एकत्र किये गये हैं। आज की कार्यवाही में फेरी वाले दूग्ध विक्रेताओं से भी नमूने लिये गये हैं ।

आज खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा अयोध्या बाईपास स्थित शुभम् डेयरी से दही तथा घी, गांधी मार्केट, पिपलानी स्थित फ्रोस्को डेयरी से दूध और पनीर, खजूरी कला रोड से फेरी विक्रेता राकेश राजपूत से दूध, पटेलनगर, रायसेन रोड़ स्थित न्यू भाव्या यादव डेयरी से दूध और पनीर, खजूरी कला रोड स्थित श्रीराम दूध डेयरी से दूध और दही, जहांगीराबाद स्थित अग्रवाल डेयरी प्रोटीन से दूध, बरखेड़ी स्थित श्री गंगा डेरी एण्ड बेकर्स से दही तथा घी, टीआरटी सेक्टर- बी. गोविन्दपुरा से दूध विक्रेता तेज सिंह मेवाड़ा से दूध का नमूना लिया गया है।

इनमें से दूध विक्रेता तेज सिंह मेवाड़ा के द्वारा बिना खाद्य पंजीयन दूध का विक्रय और परिवहन किया जाना पाया गया है जो खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31 (2) का उल्लंघन है तथा 2 लाख रूपये तक जुर्माना से दण्डनीय अपराध है । आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश डॉ सुदाम खाड़े के द्वारा प्रारंभ किये गये दूध के शुद्धिकरण अभियान के अन्तर्गत जिले में संचालित दग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के व्यापार का सघन निरीक्षण एवं नमूना कार्य जारी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मौके पर दूध उत्पादों की प्रारंभिक जांच करने हेतु मैजिक बॉक्स का उपयोग किया जा रहा है। आज खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लिये गये 13 नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया।

12 घंटे के अंदर लुटेरे गिरफ्तार लूट का माल किया बरामद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

थाना गांधीनगर में फरियादी मनीष मेहर ने 12 मार्च 23 को रात्री करीब 11/40 ही बरखेड़ा बोंदर क्रास पर इंजिनियर मिलेट्री गेट पास स्कूटी सवार तीन लड़के बैठे थे उसमें से एक लड़के ने मेरी चलती हुई मोटर साइकिल पर लात मारदी जिससे मेरी गाड़ी अनवेलेन्स हो गई मैने गाड़ी रोकी तो वो तीनो लड़को ने उतरकर छुरी निकाल ली और एक लड़के ने मेरे गले में छुरी रख दिया एवं दूसरे लड़के ने मेरी मां के गले में छुरी अड़ा दिया जिस लड़के ने मेरे गले में छुरी अड़ाई थी उसी ने मेरे जेब में से पर्स जिसमें 4000 रूपये नगद और एक आधार कार्ड एक यूको बैंक का एटीएम व एक पेन कार्ड व अन्य कागजात और दूसरे लड़के ने मेरी मां का मंगलसूत्र व तीसरे ने बड़ी मम्मी का मंगलसूत्र जबरजस्ती छीन लिये। आरोपी कि रिपोर्ट पर धारा 392,34 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस जांच में एक बिना नंबर की सफेद स्कूटी जिसमे तीन लडके बैठे जो बरखेडा बोदर तरफ जाते दिखे है की सूचना की तस्दीक मे तुरंत स्टाफ को सूचना से अवगत कराकर मौके पर रवाना किया गया जो रवाना होकर ग्राम बरखेडा बोदर के रास्ते नीरेह के पास पहुंचे जहां मुखविर के बताये हुलिया के सफेद रंग की बिना नंबर की स्कूटी से तीन लडके आते दिखे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। उन लोगो से नाम पता पूछा गया जिन्होने अपना नाम श्याम उर्फ अप्पू बंसल, फैजल उर्फ अरसलान तीनो से अलग अलग हिकमत अमली से पूछताछ किया जिन्होने 12 मार्च 2023 को रात्री मे जुर्म करना स्वीकार किया फिर तीनो की अलग अलग जामा तलाशी लेने पर आरोपी आकाश व फैजल के पास से एक एक धारधार छूरी रखे मिले जो मौके पर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया एवं आरोपी श्याम बंशल के पास से मोपेड विना नं. सुजुकी कम्पनी की एक्सेस 125 को जप्त किया कागजात मागा जो पेश नही करने से जप्त मौके पर जप्त करआरोपियो को गिरफतार किया।

दिगंबर जैन महिला परिषद ने किया आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारत वर्षिय दिगंबर जैन महिला परिषद पद्मावती संभाग भोपाल के तत्वावधान में संभाग अध्यक्ष कुमुदिनी बरया द्वारा प्रांतीय विजिट का आयोजन किया गया। जबलपुर से पधारी हमारी मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष विजय लक्ष्मी, निशा चौधरी, मीना के नेतृत्व में होली मिलन व महिला दिवस का अयोजन किया जिसमें पद्मावती संभाग की सभी शाखाओं ने भाग लिया। यह आयोजन जवाहर चौक जैन मंदिर के सभागार में रखा मुख्य अतिथि एवं प्रांतीय पदाधिकारियों एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष के सानिध्य में झंडा रोहण कर ध्वज गीत गाएं तत्पश्चात आचार्य श्री विधासागर महराज के चित्र अनावरण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया ।

प्रांत से पधारे मुख्य अतिथियों का स्वागत कर हमने अपने कार्यक्रम की शुरुआत की महिला परिषद समाज उत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाऐं दे रहा है इस कढी में हमने सुबह केंसर हास्पिटल में 450 मरीजों की सेवा कार्य भोजन वितरण कर किया सुश्री संभाग अध्यक्ष कुमुदिनी बरया जी ने बतलाया कि वह विगत 12 वर्षों से निरंतर महिला उत्थान व बच्चों के संस्कार , पर्यावरण, स्वागत, चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य कर रहीं हैं । आंसू से मुस्कान के और प्रांतीय प्रोजेक्ट के तहत संभाग अध्यक्ष कुमुदिनी बरया जी ने बहन मुस्कान को लेपटॉप देकर सेवा कार्य किया संभाग की सभी बहनें सेवा कार्य करने के लिए तत्पर रहती है जरूरत मंद बच्चों को गोद लेकर पढाते है केंसर शिविर, स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का अयोजन बहनों द्वारा किया जाता है हमारे स्थाई प्रोजेक्ट पर्यावरण सुरक्षा के तहत साल भर सभी बहनों द्वारा वृक्षारोपण का कार्य समय-समय पर किया जाता है आज मंदिर प्रांगण में हमने फलदार पौधे रोपे पत्रकारों मंदिर के माली, पुजारी सफाई कर्मचारियों को भेट देकर सम्मानित किया सभी शाखाओं द्वारा संस्कृतिक प्रोग्राम महिला दिवस के अवसर पर रखें गए। सभी बहनों ने गुलाला व फूलों से होली खेली संभाग अध्यक्ष कुमुदिनी बरया, प्रांतीय अध्यक्ष विजय लक्ष्मी व प्रांतीय सचिव निश का उद्बोधन हुआ जिसमें आगामी सेवा कार्यों की रूपरेखा बताई गई व हमें अपने कर्तव्यों का बोध प्रांतीय अध्यक्षा जी ने करवाया।

पंचायत चौकीदार संघ ने कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान कराये जाने राज्यपाल को दिया ज्ञापन

भोपाल। राजधानी में आज न्यू मार्केट स्थित रोशन पूरा चौराहे पर प्रदेश से आए पंचायत में कार्यरत भ्रत्य, चौकीदार और सफाई कर्मियों के संगठन पंचायत चौकीदार संघ ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और राज्यपाल में नाम प्रशासन को ज्ञापन दिया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि आयुक्त पंचायत राज संचनालय म.प्र. के आदेश का/पप/पं.रा. 2013/ 13700 भोपाल 20

दिसंबर 2013 के पालनार्थ प्रदेश की कुल 313 जनपद पंचायतो के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतो को प्राप्त ई पंचायत अंतर्गत कम्प्यूटर हार्डवेयर सेट, एल.ई.डी. टी. वी. एवं अन्य सामग्री की सुरक्षा एव देखरेख हेतु चौकीदार व कार्यालय संचालन व साफ-सफाई हेतु भृत्य, सफाईकर्मियों की नियुक्ति की गई थी तब से प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में चौकीदार व सफाईकर्मी अपनी सेवाओं में कार्यरत् है। जिन्हें श्रम अधिनियमों के विपरीत मनमाने तौर पर मानदेय 500-1000-1500 रूपये प्रतिमाह भिन्न-भिन्न दरों पर दिया जा रहा है। जिस कारण ग्राम पंचायत कार्यरत् चौकीदार, मृत्यो व सफाईकर्मियों को बेहद आर्थिक संकट से अपना जीवनयापन चलाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

भोपाल। विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस पर मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन द्वारा उपभोक्ताओं के संरक्षण संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

सरकारी विद्यालयों में शिक्षक करेंगे टेबलेट का उपयोग

भोपाल। प्रदेश में गुणवत्तायुक्त स्कूली शिक्षा के लिए अब प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षकों को टेबलेटस् की सुविधा भी जा रही है। प्राथमिक स्तर के शिक्षक इन टेबलेटस् का उपयोग कक्षा शिक्षण के साथ ही ऑनलाइन शिक्षण और प्रशिक्षण जैसे कार्यो में करेंगे। मध्यप्रदेश में समग्र शिक्षा अभियान की टीचर्स रिर्सोस पैकेज योजना के अंतर्गत प्राथमिक स्तर के समस्त शिक्षकों के लिए टेबलेट क्रय हेतु प्रति शिक्षक 10,000 रू. का बजट स्वीकृत किया गया है। शिक्षकों के खाते में राशि हस्तातरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

नरेला विधानसभा के 4 वार्डों में हुआ होली मिलन समारोह

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने नागरिकों को दी रंगोत्सव की शुभकामनाएँ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बुधवार को नरेला विधानसभा के वार्ड 69, 41, 79 एवं 77 में होली मिलन समारोह में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री सारंग ने सभी रहवासियों एवं नागरिकों के साथ फूलों की होली खेली। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, जन-प्रतिनिधि, नागरिक, कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के रहवासी उपस्थित रहे।

नरेला के निरंतर विकास के लिये सदैव समर्पित: मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा देश-प्रदेश के विकास के लिये अभिनव योजनाओं से निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र के साथ नरेला विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा अविरल प्रवाहित हो रही है।

मंत्री सारंग ने वर्ष 2008 के पहले का उल्लेख करते हुए विगत वर्षों में क्षेत्र में हुए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों से नागरिकों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की पेयजल समस्या निदान के लिये हर घर नर्मदा जल पहुँचाया जा रहा है। वर्तमान में सड़क, बिजली, स्कूल, कॉलेज के साथ ही फ्लाईओवर और थीम पार्क की सौगातें भी रहवासियों को समर्पित की गई है।

लाड़ली बहना से महिलाएं आर्थिक रूप से होंगी सशक्त: मंत्री सारंग ने महिलाओं को मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ला?ली लक्ष्मी योजना से बेटियों का समाज में सम्मान बढ़ाया उन्हें आत्म-निर्भर बनाने का काम किया है। अब ला?ली बहना योजना से प्रदेश की महिलाएँ आर्थिक रूप से भी सशक्त होंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योजना में प्रतिमाह 1-1 हजार रूपए बहनों के खाते में डाले जायेंगे। साथ ही वृद्धावस्था पेंशन में 600 रूपये में वृद्धि कर 1000 रूपये पेंशन दी जायेगी।

मंत्री सारंग ने जमकर खेली फूलों की होली: होली मिलन समारोह के दौरान मंत्री सारंग ने स्थानीय कलाकारों के साथ फाग गीत गाये। उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों पर पुष्प-वर्षा कर फूलों की होली खेली और सभी को होली एवं रंगपंचमी की शुभकामनाएँ दी। फूलों की होली और फाग गीतों की मधुर धुन पर राध-कृष्ण बने कलाकारों की प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उल्लेखनीय है कि नरेला विधानसभा में प्रतिवर्ष प्रत्येक वार्ड में होली मिलन समारोह किया जाता है।

क्षेत्रवासियों ने किया भव्य स्वागत: मंत्री सारंग का होली मिलन समारोह की शुरूआत में रहवासियों ने पुष्प-वर्षा एवं आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया। मंत्री सारंग ने नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया।

ऐतिहासिक रैली और मऊगंज को जिले का उपहार, विकास की बढ़ेगी रफ्तार

भाजपा विधायक प्रदीप पटेल का दावा: विंध्य में इस बार रिकार्ड बनाएगी भाजपा

साक्षात्कार- संजय सक्सेना

भोपाल। रीवा जिले का पिछड़ा क्षेत्र कहा जाने वाला मऊ अब विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की दहलीज पर खड़ा है। शनिवार चार मार्च का दिन यहां के लोग कभी नहीं भूल सकते, जब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा जिले से अलग कर मऊगंज को नया जिला बनाने की घोषणा की। जैसे ही ऐलान हुआ, सभा में मौजूद हजारों-हजार लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लोगों को इसी का इंतजार था। इसी की आस में कोई डेढ़ लाख लोग मऊगंज पहुंचे थे, सरकारी साधनों से नहीं, स्वयं के साधनों से। हजारों लोग तो पैदल चलकर वहां पहुंचे। स्वयं मुख्यमंत्री बोल उठे-ये तो भोपाल के जंबूरी मैदान को मात कर रही है। परंतु यह करिश्मा था विधायक प्रदीप पटेल का। प्रदीप पटेल मऊगंज से विधायक हैं और मप्र पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य हैं। वे लगातार न केवल अपने क्षेत्र के लिए अपितु पिछड़ा वर्ग के लिए भी पूरी तरह से समर्पित भाव से काम करते हैं। मुलाकात के दौरान विधायक ने कई मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। प्रस्तुत हैं चर्चा के प्रमुख अंश-

-विधायक के रूप में आप अपनी सबसे बड़ी सफलता किसे मानते हैं?

-उनकी मेहनत तभी सफल हुई, जब मुख्यमंत्री ने कई मुद्दों के साथ मऊगंज को जिला बनाने की घोषणा की। मऊगंज प्रदेश का 53वां जिला होगा। इसमें चार तहसीलें होंगी। मऊगंज, हनुमना और नईगढ़ी के अलावा नई तहसील देवतालाब भी इसमें शामिल होगी। मऊगंज को जिला बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। 15 अगस्त को मऊगंज में तिरंगा फहराया जाएगा। इसके साथ ही यहां विकास की नई इबारत लिखने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। यह केवल मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि ही नहीं है, मुख्यमंत्री का आशीर्वाद भी है।

-क्या आपके क्षेत्र में आगामी चुनाव में यही सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा?

-निश्चित तौर पर हमारी सरकार की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है, तो मुद्दा तो रहेगा ही। साथ ही हमने अपने क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। प्रमुख मुद्दा तो विकास ही रहेगा।

-आप अपनी मुख्य उपलब्धियां क्या मानते हैं?

-बाणसागरमें जल जीवन मिशन के तहत 1896 करोड़ रुपए की स्वीकृति, इससे मऊगंज और हनुमना के 450 से अधिक गांवों में पाइपलाइन से पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। चौरा घाट बन रहा है, इससे इलाहाबाद की दूरी 80 किलोमीटर कम हो जाएगी, जो यहां के लोगों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ था। हमें दो सीएम राइज स्कूल मिले हैं। दो औद्योगिक क्षेत्र घुरेहटा और पटेहरा मगरावल मिले हैं, जहां उद्योग लगने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। हनुमना को डिग्री कालेज की सौगात मिली है, यह अगले सत्र से प्रारंभ हो जाएगा। ये तो ताजा उपलब्धियां हैं, पूर्व की उपलब्धियों की बहुत बड़ी सूची है। लेकिन हमारे कदम थमने वाले नहीं हैं।

-मऊगंज के जिला बनने से क्या परिवर्तन होगा?

-नए जिले में 382 गांव नईगढ़ी तहसील के, 341 गांव मऊगंज के, 343 गांव हनुमना के शामिल होंगे। देवतालाब अलग तहसील बनेगी। इन चार तहसीलों को मिलाकर नया जिला बनेगा। जिला बनेगा तो और भी विकास के कार्य करने होंगे। जिला बनते ही यहां कई काम होंगे। टाउन हॉल, शहर के अंदर टू-लेन सड़क, औद्योगिक क्षेत्र जैसी बातें कही गई हैं।

-आप पिछड़ा वर्ग को लेकर बहुत संवेदनशील और सक्रिय रहते हैं, इसके पीछे क्या कारण है?

-देखिए मैं स्वयं पिछड़े वर्ग से हूं। और बचपन से ही समाज के लिए कुछ करने की ललक रही। कालेज के समय दिल्ली में जंतर मंतर पर धरने में शामिल हुआ था। समाज में जो भी पिछड़े हैं, उन्हें मुख्य धारा में लाने का विचार मन में हमेशा रहता है और मैं इस दिशा में लगातार काम करने की कोशिश में रहता हूं।

-प्रदेश में पिछड़े वर्ग को सत्ताइस प्रतिशत आरक्षण के मामले में क्या स्थिति है?

-सरकार तो पिछड़े वर्ग को सत्ताइस प्रतिशत आरक्षण दे ही रही है। भर्ती से लेकर हर मामले में हम वचनबद्ध हैं।

-पंचायत चुनावों के दौरान पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का मामला काफी लंबा चला, आपकी क्या भूमिका रही?

-पंचायत चुनाव आरक्षण के साथ हुए, इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री जी को ही जाता है। हम लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में पर्याप्त तथ्य रखे। इसके लिए हमें बहुत तैयारी करनी पड़ी। आंकड़ों और तथ्यों के साथ ही तर्कों के साथ जब सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष गया, तो न्यायालय ने भी हमारी बात मानी और आरक्षण के साथ चुनाव हुए।

-विंध्य क्षेत्र में आगामी चुनाव को लेकर क्या तस्वीर उभर रही है?

-देखिए प्रदेश में भाजपा की सरकार है और हमारे मुख्यमंत्री ने विंध्य में केवल मऊगंज को ही नहीं, पूरे अंचल को विकास की धारा से जोड़ा है। कह सकते हैं कि विकास की गंगा बहाई है। और यहां संगठन व सत्ता के बीच बेहतर समन्वय भी है। नेतृत्व पूरी तरह से सजग है। विकास यात्राओं के दौरान हमें जनता का जो प्यार मिला, हम मानते हैं कि हमें पिछली बार से अधिक सीटें मिलेंगी। प्रदेश में भाजपा की सरकार तो बनेगी ही, विंध्य की भागीदारी भी अहम होगी।

उपार्जन कार्य की जरूरी तैयारियां पूरी करें: शिवराज सिंह चौहान

सांध्य प्रकाश संवाददाता
● भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में रबी उपार्जन कार्य के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में प्रदेश में रबी उपार्जन कार्य के लिए की गई तैयारियों संबंधी बैठक में यह निर्देश दिए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहू लाल सिंह, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद भदौरिया और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बताया गया कि प्रदेश में इस वर्ष उपार्जन के लिये करीब 15 लाख किसान पंजीयन करवा चुके हैं। गत वर्ष

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

हुए पंजीयन की तुलना में तीन चौथाई पंजीयन हो चुके हैं। लगभग 20 लाख पंजीयन होने की संभावना है। अनाज के भण्डारण एवं परिवहन के लिए आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं।

प्रदेश में 25 मार्च से गेहूँ उपार्जन शुरू होगा। संभागवार तिथियाँ निर्धारित की गई हैं। भोपाल सहित इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभागों में 25 मार्च से उपार्जन प्रारंभ होगा। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, ग्वालियर और चम्बल संभाग में एक अप्रैल से उपार्जन कार्य प्रारंभ होगा। प्रदेश में 4 हजार 223 उपार्जन केंद्र कार्य करेंगे। बारदाना व्यवस्था में करीब 3 लाख गठान की अनुमानित आवश्यकता के अनुसार प्रबंध हो चुका है। वर्तमान में उपलब्ध बारदानों से लगभग 70 लाख मीट्रिक टन उपार्जन संभव है। भण्डारण के लिए भारतीय खाद्य निगम, अधिग्रहित गोदाम, ओपन केप, सायलो बैग सभी शासकीय और अर्द्धशासकीय एजेंसियों के गोदाम उपलब्ध हैं।

वैचारिक प्रतिबद्धता से ही प्रतिष्ठा का विस्तार होता है: आचार्य निलिम्प त्रिपाठी

भोपाल। आचार्य डॉ निलिम्प त्रिपाठी ने मिनाल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस में कहा कि निष्ठा ही प्रतिष्ठा का कारण बनती है। श्रीमद्भागवत की रोचक कथा बताते हुए चौथे स्कंध पर विशेष प्रकाश डाला। गुरुदेव ने कहा कि वास्तव में समस्त कल्याणों की दाता आत्मा है और आत्मज्ञान कराने वाले श्री हरि ही सम्पूर्ण प्राणियों के प्रिय आत्म स्वरूप हैं। जिस तरह वृक्ष की जड़ को सींचने से तना, शाखाएँ तथा टहनियाँ पुष्ट होती हैं और जिस तरह पेट को भोजन देने से शरीर की इन्द्रियाँ तथा अंग प्राणवान् बनते हैं उसी प्रकार भक्ति द्वारा भगवान् की पूजा करने से भगवान् के ही अंग रूप सभी देवता स्वतः पुष्ट हो जाते हैं। श्री बलराम त्रिपाठी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में मिनालवासी हर्षोल्लास से सम्मिलित हो रहे हैं। आज श्रीमद् भागवत में महाभारत की प्राचीन कथा को बहुत रोचक ढंग से सुनकर असंख्य समूह आनंद विभोर हुए। भगवान के 24 अवतारों की कथा भी बहुत मर्मस्पर्शी तथा प्रेरणा प्रद रही।

देसी हांडी फूड फेस्ट 18 एवं 19 को, दिखेगी जनजातीय कला की झलक

भोपाल। बिट्टन मार्केट स्थित दशहरा मैदान में 18 एवं 19 मार्च को देसी हांडी फूड फेस्ट होगा। ट्राइबल से ट्रेडिशन तक% थीम पर होने वाले फूड फेस्ट में कोरकू, गोंड, बैगा, भीली और सहरिया जनजातीय समूहों के पारंपरिक फूड के स्टॉल्स लगेंगे। साथ ही श्रीअन्न यानी मोटे अनाज (मिलेट्स) और देसी चौपाटी के भी कई स्टॉल्स होंगे। जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित वन्या प्रकाशन इस फेस्ट में पार्टनर है, जिसमें लाइफस्टाइल शॉपिंग का आनंद भी लिया जा सकेगा। इसमें विभिन्न जनजातीय कलाकार अपने हस्तशिल्प के स्टॉल्स भी लगाएंगे। फेस्ट में विभिन्न वर्कशॉप्स का आयोजन भी किया जाएगा। पहले दिन कोरकू, भगोरिया, परधौनी और बिरहा जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ होंगी। दूसरे दिन गुदुम, कर्मा, गोडी नृत्य और कली बाई की पंडवानी की प्रस्तुति होंगी। फेस्ट में इंडी बैंड परफॉर्मेंस का लुत्फ भी उठाया जा सकेगा।

मुनीम को दिनदहाड़े गोली मारकर 22 लाख की लूट करने वाले गिरफ्तार

उप्र के शूटर्स ने स्थानीय लोगों की मदद से दिया था घटना को अंजाम

सतना। सतना में पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए बीते दिनों सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा नगर निगम के समीप सर्किट हाउस के सामने शराब कंपनी के मुनीम को गोली मारकर 22 लाख रुपए की लूट कर सनसनी मचाने वाले लुटेरों को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार की शाम पूरे मामले का पर्दाफाश करने में कामयाबी प्राप्त की। लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन लुटेरों को सतना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि 8 आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इस घटना को उप्र के शूटर्स ने स्थानीय मदद से अंजाम दिया था।

यह थी घटना: सतना की थाना कोतवाली पर 6 मार्च 2023 को दोपहर करीब 2 बजे कंट्रोल रूम, सतना के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा नगर निगम के समीप सर्किट हाउस के सामने कैश वैन से उतर रहे एक व्यक्ति को कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मारकर उसका बैग लूट लिया है। इस घटना की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। घटना की पड़ताल करने पर पुलिस को पता चला कि करीब 50 वर्ष का एक व्यक्ति कैश वैन के गेट के समीप मृत अवस्था में पड़ा है। मौके पर मृतक के साथी ड्राइवर दिनेश बारी ने मृत व्यक्ति का नाम संजय कुमार सिंह बताया। थाना प्रभारी कोतवाली ने मामला पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के संज्ञान में लाया एवं मर्ग कायम कर हत्या एवं डकैती का मुकदमा कायम कर मामला विवेचना में लिया। पुलिस ने तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए मनीष सिंह बरगाही पिता अमरजीत उर्फ उमेश बरगाही उम्र 24 वर्ष हाल निवासी दुर्गा नगर, नई बस्ती कोलगवा, गौरव सिंह बरगाही पिता सतीश सिंह बरगाही उम्र 28 वर्ष निवासी रेगांव, थाना सिंघपुर तथा दीप नारायण उर्फ दीपक पांडे पिता आदित्य पांडे उम्र 32 वर्ष निवासी सोहास कोटर थाना को गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ कर मामले का खुलासा किया। पुलिस द्वारा फरार आरोपी राहुल जैसवाल पिता बद्री जैसवाल उम्र 22 निवासी सिन्धी कैम्प, थाना कोलगवा, सुभाष यादव पिता घुरहु यादव उम्र 35 वर्ष निवासी थाना केराकट जौनपुर उत्तर प्रदेश, शिवम उर्फ पोनू सरोज पिता सत्यदेव सरोज उम्र 23 वर्ष निवासी पचवार जिला जौनपुर, आनंद सागर यादव पिता सूबेदार यादव उसरापुर पचवार जौनपुर, नीलेश उर्फ नीलू यादव पिता जनार्दन यादव उम्र 22 थाना केराकट जौनपुर, अभिषेक निषाद पिता विनोद निषाद उम्र 23 वर्ष निवासी थाना गड्डी केराकट जौनपुर, दीपक सिंह पटेल उर्फ दीपू पिता राजेन्द्र उर्फ भूरा सिंह उम्र 28 वर्ष कुरमिहा टोला रामपुर बघेलान और जिलेदार उर्फ जेडी उर्फ छोटू यादव पिता मुरली यादव उम्र 35 वर्ष निवासी थाना महाराजा गंजास जिला जौनपुर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम उत्तर प्रदेश राज्य के जौनपुर जिले मे भेजी गई है और संयुक्त ऑपरेशन में लगी है। जौनपुर और सतना पुलिस के सहयोग से आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही सफलता मिलने की उम्मीद है।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक, 18 मार्च तक मांगे सुझाव

भोपाल। कलेक्टर अवनीश लवानिया की अध्यक्षता में बुधवार को जिला मूल्यांकन समिति जिला भोपाल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विधायक रामेश्वर शर्मा, सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह और अन्य अधिकारी भी उपस्थिति थे। कलेक्ट्रेट सभा कक्ष भोपाल में वर्ष 2023-24 के लिए मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धान्तों का बनाया जाना एवं उनका पुर्नरीक्षण नियम के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा उप जिला मूल्यांकन समिति से प्राप्त प्रस्तावों पर समीक्षा की गई। विधायक श्री शर्मा ने सभी के लिए आवास को ध्यान में रखते हुए मूल्य प्रस्तावित करने का सुझाव दिया। साथ ही उप जिला मूल्यांकन समिति भोपाल एवं बैरसिया द्वारा लगभग 733 लोकेशनों जिनमें 10 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि के प्रस्ताव को पुनः समीक्षा करने के लिए कहा गया, साथ ही आम जनता से सुझाव प्राप्त करने एवं आम जनता के अवलोकन हेतु प्रारम्भिक प्रस्तावों को एन. आई.सी जिला भोपाल की बेबसाईट पर अवलोकन के लिए अपलोड किया गया है। इसके अतिरिक्त जिला पंजीयक कार्यालय भोपाल परी बाजार एवं जिला पंजीयक कार्यालय भोपाल आई.एस.बी.टी परिसर / कुशाभाउ ठाकरे टर्मिनल एवं उप पंजीयक कार्यालयों में अवलोकन हेतु रखी गई है। जो भी आमजन / संस्था गाईड लाईन के संबंध में सुझाव प्रस्तुत करना चाहतें हैं वह अपने सुझाव 18 मार्च को सांय 5:00 बजे तक कार्यालय कलेक्टर भोपाल, कार्यालय वरिष्ठ जिला पंजीयक परीबाजार भोपाल एवं कार्यालय उप पंजीयक 1, 2, 3 में प्रस्तुत कर सकतें हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 5 लाख से ज्यादा हितग्राही लाभान्वित

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में अब तक 5 लाख 33 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। राज्य सरकार द्वारा इस पर 1283 करो? रुपये खर्च किये गये। मुख्यमंत्री निकाह योजना में 55 हजार हितग्राहियों को लाभ मिला है। पटेल ने यह जानकारी आज सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक में दी। समिति सदस्य विधायक सीताराम, वजय राघवेन्द्र सिंह, चन्द्रभागा किराड़े और विभागीय आयुक्त ई. रमेश कुमार उपस्थित थे।

एम्स में वार्षिक अंतर महाविद्यालयीन खेल कार्यक्रम प्रवाह का शुभारंभ

भोपाल। एम्स के छात्रों द्वारा आयोजित और संचालित एक वार्षिक अंतर महाविद्यालयीन खेल कार्यक्रम प्रवाह 15 से 22 मार्च तक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक कबड्डी, खो-खो से लेकर क्रिकेट, बैडमिंटन और टीटी सहित कुल 22 खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की जाएगी। एम्स भोपाल के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वाई. के. गुप्ता ने दिनांक 15-03-2023 को शाम 5:00 बजे प्रो. डॉक्टर अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल, प्रोफेसर राजेश मलिक, डीन (अकादमिक), प्रो. (डॉ.) बालकृष्णन एस., डीन (छात्र कल्याण) प्रो. मनीषा श्रीवास्तव, चिकित्सा अधीक्षक, प्रो. बर्था रथिनम और एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों की उपस्थिति में संस्थान के खेल मैदान में इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। एक सप्ताह तक आयोजित की जानेवाली ये खेल गतिविधियां छात्रों की उनकी अथक शैक्षणिक गतिविधियों से कुछ विराम देकर, खेलों के माध्यम से उनके व्यक्तिगत विकास और एक खिलाड़ी के रूप में टीम भावना के साथ उनके समग्र विकास में सहायक सिद्ध होंगीं।

क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग की उपलब्धियां

भोपाल। डॉ. सौरभ सैगल और डॉ. राजेश पांडा (विभाग में डीएम पाठ्यक्रम के प्रथम उम्मीदवार) द्वारा क्रिटिकल केयर अल्ट्रासाउंड में फैलोशिप सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की गई । यह आई.एस. सी.सी.एम. (इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन) द्वारा संचालित एक वर्षीय ऑनलाइन कार्यक्रम है, जिसमें गहन चिकित्सा से जुड़े डॉक्टरों को उनके रोगी प्रबंधन में सुधार के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी (फेफड़े, वायुमार्ग, उदर) और इकोकार्डियोग्राफी सिखाया जाता है । इस पाठ्यक्रम के लिए 22 उम्मीदवारों ने प्रवेश लिया था और सैद्धांतिक कक्षाओं (आभासी सत्र) और प्रायोगिक कक्षाओं (ऑनसाइट सत्र) के उपरांत केवल 4 उम्मीदवार ही अंतिम परीक्षा को पास कर सके।

एम्स में विचार-मंथन सत्र संपन्न

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग और लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से जूझने की वैश्विक समस्या से सन 2050 तक लगभग 10 मिलियन मौतें होने का अनुमान है और प्रति वर्ष वैश्विक स्तर पर होने वाली दुर्घटनाओं में से लगभग 1 मिलियन दुर्घटनाओं में एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से की वजह से मृत्यु होने का अनुमान है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इस समस्या को एक छिपी हुई महामारी बताया गया है। एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से जूझने की इस समस्या से निपटने के लिए विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा भी इसे उजागर किया गया है। हमें एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग और गलत उपयोग को रोकने की आवश्यकता है। इस समस्या पर जागरूकता लाने के लिए डॉक्टरों और जन समुदाय के बीच बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। एम्स द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय, मध्य प्रदेश शासन और ग्लोबल एंटीबायोटिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट पार्टनरशिप के सहयोग से एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से लड़ने के विषय पर एक दिवसीय विचार-मंथन सत्र का आयोजन किया । इस सत्र का उद्घाटन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग द्वारा किया गया। प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक एम्स, भोपाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के खतरे से लड़ने के लिए विभिन्न वर्गों के सहयोगात्मक प्रयास पर जोर दिया। प्रोफेसर वाई.के. गुप्ता, अध्यक्ष, एम्स, भोपाल ने इस विचार-मंथन सत्र के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने आम जनता के साथ-साथ डॉक्टरों को भी एंटी बायोटिक का केवल और केवल आवश्यक रूप से उपयोग करने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग ने इस विचार-मंथन सत्र के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस पहल के लिए एम्स को बधाई दी। समापन सत्र के दौरान लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने एंटी बायोटिक्स के प्रयोग पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने डॉक्टरों, शोधकर्ताओं का आह्वान किया कि वे एंटी बायोटिक का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए जागरूकता का प्रसाद करें। समापन सत्र में मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान ने भी भाग लिया । इस सत्र में एम्स दिल्ली, एम्स जम्मू, एम्स ऋषिकेश के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सिक्योरमी, माइक्रोवियामा तथा एस आर एम आई एस टी जैसे औद्योगिक भागीदारों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया ।

इस बैठक का उद्देश्य एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से लड़ने के तरीकों की मजबूत प्रणाली स्थापित करने के तरीके और साधन तैयार करना था। बैठक की अध्यक्षता एम्स के अध्यक्ष प्रोफेसर वाई.के. गुप्ता द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर देबाशीष विश्वास, विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी एवं डीन अनुसंधान, एम्स, भोपाल ने किया। प्रोफेसर राजेश मलिक, डीन अकादमिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया ।

स म्पा द की य

भूमिका और अधिकार

इन दिनों देश में राज्यपाल की भूमिका काफी चर्चा में है, और कोर्ट में भी इस पर बहस चल रही है। सर्वोच्च न्यायालय में महाराष्ट्र के मामले में याचिका उद्धव ठाकरे की थी और मुद्दा एकनाथ शिंदे को सीएम पद की शपथ दिलाने का था। ठाकरे के वकील कपिल सिब्बल ने तत्कालीन गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी को कटघरे में खड़ा किया, पर बिना नाम लिए। उनकी दलील थी कि शिंदे की विधानसभा सदस्यता खत्म करने की प्रक्रिया पूरी होने से पहले गवर्नर ने शपथ कैसे दिलाई। न्यायालय ने भी सहमति जताई और कहा कि राज्यपाल राजनीति में फंस रहे हैं। यह वाकई बहुत महत्वपूर्ण मामला है और इस पर न केवल बहस होना चाहिए, अपितु एक गाइड लाइन भी सार्वजनिक होना चाहिए।

यूं तो देश की सर्वोच्च अदालत राज्यपाल के फैसलों को पलटती रही है। ऐसा आम तौर पर सरकार गिराने और बनाने के दावों के दौरान लिए गए फैसले होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 159 के मुताबिक राज्यपाल हमारे संविधान के संरक्षक हैं। लेकिन होता क्या है? वो जिस सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त होते हैं, उसी के सिपहसालार बन जाते हैं। संविधान संरक्षक से इतर सत्ता की सियासत का मुंह ताक रहे राज्यपालों को सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दस वर्षों में लगातार आइना दिखाया है।

2016 में हरीश रावत सरकार को हटाने का फैसला पलटना आपको याद होगा। इसके बाद 2018 में कर्नाटक का रुख कीजिए। राज्यपाल वजू भाई ने बीएस येदियुरप्पा को सीएम की शपथ दिलाई और बहुमत साबित करने के लिए 15 दिनों का समय दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए 24 घंटे के भीतर फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया। इस पर येदियुरप्पा ने वोट कराए बिना ही इस्तीफा दे दिया। राज्यपाल के सम्मान और संवैधानिक पदवी को देखते हुए अनुच्छेद 361 के तहत राष्ट्रपति की तरह के अधिकार मिले हुए हैं। उदाहरण के तौर पर, देश की किसी अदालत के प्रति वो उत्तरदायी नहीं हैं। ऐसे में अपने फैसलों से किरकिरी कराने का रिवाज इस पद की गरिमा को कुएं में ढकेल रहा है। प्रश्न तो उठता है, क्या राज्यपाल जेबी वीटो का इस्तेमाल कर सकता है?

पहले कुछ पुराने पन्ने उलटते हैं। 1986 का वो वाकया, जब जेबी वीटो को संविधान से बाहर घर-घर तक पहुंचा दिया। राजीव गांधी सरकार इंडियन पोस्टल ऑफिस अमेंडमेंट बिल लाई। संसद ने इसे पास कर दिया। लेकिन कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की सहमति जरूरी थी। पर, राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने जेबी वीटो का इस्तेमाल करते हुए इस पर कोई फैसला ही नहीं किया। और ये बिल कभी कानून नहीं बन सका। 1989 में राजीव गांधी की सरकार चली गई। दरअसल इस कानून में लोगों की बातचीत, पत्राचार को सर्विलांस के दायरे में लाने का प्रावधान था। लिहाजा निजता का अधिकार खतरे में था। और संविधान के संरक्षक ने अपना धर्म निभाया। ये तो एक पहलू है। लेकिन क्या ऐसा हो रहा है? और क्या राज्यपाल को भी जेबी वीटो का अधिकार है?

झारखंड के राज्यपाल से हटाए गए रमेश बैस को देखिए। वहां के सीएम हेमंत सोरेन ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में फंसे हुए हैं। सीएम रहते खदान अपने नाम कराने का आरोप है। कोर्ट से अलग जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत चुनाव आयोग ने इसकी सुनवाई की। हेमंत सोरेन ने अपनी दलील दी। अंत में चुनाव आयोग ने 25 अगस्त, 2022 को अपना फैसला बंद लिफाफे में गवर्नर को भेज दिया। लेकिन राज्यपाल रमेश बैस ने इसे खोला ही नहीं। जब 12 फरवरी को वो रांची से विदा हो रहे थे, तब पत्रकारों ने इस पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा - मैंने देखा कि झारखंड में सरकारें ज्यादा टिकती नहीं हैं और मैं राज्य के विकास में बाधक नहीं बनना चाहता था।

यही सवाल तमिलनाडु में उठा जब दो मामलों में राज्यपाल ने विधानसभा से पारित बिल को लटका दिया। विधानसभा के स्पीकर एम अप्पावू ने ऑल इंडिया प्रिजाइडिंग ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस में ये मामला उठाया। एक तो राज्य में नीट परीक्षा नहीं कराने का विधेयक था और दूसरा राजीव गांधी के हत्यारों को छोड़ने का।

संविधान के अनुच्छेद 200 में वीटो पॉवर पर राज्यपाल के अधिकारों का जिक्र है। संदर्भ में जाएं तो अनुच्छेद 201 में कहा गया है कि अगर राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेजना चाहते हैं तो वो ऐसा कर सकते हैं।

राज्यपाल के पास धन विधेयक को छोड़ कर बाकी विधेयकों पर वीटो पॉवर है लेकिन पॉकेट या जेबी वीटो का अधिकार नहीं है। ये सिर्फ राष्ट्रपति के पास है। अगर राष्टपति चाहें तो किसी राज्य के राज्यपाल से आए विधेयक पर पॉकेट वीटो लगा सकते हैं। खुद राज्यपाल नहीं लगा सकते। इसके बावजूद ऐसा हो रहा है। 20 मार्च को तेलंगाना सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने वाली है। राज्य सरकार का कहना है कि राज्यपाल तमिलसाई सौंदराजन ने कम से कम 10 विधेयकों को लटकाया हुआ है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पीठ अब इस पर सुनवाई करेगी। इसी की साथ पहली बार संविधान के अनुच्छेद 163 (2) का भी टेस्ट होगा। इसके मुताबिक राज्यपाल के विवेकाधिकार से लिए गए किसी फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती और उनका फैसला अंतिम माना जाएगा। तो राज्यपाल की भूमिका की समीक्षा भी तो होना चाहिए। और, यह भी देखना होगा कि क्या किसी के पास असीमित अधिकार हो सकते हैं और क्या उनका किसी राजनीतिक हित में दुरुपयोग किया जा सकता है?

ब्रिटेन का शरणार्थी संकट

ब्रह्मदीप अलूने

ब्रिटेन का समाज मुक्त व्यापार के फायदों और अपने देश की आर्थिक प्रगति से ज्यादा अप्रवासन की उन चुनौतियों से ज्यादा आशंकित है जो पूर्वी यूरोप और गृहयुद्द से जूझ रहे अरब और अफ्रीकी देशों से आ रही है। यहां के निवासियों को लगता था कि यूरोपीय यूनियन में ज्यादा समय तक बने रहने से न केवल उनका सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य बदल जाएगा बल्कि स्थानीय नागरिकों के सामने रोजगार और सुरक्षा का संकट भी गहरा सकता है। मुक्त आवाजाही को सांस्कृतिक,सामाजिक और आर्थिक उत्थान का माध्यम बनाने की यूरोपीय संघ की कोशिशों को ब्रिटेन ने ब्रेक्सिट के जरिए बड़ा झटका दिया था। यह यूरोप के एकीकरण के सपनों के ध्वस्त होने जैसा था। पिछले 10 सालों में ब्रिटेन की राजनीति बहुत बदल गई है और वह वैश्विक मानवाधिकारों की रक्षा की नसीहतों को नजरअंदाज करने को भी आमादा नजर आती है। ब्रिटेन का पारम्परिक समाज प्रवासी और शरणार्थी जैसे मुद्दों पर बेहद मुखर है और वह अपने देश की पहचान को बनाएं रखने के लिए किसी को भी शरण नहीं देना चाहते।

दरअसल करीब 12 साल पहले ब्रिटेन की जनसंख्या के सरकारी आंकड़े सामने आये तो यहां के परम्परावादी समाज में कड़ी प्रतिक्रिया देखी गई थी। इसके अनुसार ब्रिटेन की जनसंख्या को छह करोड़ बत्तीस लाख बताया गया था जिसमें ब्रिटेन के स्थानीय निवासियों का अनुपात 2001 की जनगणना के 87 फीसदी के मुकाबले घटकर 80 फीसदी बताया गया था। आंकड़ों के अनुसार इंग्लैंड और वेल्स में हर आठवां व्यक्ति विदेश में जन्मा व्यक्ति है। ब्रिटेन के जनसंख्या अनुपात में पिछले 10 सालों में आए बदलाव के लिए मुख्य कारण आप्रवासियों का ब्रिटेन आना बताया गया।

यह भी बेहद दिलचस्प है कि अवैध अप्रवासन का मार्ग ब्रिटेन में उस इंग्लिस चैनल को समझा जाता है जो किसी समय ब्रिटेन की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। इंग्लिश चैनल ब्रिटेन के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करती रही है। करीब 100 साल पहले ब्रिटिश नौसेना की समुद्री शक्ति का कोई मुकाबला नहीं हुआ करता था। ब्रिटिश साम्राज्य का निर्माण सिर्फ इसीलिये संभव हुआ था क्योंकि रॉयल नौसेना ने यूरोप के आसपास,विशेष रूप से चैनल और उत्तरी सागर के समुद्रों पर निर्विवाद रूप से नियंत्रण हासिल किया था। इंग्लिश चैनल,ब्रिटेन-यूरोप और उत्तर सागर-अटलांटिक,दोनों रास्तों में यातायात के साथ दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों

में से एक है। इस मार्ग से प्रतिदिन 400 से अधिक जहाजों का आवागमन होता है।

ब्रिटेन सरकार के अनुसार,2022 में 45 हज़ार लोगों ने छोटी नावों पर सवार होकर इंग्लिश चैनल को पार किया है। यह संख्या 2021 की तुलना में 60 फीसदी से अधिक है। यूएन शरणार्थी संगठन का कहना है कि अनेक लोग शरण पाने के इरादे से,अपनी जान जोखिम में डालते हुए छोटी नावों पर सवार होकर, इंग्लिश चैनल समेत अन्य मार्गों से होकर ब्रिटेन में अनियमित ढंग से प्रवेश करते हैं।

इंग्लिश चैनल से अप्रवासन के मुद्दे पर ब्रिटेन का फ्रांस के साथ विवाद भी गहराया। इंग्लिश चैनल अटलांटिक महासागर की एक शाखा है जो ग्रेट ब्रिटेन को उत्तरी फ्रांस से अलग करती है और उत्तरी सागर को अटलांटिक से जोड़ती है। यह तकरीबन 560 किमी लंबी है और 240 किलोमीटर चौड़ी है। फ्रांस पश्चिम यूरोप में स्थित एक देश है किन्तु इसका कुछ भूभाग संसार के अन्य भागों में भी हैं। यह यूरोपीय संघ का सदस्य है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह यूरोप महाद्वीप का सबसे बड़ा देश है,जो उत्तर में बेल्जियम,लक्ज़मबर्ग,पूर्व में जर्मनी,स्विट्ज़रलैण्ड, इटली,दक्षिण-पश्चिम में स्पेन,पश्चिम में अटलांटिक महासागर,दक्षिण में भूमध्यसागर तथा उत्तर पश्चिम में इंग्लिश चैनल द्वारा घिरा है। इस प्रकार यह तीन ओर सागरों से घिरा है।

अवैध प्रवासन फ्रांस में बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है। फ्रांस का जुडाव कई देशों और समुद्रों से होने से लोग फ्रांस के तट का इस्तेमाल करना ज्यादा मुफीद समझते है। फ्रांस से ब्रिटेन आने वाले शरणार्थी संकट पर ब्रिटेन ने 2021 में फ्रांस के समुद्र तटों पर हवाई निगरानी की पेशकश की थी जिसे फ्रांस से अस्वीकार्य बताया था। ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने उत्तरी फ्रांस के समुद्र तटों पर ब्रिटिश सीमा अधिकारियों द्वारा गश्त शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा था। उन्होंने एक-दूसरे के जल क्षेत्र में संयुक्त या पारस्परिक समुद्री गश्त और मानवयुक्त उड़ानों तथा ड्रोन द्वारा हवाई निगरानी की भी सिफारिश की थी। बाद में अवैध प्रवासियों के बढ़ती समस्या से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच एक समझौता हो गया। इसके तहत फ्रांस समुद्री इलाकों में गश्त बढ़ाएगा ताकि उन अवैध प्रवासियों को रोका जा सके जो ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए खतरनाक छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार करते हैं। फ्रांस को इसकी एवज में ब्रिटेन से सात करोड़ यूरो की मदद भी मिलेगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने स्वीकार किया है कि ब्रिटेन के लोगों की प्राथमिकता अवैध प्रवास को रोकना है।

अब ब्रिटेन में अवैध प्रवेश करने वालों की खैर नहीं होगी,और ऐसे लोगों को रवांडा जाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। ब्रिटेन का नया कानून इतना सख्त है कि यह अप्रवासन की समस्या से निपटने का बड़ा हथियार तो बन सकता है लेकिन वैश्विक स्तर पर इस कानून की आलोचना भी हो रही है। ब्रिटेन 1951 की शरणार्थी सन्धि के मूल हस्ताक्षरकर्ताओं में से है,जिसमें यह माना गया है कि शरणार्थियों को,शरण पाने के लिए किसी देश में अनियमित रूप से प्रवेश करना पड़ सकता है। यूएन का कहना है कि ब्रिटेन में शरण चाहने वाले लोग शरणार्थी संरक्षण पाने के अपने अधिकार से वंचित हो जाएंगे। वहीं यह भी माना जा रहा है कि ऐसी स्थिति में शरण पाने के इच्छुक लोगों की व्यक्तिगत परिस्थितियों की जाँच किए बिना ही,उन्हें हिरासत में रखा या फिर देश निकाला दिया जा सकता है।

यदि तथ्यों की विवेचना की जाएँ तो अप्रवासन की समस्या यूरोप के लिए संकट का कारण बनती जा रही है और ब्रिटेन इससे सतर्क रहा है। यूरोपीय यूनियन के देश आर्थिक समझौते के साथ सांस्कृतिक एकता भी चाहते रहे है लेकिन तुर्की के प्रभाव से मुस्लिम अप्रवासन बढ़ने को बड़ा संकट माना गया। इसके साथ ही अरब से अफ्रीका के गृहयुद्द से पनपे संकट में शरणार्थियों के लिए जर्मनी ने उदारता से अपने द्वार खोले। जर्मनी भी यूरोपीय यूनियन का सबसे बड़ा और प्रभावी देश माना जाता है अत- इसका प्रभाव अन्य देशों पर पड़ा और ब्रिटेन के समाज को अप्रवासन उनके देश के लिए सांस्कृतिक संकट महसूस हुआ। यही नही मुक्त आवाजाही के कारण यूरोप के अन्य देशों के नागरिक ब्रिटेन में आकर रोजगार तलाशने लगे और स्थानीय लोगों में प्रवासियों के प्रति असंतोष उत्पन्न हुआ। मुक्त व्यापार के साथ मुक्त आवाजाही को यहां का समाज अपनी स्वतंत्रता के विरुद्द मानने लगा था।

बहरहाल ब्रिटेन,यूरोपीय यूनियन से अलग होकर भी जब अवैध अप्रवासन से मुक्ति नहीं पा सका तो अब उसने कड़े नियमों का दांव खेला है। ब्रिटेन का यह कदम यूरोप के दूसरे देशों को भी कड़े कानून बनाने को प्रेरित करेगा। ऐसे में दुनिया में नये संघर्ष की आशंका बढ़ सकती है। विकसित देशों का पिछड़े और विकासशील देशों की समस्याओं के प्रति कड़ा रुख अपनाने से हिंसा का भयावह दौर शुरू हो सकता है और यह विश्व शांति के लिए चुनौती बन सकता है।

मिले सत्ता का स्वाद, भले ही राज्य हो बर्बाद

सरयूसुत मिश्र

ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) बीजेपी शासित राज्यों में चुनावी गले की हड्डी बनती जा रही है. हिमाचल प्रदेश में बीजेपी के हारने के कारणों में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की कांग्रेस की घोषणा भी महत्वपूर्ण कारण मानी जा रही है. ओल्ड पेंशन स्कीम का फॉर्मूला कांग्रेस के लिए राज्यों में सत्ता का फार्मूला बन गया है।

कांग्रेस शासित राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ओपीएस लागू की जा चुकी है. जिन राज्यों में इस साल चुनाव होने वाले हैं वहां कांग्रेस ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणाएं लगातार कर रही है. मध्यप्रदेश में विधानसभा के एक प्रश्न के उत्तर में आज सरकार की ओर से वित्त मंत्री द्वारा यह जवाब दिया गया कि ओल्ड पेंशन स्कीम का कोई प्रस्ताव सरकार में विचाराधीन नहीं है. सरकार के इस वक्तव्य का पूरा राजनीतिक लाभ उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने का ऐलान कर दिया है. यह ऐलान कांग्रेस की चुनावी जान मानी जा रही है. बीजेपी और राज्य सरकार को ओल्ड पेंशन स्कीम की कांग्रेसी चाल की काट के रूप में निश्चित रूप से कदम उठाने पड़ेंगे.

केवल मध्यप्रदेश में नहीं बल्कि चुनाव वाले दूसरे राज्यों में भी बीजेपी के सामने ओपीएस का संकट बना हुआ है. बीजेपी किसी एक राज्य में ओल्ड पेंशन स्कीम पर फैसला नहीं ले सकती. इसके लिए बीजेपी को राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्धारित करनी पड़ेगी. जिन लक्ष्यों और उद्देश्यों के साथ ओल्ड पेंशन स्कीम बंद कर न्यू पेंशन स्कीम लागू की गई थी उन परिस्थितियों में और भी गिरावट आई है. सरकारों के अनुत्पादक खर्चों से राज्यों की वित्तीय स्थिति चिंताजनक ढंग से खराब होती जा रही है. कई राज्य दिवालियेपन की कगार तक पहुंच गए हैं. कर्जों के नजरिए से देखा जाए तो देश का कोई भी राज्य बेहतर स्थिति में नहीं कहा जा सकता. आंकड़ों के हिसाब से किसी भी तरह से परिस्थितियों को अपने अनुरूप बताया जाए लेकिन वास्तविकता तो सर्वविदित है.

न्यू पेंशन स्कीम 2005 में शुरू की गई थी. सामान्य रूप से किसी भी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के लिए सेवा की औसत अवधि 30 वर्ष मानी जा सकती है. इससे स्पष्ट है कि 2035 के आसपास न्यू पेंशन स्कीम में शामिल कर्मचारी रिटायरमेंट के स्टेज पर आयेंगे. ओल्ड पेंशन स्कीम लागू होने पर उसका वास्तविक भार उसी समय से प्रारंभ होगा. वर्तमान में तो केवल राजनीतिक घोषणा की जाना है. सरकार द्वारा आदेश जारी किया जाना है. उसके वास्तविक दुष्प्रभाव तो 10 सालों बाद भविष्य की पीढ़ी को और उस समय की सरकार को भुगतने पड़ेंगे.

देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए उदारवाद और नवाचार करने के लिए अग्रणी माने जाने वाली कांग्रेस आज सत्ता के लिए राज्यों को नए आर्थिक संकट में डालने का काम कर रही है. चुनावी राजनीति में मुफ्तखोरी के आज जो दृश्य दिखाई पड़ रहे हैं उसमें कोई भी दल पीछे नहीं है. सभी दलों द्वारा अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए जन-धन को लुटाना आम बात माना जा सकता है. ओल्ड पेंशन स्कीम मुफ्तखोरी की योजनाओं से भी खतरनाक है. इन योजनाओं में तो वन टाइम लायबिलिटी शामिल होती है लेकिन ओल्ड पेंशन स्कीम से तो सरकार पर नियमित लायबिलिटी बढ़ जाएगी.

कमलनाथ राजनीतिक रूप से अनुभवी और चतुर राजनेता माने जाते हैं. 2018 का चुनाव भी उन्होंने किसानों की कर्ज माफी के नाम पर जीतने में सफलता हासिल की थी. उस समय भी बीजेपी ने भावांतर योजना और किसान सम्मान निधि के नाम पर किसानों को लाभान्वित करने का व्यापक अभियान चलाया था लेकिन कर्ज माफी की घोषणा ज्यादा कारगर रही. कांग्रेस को इसका चुनावी लाभ मिला. कमोबेश ऐसी ही स्थिति ओल्ड पेंशन स्कीम में भी दिखाई पड़ रही है. बीजेपी के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करना आसान नहीं मालूम पड़ रहा है और कांग्रेस इस हथियार को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने में कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहती।

कर्मचारी वर्ग किसी भी चुनाव में राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है. कर्मचारियों का समूह और वर्ग निजी हितों को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ेगा, इसमें किसी को कोई संशय नहीं है. ऐसा माना जाता है कि मध्यप्रदेश में 2003 में कांग्रेस की सरकार के पतन के पीछे भी कर्मचारियों का आक्रोश ही रहा था. उस समय भी कर्मचारियों के जायज हितों का ध्यान नहीं रखा गया था उसके बाद मध्यप्रदेश में हुए चुनाव में कर्मचारियों का रुख सरकार विरोधी नहीं देखा गया था।

इस साल होने वाले चुनाव में पहली बार कर्मचारियों के विषय चुनावी मुद्दा बनते हुए दिखाई पड़ रहे हैं. खास कर ओल्ड पेंशन स्कीम उन कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो 2005 के बाद नई पेंशन स्कीम में शामिल हैं. लगभग 4 लाख कर्मचारी मध्यप्रदेश में इस श्रेणी में शामिल बताए जाते हैं. न्यू पेंशन स्कीम और पुरानी पेंशन स्कीम में बुनियादी अंतर है. न्यू पेंशन स्कीम कंट्रीब्यूटरी होती है. कर्मचारी और नियोक्ता का योगदान म्यूच्यूअल फंड या अन्य फंडों में नियोजित किया जाता है और रिटायरमेंट के समय उस पर जो लाभ मिलता है उसके हिसाब से कर्मचारी को पेंशन दी जाती है. पेंशन की राशि इन्वेस्टमेंट के रिटर्न के आधार पर निर्धारित होती है।

इसके विपरीत ओल्ड पेंशन स्कीम में रिटायरमेंट के महीने में कर्मचारी को मिल रहे वेतन का 50त्न पेंशन निर्धारित हो जाती है. महंगाई भत्ता इसके अतिरिक्त होता है. सातवें वेतन आयोग के बाद कर्मचारियों को मिलने वाली पेंशन परिवार के बेहतर जीवन जीने के लिए समुचित कही जा सकती है. इसीलिए एनपीएस में शामिल कर्मचारी ओल्ड पेंशन स्कीम के लिए जीवन मरण के स्तर पर जाकर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं. इसी भावना को देखते हुए कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम पर यह चुनावी दांव चला है. यह दांव नुकसान का तो है ही नहीं, जो भी होगा लाभ ही होगा।

बीजेपी के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम बड़ी चुनौती है. चुनावों से पहले बीजेपी को इस पर नीतिगत निर्णय अवश्य लेना पड़ेगा. इसमें किसी प्रकार की गफलत राजनीतिक नुकसान पहुंचा सकती है. यह बात अलग है कि स्थितियों को देखते हुए ओल्ड पेंशन स्कीम पर आगे बढ़ना राजनीतिक दल की तो जीत हो सकती है लेकिन इससे मध्यप्रदेश नहीं जीतेगा. मध्यप्रदेश का विकास इससे प्रभावित होगा. कुछ भी हो लेकिन चुनाव जीतने के लिए सब कुछ दांव पर लगाया जाता है और यही सोच ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने के पीछे भी काम कर रही है।

शाही मंत्र सिद्ध कर सत्ता में काबिज रहने का भरोसा

कौशल किशोर चतुर्वेदी

केंद्रीय मंत्री अमित शाह का बूथ जीतने का संकल्प है कि प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर लेकर आना। 22 प्रकार के कामों के साथ बूथों को सशक्त बनाना। इसी मॉडल पर गुजरात में भाजपा की प्रचंड जीत हुई है। अब प्रदेश भाजपा मध्यप्रदेश के 60 हजार से ज्यादा बूथों पर इस 'शाही' मंत्र को सिद्ध करने मैदान में उतर गई है। एक कुशल संगठक की तरह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने बूथ विस्तारक अभियान-2 की शुरूआत शाहपुरा के बूथ क्रमांक 242 से करते हुए बूथ समिति के सदस्यों के साथ जमीन पर दरी पर बैठकर लक्ष्य? पर खरा उतरने पर चिंतन किया और रोडमैप बनाया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर विधानसभा के गुरुनानक मंडल के वार्ड 10 के बूथ क्रमांक 39 में बूथ विस्तारक अभियान-2 का शुभारंभ किया और दरी पर बैठकर बूथ समिति संग लक्ष्य हासिल करने की रणनीति बनाई। 14 मार्च से शुरू हुए इस अभियान में मुख्यमंत्री, मंत्री से लेकर हर नेता बूथ पर नजर आने वाला है?। जमीन पर बैठकर लक्ष्य हासिल करने पर संधान करने वाला है। और यही वजह है कि भाजपा 2023 में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का वंदन किया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्र प्रेम को नमन किया। और यह याद दिलाया कि राष्ट्र को अभी भाजपा सरकारों की ही जरूरत है। इसमें महत्वपूर्ण भूमिका बूथ के उस कार्यकर्ता की है, जो एक-एक मतदाता तक पहुंचकर शाह के मंत्र को गुजरात की तरह मध्यप्रदेश में सिद्ध कर हर बूथ पर 51 फीसदी मत हासिल करने के लक्ष्य? को हकीकत में बदलेगा। और तब कोई भी राजनैतिक दल लोकतंत्र के रण में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पाएगा। यहां शुभारंभ की औपचारिकता नहीं बल्कि अध्यक्ष खुद दिनभर बूथ पर सक्रिय रहे। बूथ अध्यक्ष को फ्री हैंड दिया कि वह जब चाहे प्रदेश अध्यक्ष को फोन कर हर समस्या साझा कर समाधान कर सकते हैं। यह है कैडर बेस पार्टी का चरैवेति चरैवेति और सफलता का शाही मंत्र। प्रदेश अध्यक्ष ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी से लेकर मोदी-शिवराज तक भाजपा की सोच और राष्ट्र के प्रति समर्पण से अवगत कराया। तो मुख्यमंत्री शिवराज ने साफ किया कि बूथ विस्तारक अभियान-2 शुरू हो रहा है, उसका मतलब सिर्फ चुनाव के समय नहीं बल्कि हमेशा लोगों के बीच रहना है। उन्हें केंद्र व राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ दिलाना और पार्टी के साथ जोड़ना भी है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि संगठन को कैसे मजबूत किया जाता है, इसका एक किस्सा अमित शाह ने खुद ही साझा किया था। मध्यप्रदेश प्रवास पर आए शाह ने बताया था कि जब वह राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, तब उनका नागालैंड का तीन दिवसीय दौरा था और कोहिमा में उनकी सभा भी थी। जब वह वहां पहुंचे तो देखकर परेशान

हो गए कि सात लोग मंच पर और दस लोग सामने खड़े। उन्होंने मंच से कुर्सियां हटवाईं और नीचे बैठकर रणनीति बनाई और तीन दिन के सभी कार्यक्रम रद्द कर चौराहे पर खड़े होकर सदस्यता अभियान शुरू कर दिया।? तीन दिन तक लगातार सदस्यता अभियान चलाया और सदस्यों की संख्या सैकड़ों में पहुंच गई। और अब यहां नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) और बीजेपी की गठबंधन सरकार है। तो विष्णु दत्त शर्मा ने शाह के मंत्र पर काम करते हुए मध्यप्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव 2023 में हर बूथ पर 51 फीसदी मत का लक्ष्य हासिल करने की अपील की।

कार्यकर्ताओं के साथ विष्णु दत्त शर्मा ने औपचारिक संबोधन के बाद नीचे दरी पर बैठकर रणनीति बनाई। बूथ अध्यक्ष और बूथ के पांच पदाधिकारियों के साथ शक्ति केंद्र प्रभारी व बूथ समिति सदस्यों को उनकी ताकत का अहसास कराया। साथ ही हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने की जिम्मेदारी पूरी मेहनत और समर्पण से पूरी करने की अपील की, ताकि एक समाजसेवी की भूमिका में पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सपने को साकार कर सके। उन्होंने बूथ स्तर के भाजपा कार्यकर्ताओं को यह स्मरण कराया कि राष्ट्रीय कार्यसमिति में जब दुनिया के सबसे ताकतवर नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदस्यों से रूबरू हुए तो घंटों तक पार्टी की विचारधारा और पार्टी की मजबूती पर बोलते रहे। यही ताकत है कैडर बेस पार्टी यानि कार्यकर्ता आधारित पार्टी की। और बूथ स्तर के कार्यकर्ता के त्याग, समर्पण और मेहनत से ही यह संभव हो सकता है। जिस बूथ पर सदस्यों की संख्या कम है, उसको दस दिन 14 मार्च से 24 मार्च में बढ़ाकर लक्ष्य हासिल करना है। सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है और उनका लाभ हर पात्र को दिलाना है। ए प्लस बूथ को ए प्लस प्लस बूथ बनाना है।

तो बूथ विस्तारक अभियान-2 एक बहुआयामी अभियान है। 14 से 24 मार्च तक मध्यप्रदेश की पूरी भारतीय जनता पार्टी बूथों पर होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व गरीबों का जीवन बदलने वाली योजनाओं के हितग्राहियों से बूथ पर मिलना और जो लोग योजनाओं से वंचित हैं उनको जोड़ने का काम पार्टी कार्यकर्ता करेंगे। पार्टी में जो नये नौजवान हैं, जो उमंग और उत्साह के साथ खड़े हैं, 'यूथ फॉर बूथ' के अंतर्गत उनको जोड़ने का काम किया जायेगा। प्रत्येक बूथ पर जो पन्ना समिति बनेगी, उसमें कम से कम 33 प्रतिशत बहनों को अवसर दिया जाएगा। बूथ पर प्रत्येक समाज वर्ग का प्रतिनिधित्व हो, इस भूमिका में 22 प्रकार के कामों के साथ बूथ को और अधिक सशक्त बनाते हुए इस दिशा में यह बहुआयामी अभियान के जरिए भाजपा 2023 फतह करने के अभियान पर आगे बढ़ रही है। भाजपा 'शाही' मंत्र को मध्यप्रदेश में सिद्ध करेगी ज्तो निश्चित तौर पर दूसरे राजनैतिक दलों को संगठनात्मक तौर पर भाजपा का मुकाबला करने के लिए इससे बेहतर रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पर संगठनात्मक तौर पर किसी अन्य राजनैतिक दल में मध्यप्रदेश में यह सब फिलहाल दूर-दूर तक संभव नहीं दिख रहा है। ऐसे में 'शाही' मंत्र सिद्ध कर भाजपा बूथ के रास्ते सत्ता की मंजिल पर बने रहने का दम खुलकर भर रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

ई दक्ष केंद्र में सीपीसीटी प्रशिक्षण हेतु आवेदन 31 मार्च तक

नर्मदापुरम। आगामी सीपीसीटी परीक्षा वर्ष 2023 के लिए के लिए प्रशिक्षण कोर्स कार्यालय कलेक्टर जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी नर्मदापुरम के अंतर्गत स्थापित ई-दक्ष केंद्र में आयोजित किया जा रहा है, जिसके लिए पंजीयन ई-दक्ष केंद्र नर्मदापुरम में कार्यदिवसों में सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10-00 से शाम 05-00 बजे तक किये जा सकेंगें। वरिष्ठ प्रशिक्षक ई दक्ष केंद्र श्री अतुल पाठक ने बताया कि सीपीसीटी प्रशिक्षण सत्र जिसकी कुल अवधि 45 घंटे होगी, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10+2 होगी। प्रशिक्षण के लिए शुल्क रूपए 1000/- अभ्यर्थी द्वारा देय होगा। प्रशिक्षण हेतु स्थान सीमित है इच्छुक अभ्यर्थी 9340771945, 9977262711 ई- दक्ष केन्द्र नर्मदापुरम से संपर्क कर सकते हैं।

कैंपस ड्राइव का आयोजन

नर्मदापुरम। जिला रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा कैंपस ड्राइव का आयोजन 16 मार्च 2023 को जिला रोजगार कार्यालय में किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य निजी क्षेत्र में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाना है। ड्राइव में ट्राइडेंट, एन.बी.आई लाइफ, आराध्यम ट्रेडिंग, वक्रतुण्ड, नवकिसान बायोटेक वेलस्पन आदि कंपनियों में विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। ड्राइव में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक आवेदक लिंक पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं।

108 का डीएम 108 में कर रहा था दारू पार्टी,टर्मिनेट

शिवपुरी -जिलेजिले के स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत जनसुविधा के लिए चलाई गई डायल 108 में शराब पार्टी कर रहे डायल 108 के डीएम को कंपनी ने तत्काल प्रभाव से टर्मिनेट कर दिया है। इस मामले में यह ?वीडियो कंपनी के जीएम के पास पहुंचा था। जिसके चलते यह कार्यवाही की गई है। जानकारी के अनुसार बीते दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में शिवपुरी के माधव चौक पर दो कर्मचारियों के साथ जय अंबे इमरजेंसी सर्विस कंपनी का डीएम अक्षय कुमार सिंह डायल 100 में ही शराब पार्टी कर रहा था। जिसका वीडियो बनाकर किसी ने कंपनी को भेज दिया था। जिसके चलते इस मामले में कंपनी के डीएम अक्षय कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से टर्मिनेट कर दिया है। बताया गया है कि डीएम अक्षय कुमार सिंह ने पायलेट सचिन पाल को टर्मिनेट कर दिया था। इसके साथ ही पायलेट रंजीत यादव का टायर चोरी के चलते झाबुआ भेज दिया था।

मुरुम खदान धसकने से दो की मौत

शहडोल। जिले के जनपद पंचायत ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम पंचायत रसपुर के ग्राम झरौसी में आज बुधवार की सुबह करीब 8-30 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान मुकेश कोल एवं अनीश कोल निवासी ग्राम झरौसी के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार इन दोनों युवकों में एक नाबालिग भी शामिल है। मृतक युवक मजदूर बताए गए हैं, जो स्थानीय मरूम खदान में मुरूम खोदने गए थे। वह मुरूम खोद रहे थे, तभी उक्त खदान धसक गई। जिसमें दबकर इन दोनों युवकों की जान चली गई। घटना की जानकारी लगते ही ब्यौहारी थाना प्रभारी मोहम्मद समीर अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। जिसके बाद मृतकों के शव पीएम के लिए ले जाये गये। वहीं दूसरी ओर यह जानकारी भी निकल कर सामने आई है कि, उक्त स्थान से अवैध रूप से मुरूम निकलवाया जा रहा था। खदान से मुरूम लोड करने एक ट्रैक्टर लगा हुआ था। जिसमें मृतकों समेत अन्य मजदूर मुरूम भर रहे थे। इसी दौरान खदान के ऊपरी हिस्से से मुरूम भर भराकर गिरी। जिसमें दोनों मजदूर दब गए। बताया गया है कि, रीवा से टेटका मार्ग में कोई कंपनी लगभग पांच सौ करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण करा रही है।

स्वच्छता की पाठशाला कार्यशाला का हुआ आयोजन

बैरसिया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बैरसिया शहर को कचरा मुक्त शहर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई मित्रों की क्षमता वर्धन के लिए नगर पालिका बैरसिया ने बुधवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया। आयोजन नगर के अम्बेडकर पार्क में किया गया।

कार्यशाला का प्रारंभ नगर परिषद की नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने किया। कार्यशाला में सफाई मित्रों की भूमिका के बारे में बताया गया एवं सफाई मित्रों हेतु शासन की योजनाओं की जानकारी वीडियो में माध्यम से भी दी गई। सफाई मित्रों के व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं महिला सफाई मित्रों की स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु चर्चा का सत्र रखा गया तत्पश्चात सभी सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण सिविल अस्पताल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में नगर पालिका सीएमओ जाहिद अली, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के सभापति नीरज नामदेव, स्वच्छता निरीक्षक संजीव गुप्ता, स्वच्छता निरीक्षक ब्रजेश सोनी, सहायक राजस्व निरीक्षक सुरेश मालवीय, जल शाखा प्रभारी राधेश्याम साहू सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जिला योजना समिति के चुनाव में भाजपा जीती

राज्य शासन ने पूर्व सांसद एवं भाजपा अध्यक्ष शुक्ला को पहले ही सदस्य मनोनीत किया था

योगेश गुप्ता बैतूल। पंचायती राज में सबसे सशक्त मानी जाने वाली जिला योजना समिति पर भाजपा ने अपना कब्जा जमा लिया है। बुधवार को जिला योजना समिति के के 16 सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई। चुनाव में कांग्रेस ने बहुमत न होने के बाद भी चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 16 सदस्यों को निर्वाचित घोषित किया गया है।

इसमें ग्रामीण क्षेत्र से 13 और शहरी क्षेत्र से तीन सदस्य निर्वाचित किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्र से निर्वाचित होने वाले जिला पंचायत से सदस्यों का निर्वाचन जिला पंचायत के निर्वाचित 23 सदस्यों में से किया गया। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्र से निर्वाचित सदस्यों का निर्धारण कर समूह बनाया गया था। नगर पालिका समूह से दो एवं नगर पंचायत समूह से एक सदस्य निर्वाचित किया गया है।

जिला योजना समिति सदस्यों के चुनाव को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन भी मजबूत रहा परंतु बहुमत न होने के वजह से कांग्रेस का कोई भी सदस्य निर्वाचित नहीं हो पाया। वहीं सारणी के नपा पार्षद महेंद्र भारती ने कहा कि जिला अध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व मे पार्टी के सभी सदस्यों ने अपनी एकता का परिचय देकर अपनी सक्रियता दिखाई है। चुनाव परिणाम मे हार जीत निश्चित होती है। आने वाले चुनाव के लिये प्रेरणा मिली है। भाजपा के सभी जिला पंचायत सदस्य और जिला योजना समिति के उम्मीदवार जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार के नेतृत्व मे पहुंचे और निर्वाचन की प्रक्रिया में भाग लिया।

देखे कौन बना ग्रामीण क्षेत्र से सदस्यः जिला योजना समिति के चुनाव के लिए बनाए गए पीठासीन अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चुनाव मे ग्रामीण क्षेत्र से राजा पवार, अनिता मसकोले, अर्चना गायकी, उर्मिला गव्हाड़े, कंचन कासलेकर, जगन उईके, राजा ठाकुर, देवकी यादव, मंगल सिंह, रेखा पांसे, शैलेंद्र कुंभारे, विल्किश बारसकर, सावित्री उईके को जिला योजना समिति का सदस्य निर्वाचित घोषित किया गया है।

नगरीय क्षेत्र से किसे सदस्य बनायाः जिला योजना समिति में नगरीय क्षेत्र से कुल तीन सदस्यो को निर्वाचित किया जाना था। इसमें सूर्यकांत सोनी आनंद प्रजापति और वर्षा गढ़ेकर को जिला पंचायत का सदस्य निर्वाचित घोषित किया गया। राज्य शासन ने पूर्व सांसद हेमंत खंडेलवाल और भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला को पूर्व मे ही सदस्य मनोनीत कर दिया गया था। जिला योजना समिति मे चार कांग्रेस विधायको को छोड़कर सभी सदस्य भाजपा के स्थापित हो चुके है।

पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित हुआ विवेचकों का प्रशिक्षण

बैतूल - पुलिस अधीक्षक सुश्री सिमाला प्रसाद के निर्देशन मे पुलिस कंट्रोल रूम मे दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। प्रशिक्षण फील्ड मे कार्य कर रहे प्रधान आरक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर तक रेंक के अधिकारियो के लिए आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण मे विवेचना से संबंधित तकनीकी जानकारी बताई गई इकाई के सभी थानो से पदोन्नत हुए आरक्षक से प्रधान आरक्षक, प्रधान आरक्षक से एएसआई, ए एसआई से एसआई को विवेचना संबधी प्रशिक्षण दिलाया गया है

निरीक्षक रत्नाकर हिंगवे थाना प्रभारी सारणी ने घटना स्थल सुरक्षित करने से लेकर चालानी कार्यवाही तक रखने वाली सावधानिया साक्ष्य संकलन चोरी की घटना के अपराध की विवेचना के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी डी एस पी अजाक ललित कश्यप द्वारा भी अजा/अजजा संबंधी अपराधो की विवेचना मे रखी जाने वाली सावधानियाँ फरियादी को दी जाने वाली राहत राशि के संबंध मे जानकारी दी उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा पल्लवी गौर द्वारा पॉस्को एक्ट एवं जे0जे0 एक्ट के संबंध जानकारी ह्यूमन ट्रैफकिंग एवं मायनर एक्ट के अन्तर्गत आने वाले वाले अपराध की जाँच / विवेचना के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ आबिद अंसारी द्वारा इन्ट्रोडेक्शन डिजिटल फॉरेन्सिक साइंस ऑफ डिजिटल डिवाइस एण्ड सोर्स ऑफ डिजिटल ऐबीडेंस को समझाया वहीं महिला थाना निरीक्षक संध्यारानी सक्सेना द्वारा महिला अपराध संबंधी विवेचना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियाँ तथा कानून प्रावधान जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा अपराधो की विवेचना के दौरान एवं चालान मे त्रुटियों के संबंध मे कानून प्रक्रिया विस्तृत प्रशिक्षण दिया। है। उक्त प्रशिक्षण मे चालीस पुलिसकर्मी उपस्थित रहे थे।

शराब से भरी कार बैरिकेट्स में ठोकी, पुलिस पर फायर

शिवपुरी -जिले के करैरा अनुविभाग के अमोला थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक शराब से भरी कार को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पुलिस टीम पर ही फायर झौंक दिए, जवाब में पुलिस ने भी आरोपियों पर फायर किये। जहां एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि दूसरा आरोपी पुलिस गिरफ्त में नहीं आ सका। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चन्देल द्वारा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के कारोबारियो के ऊपर शिकंजा कसने हेतु अभियान चलाकर कड़ाई से प्रतिबंध लगाने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। जिसके चलते पुलिस ने चैकिंग लगाई। जिसपर से पुलिस को मुखबिर के बताए अनुसार शिवपुरी तरफ से से एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर क्रमांक क्र39800 दिखाई दी।

इस कार को रोकना चाहा तो कार से दो व्यक्ति उतर कर जान से मारने की नियत से फायर करते हुऐ भागने लगे एक गोली सउनि. हरीश सोलंकी के कान के बगल से निकली उस व्यक्ति को पुनः कड्डा लोड करते हुए पुलिस पार्टी द्वारा पकड़ा गया। युवक का नाम देवेन्द्र पुत्र अजय सिंह लोधी उम्र 22 साल निवासी कमालपुर पिछोर बताया गया है। इस आरोपी का दूसरा साथी मुनेन्द्र पुत्र लखन ?लोधी निवासी राजपुर कछौआ मौके से भाग गया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का कट्टा दो जिन्दा राउण्ड व एक 315 बोर का खाली खोका मिला जिसने अपना इसके कब्जे की सिफ्ट कार को चेक किया तो उसमे 35 पेटी प्लेन देशी मदिरा शराब की मिली दुसरा आरोपी अँधेरा व जंगल का लाभ लेकर भाग गया जिसकी तलाश की जा रही है।

मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों के द्वारा जिले में लाडली बहना योजना की दी जा रही जानकारी

शहडोल। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों के द्वारा जिले के सभी जनपद पंचायतों के ग्रामों में भ्रमण कर गांव के लोगों को मुख्यमंत्री बहना योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें उन्हें इस योजना का फॉर्म कैसे भरना है के संबंध में जानकारी दी जा रही है तथा जागरूक किया जा रहा है।

सेन्ट पेट्रिक स्कूल प्रबंधन ने फीस वृद्धि वापिस ली सफलता पर अभिभावक एसोसिएशन ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

सोहागपुर। विगत 8 माह से सेंट पैट्रिक स्कूल प्रबंधक एवं अभिभावक एसोसिएशन के मध्य विवाद के पटाक्षेप में स्कूल प्रबंधक ने नवीन बेतहाशा वृद्धि की वापस ली। इस फीस वापसी मामले को लेकर अभिभावक एसोसिएशन ने अपनी जीत बताते

तिरंगा रैली निकाली उल्लेखनीय है कि उक्त मामला सेन्ट पेट्रिक स्कूल प्रबंधक पहले ही मामले का पटाक्षेप करना चाह रहा था लेकिन सत्ता से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने पर्दे के पीछे जिला स्तर तक अध्ययनरत छात्रों एवं अभिभावकों पर पड रहे आर्थिक बोझ की परवाह न करते स्कूल प्रबंधक को अंधेरे में रखकर गलत मार्गदर्शन करते रहे। वैसे तो जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य बनता है कि बेतहाशा फीस वृद्धि मामले में आगे आकर अभिभावकों को राहत पहुंचाने का काम करते। कहावत भी है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि होते तब अपने क्षेत्र के नागरिकों के नफे नुकसान की सोचते ? । अभिभावक एसोसिएशन के द्वारा फीस मामले में अनदेखी एवं कतिपय लोगों के इशारे पर मामले को लम्बा खेचते रहने के कारण आखिरकार मजबूरी में प्राचार्य के पुतले दहन की घोषणा कर दी। स्कूल प्रबंधन ने मामले की नजाकत देखकर बेतहाशा फीस वृद्धि वापसी की घोषणा की इस प्रतिनिधि का शाला प्रबंधन के अलावा प्रदेश स्तरीय भोपाल शाला प्रबंधक से आग्रह है कि जनप्रतिनिधियों एवं सत्ता पक्ष के बहकावे के बदले प्रबंधक एवं अभिभावक एक दूसरे के पूरक बने। यह स्कूल की प्रतिष्ठा से संग्लन मामला होता है। इसी संदर्भ में प्रसिद्ध शिव पार्वती मंदिर से अभिभावक एसोसिएशन ने डीजे ,खुली जीप के अलावा बाईक रैली निकाली। जिसमें भारत माता की जयघोष किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य नगर एवं क्षेत्रवासियों समस्त अभिभावकों का धन्यवाद कर उन्हें एक होने का संदेश देना था।। इसी अवसर पर समाजसेवी गणेश अहिरवार एवं कैलाशचंद्र खुराना ने अभिभावक एसोसिएशन के विशाल गोलानी को जैसवाल पेट्रोल के पास फूल माला पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। न्यायालय चौराहे पर विशाल गोलानी का स्वागत अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ वकील अख्तर खान एवं जयभानु सिंह चंदेल ने किया। डीजे में

देशभक्ति गीतों पर चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गो पेट्रोल पंप, न्यायालय चौराहा, स्टेशन रोड, मुख्य बाजार, बिहारी चौक, हास्पिटल रोड, पुराने पुलिस थाने से होकर बावडी वाले मंदिर के समीप विसर्जित हुई। यहां मंदिर के महंत हरकिशन दास महराज से आशीर्वाद लिया। इस तिरंगा यात्रा में अभिभावक एसोसिएशन के अरविंद पटेल , धर्मेश ठाकुर , छोटे साहब पटेल , देवराज पटेल , नीलम कुमार पटेल , कैलाशचन्द्र खुराना,गणेश अहिरवार , अंशु छाबड़िया , रामकृष्ण पटेल , अजय सोनी , नरेश पटेल, प्रताप पटेल , हीरालाल उइके , नारायण पटेल , उमेश उइके , किशन मेहरा , राकेश गोस्वामी , रविन्द्र बारसिया आदि अनेको अभिभावक एवं मित्रगण शामिल थे।

इस अवसर पर अभिभावक एसोसिएशन के विशाल गोलानी ने संबोधित करते कहा कि अभिभावकों के सहयोग के कारण यह जीत मिला है। प्रत्येक अभिभावक को करीबन 3 हज़ार रुपये का लाभ हुआ है। हज़ारों अभिभावकों पैसा स्कूल वापस किया जा रहा है। करोड़ो का लाभ अभिभावकों को प्राप्त हुआ है। आपने समस्त नगरवासियों , क्षेत्रवासियों एवं अभिभावकों को जीत की बधाई देकर सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। स्कूल को संरक्षण देने वालों को संदेश दिया कि सोहागपुर के लोग सिसकते हैं तो आसमान सिसक जाते हैं । आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद प्रदान किया।

मुनीम हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता

सतना पुलिस को मिली बड़ी सफलता, गोली मार हत्या कर 22 लाख लूटने वाले 1 अपराधी एनकाउंटर में किया ढेर, 2 गिरफ्तार

सतना पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के कुशल नेतृत्व में ज्वाइंट ऑपरेशन में लगी टीम को मिली सफलता, जौनपुर में तड़के सुबह हुआ एनकाउंटर, एक अपराधी हुआ ढेर, 2 हुए गिरफ्तार, बाकी की तलाश जारी।

थाना बक्सा के अलीगंज इलाके में हाइवे के किनारे रेलवे लाइन के पास बदमाशों की सतना पुलिस को लोकेशन मिली, सतना पुलिस और जौनपुर पुलिस द्वारा ज्वाइंट ऑपरेशन कर इलाके की घेराबंदी की गई, घेराबंदी तोड़ कर फायर करते हुए बदमाश आनंद ने भागने के प्रयास किया, जवाबी फायरिंग में बदमाश हुआ घायल, ईलाज के लिए ले जाया गया अस्पताल हुई मौत

मुठभेड़, मारे गए बदमाश के कब्जे से 2 पिस्टल और स्विफ्ट डिजायर कार बरामद, बदमाश आनंद के खिलाफ जौनपुर, वाराणसी,आजमगढ़ में दर्ज है हत्या, लूट,रंगदारी के कई मुकदमे।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण

क्रमांक 586 ज.सं./भो.वि.प्रा./ 23 भोपाल, दिनांक 16/02/2023

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की विद्यानगर योजना के एमआईजी भवन क्रमांक बी-91 सेक्टर बी श्री चन्द्रेश भूषन आत्मज स्व.श्री एम.बी. गोयल के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्री चन्द्रेश भूषन का स्वर्गवास दिनांक 22.08.2018 को होने के कारण श्रीमती मधु भूषण पत्नी स्व.श्री चन्द्रेश भूषण 2. श्री समीर भूषण पिता स्व. श्री चन्द्रेश भूषण 3. श्रीमती मोनिका अग्रवाल पुत्री स्व. श्री चन्द्रेश भूषण ने उक्त भवन संयुक्त नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र/शपथ पत्र साक्ष्य के आधार पर अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/ आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

जनसमस्या - पेट्रोल पंप संचालक ने उठाई मांग, स्टेट हाइवे-19 पर बने स्पीड ब्रेकर,हादसों पर लग सके लगाम

बरेली । स्टेट हाईवे-19 पिपरिया रोड पर लगातार हादसे हो रहे हैं इन हादसों का कारण सड़क पर स्पीड ब्रेकर ब्रेकर गतिअवरोधक ब्रेकर ना बनना है क्योंकि नेशनल हाईवे 45 से उतर कर वाहन चालक बरेली नगर में प्रवेश के लिए स्टेट हाईवे 19 पर प्रवेश करते हैं नेशनल हाईवे की इतनी तेज रफ्तार से ही वाहन चालक हाईवे 19 पर आ जाते हैं सड़क की चौड़ाई भी कम होने से वाहन चालकों को क्रॉसिंग में परेशानी होती है वही स्टेट हाईवे पिपरिया रोड पर नायरा पेट्रोल पंप स्थित है शहर के बीच पेट्रोल पंप होने के कारण जनसंख्या का दबाव भी बहुत है तेज रफ्तार वाहन के कारण पंप से निकलने वाले या प्रवेश करने वाले लोग इन हादसों का शिकार हो रहे हैं विगत दिवस तेज रफ्तार कार ने टैंक पर पेट्रोल डलवाने के लिए प्रवेश कर रहे मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मार दी जिस कारण महिला की मौत हो गई और एक युवक घायल हो गया जिसके बाद श्रीराम एनर्जीस नायरा पैट्रोल पंप के संचालक ने हादसों पर लगाम लगाने के लिए जन समस्या मानकर बरेली एसडीएम मुकेश सिंह को आवेदन दिया कि वाहनों की अत्याधिक गति होने के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं जिससे जनहानि हो रही है पास में ही शासकीय अस्पताल स्थित है स्टेट हाईवे 19 नगर बरेली का अत्याधुनिक व्यस्ततम मार्ग है नायरा पेट्रोल पंप बरेली के सामने स्टेट हाईवे -19 पर दोनों और गति अवरोधक का निर्माण कराया जाए जिससे तेज रफ्तार वाहन पर लगाम लगे और भविष्य में कोई जनहानि ना हो संचालक ने संभाग के प्रबंधक एमपीआरडीसी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी बरेली, एसडीओपी बरेली और थाना प्रभारी बरेली को भी लिखित आवेदन दिया है जिससे सड़क पर स्पीड ब्रेकर का निर्माण हो और हादसों पर लगाम लग सके 7 एसडीएम मुकेश सिंह ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया और तेज रफ्तार वाहन पर लगाम लगाने के लिए कहां पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाए जिस पर संबंधित अधिकारियों से भी चर्चा की।

सड़क पर पुलिस ने रखवाए बैरिकेड --

तेज रफ्तार वाहन पर लग सके जिसको लेकर तत्काल आशीष सप्रे ने पेट्रोल पंप संचालक के आवेदन पर पुलिस बैरिकेड स्टापर सड़क पर रखवाए है जिससे तेज रफ्तार वाहन पर लगाम लग सके और कोई भी हादसा घटित ना हो 7

इनका कहना है --

पेट्रोल पंप संचालक का आवेदन प्राप्त हुआ है उन्होंने सड़क पर गतिअवरोधक बनाने की मांग की है एमपीआरडीसी एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी 7

मुकेश सिंह, एसडीएम बरेली

प्रदेश के परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक लॉगइन आईडी समर्पित कर सभी व्हाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट हुए

इटारसी। महिला बाल विकास विभाग ने प्रदेश के सभी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक 15 मार्च 2023 से अपनी लंबित मांगों को लेकर सामूहिक अवकाश पर है, इसी कड़ी में सभी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक गण ने शासन स्तर से उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, सीएम हेल्पलाइन, पोषण ट्रैकर, विभागीय एमआईएस एवं लोक सेवा केंद्र से संबंधित जो लॉगइन आईडी एवं पासवर्ड दिए हैं उन्हें सामूहिक अवकाश के चलते समर्पित करने का निर्णय लिया है। इससे इन विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ नहीं मिल सकेगा। संयुक्त मोर्चा संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन लॉगइन आईडी एवं पासवर्ड का उपयोग करता है तो हमारी जिम्मेदारी नहीं होगी। संयुक्त मोर्चा संघ ने एक और निर्णय लेते हुए दिनांक 15 मार्च 2023 को शाम 5:30 बजे तक विभिन्न स्तरों पर बनाए गए व्हाट्सएप रूप से लेफ्ट होने का निर्णय लिया है। विकासखंड/जिला/संभाग एवं राज्य स्तर पर विभागीय कार्यकलापों के क्रियान्वयन के लिए जो व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं उनसे लेफ्ट होने की अपील की है।

ज्ञातव्य हो कि पिछले 30 वर्षों से लंबित मांगों को लेकर अधिकारीगण एवं पर्यवेक्षक निरंतर संघर्षरत हैं लेकिन शासन शासन स्तर से मांगों के निराकरण के संबंध में किसी प्रकार का कोई समाधान कारक हल नहीं दिया जा रहा। इस कारण संयुक्त मोर्चा को व्यथित होकर यह निर्णय लेना पड़ा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिकी विभाग मुख्यालय गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल)

निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र. 58/यां. वि./2022 दिनांक 15.03.2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अविध
1	2022_ UAD _ 244318_4	Const. of Boundary Wall and Providing and Fixing Shed Near Satsag Bhawan Kabeera Apartment Teelaiamalpura W-13 Z-03 (Fourth Call)	446478/-	4465/-	2000/-	MPUADD ISSR 2021	02 Months

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from **10:30A.M**. (time) **16.03.2023** (date) to **17:30P.M.** (time) **30.03.2023**(date).
3. Amendments to NIT (if any) wouldbe published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.

The initial period of 3(three) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

नि.क्र. 1794/022/023

पुलिस मुख्यालय मध्य प्रदेश भोपाल

ई-निविदा सूचना

क्रमांक/पु.मु./भवन / 19/ ए-2/62/2023 दिनांक-9/03/2023

नवीन पुलिस मुख्यालय के गेट क्रमाक - 3 के बाहर के क्षेत्र एवं वी.आई.पी. परिसर के सामने, दाहिने एवं बाहिने क्षेत्र मे स्थित गार्डन 12,730 वर्गफीट क्षेत्र, नवीन पुलिस मुख्यालय परिसर मे स्थित दो कमलण्ड के दाहिने एवं बाहिने साईट मे स्थित गार्डन 5,200 वर्गफीट क्षेत्र, पार्किंग स्थल मे स्थित गार्डन 500 वर्गफीट क्षेत्र, चालक रूम के सामने गार्डन 100 वर्गफीट क्षेत्र, जनरेटर के पीछे 100 वर्गफीट क्षेत्र, टेनिस ग्राउण्ड के सामने स्थित गार्डन 540 वर्गफीट क्षेत्र कुल 19170 वर्गफीट क्षेत्र एवं पुराने पुलिस मुख्यालय पुलिस महानिदेशक कार्यालय के सामने तोप खाना ग्राउण्ड 2500 वर्गफीट स्टोर शाखा के सामने 160 वर्गफीट क्षेत्र, गेट क्रमाक -1 के मध्य मे 240 वर्गफीट क्षेत्र, झंण्डा स्थल पर स्थित गार्डन 60 वर्गफीट क्षेत्र, शिकायत शाखा क्यारी 320 वर्गफीट क्षेत्र एवं एस0सी0आर0बी0 शाखा का 225 वर्गफीट क्षेत्र कुल 3505 वर्गफीट क्षेत्र इस प्रकार नवीन एवं पुराने पुलिस मुख्यालय के कुल 22,675 वर्गफीट क्षेत्र मे स्थित बगीचों की रख-रखाव एवं देखरेख कार्य जैसे-पेड़ पौधो की समय-समय पर छटाई, बगीचों मे पानी की सिचांई, साफ-सफाई एवं निदाई गुडाई एवं खतपतवार की सफाई आदि अन्य आवश्यक कार्य एक वर्ष (12 माह) तक आऊटसोर्सिंग के माध्यम से कराने हेतु मासिक आधार पर आनलाईन ई-निविदा आमंत्रित कि जाती है, कार्य से संबंधित समस्त सामग्री निविदाकार की रहेगी, ई निविदा प्रक्रिया की समय सारणी निम्नानुसार हैः-

क्रं.	निविदा प्रक्रिया का विवरण	राशि / तिथि / समय
1.1	निविदा शुल्क	2,000/- (दो हजार रू)
1.2	निविदा की प्रतिभूति (EMD) मूल्य	25,000/- (पच्चीस हजार रू)
1.3	निविदा प्रकाशन दिनांक	09.03.2023 के 15:00 बजे
1.4	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने का प्रारंभ दिनांक एवं समय	09.03.2023 के 17:00 बजे
1.5	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक एवं समय	10.03.2023 के 11:00 बजे
1.6	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	30.03.2023 के 15:00 बजे
1.7	निविदा खोलने का दिनांक एवं समय	31.03.2023 के 16:00 बजे

1.8- निविदा शुल्क ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य है।
1.9- निविदा की प्रतिभूति (श्वस्ब्ध) की ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य है।
1.10- निविदा फार्म प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाईट www.mp.police.gov.in से डाउन लोड किया जा सकता है।
1.11 - निविदा प्रपत्र ऑनलाईन वेबसाईट https://mptenders.Govt.in पर जमा किये जायेगे।
1.12 निविदा मे दर्शाए दिनांक / समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के .. उपरांत तकनीकी निविदा मे योग्यता मापदण्ड के अनुसार योग्य पाए जाने वाले ही निविदाकर्ताओ की वित्तीय निविदा खोली जावेगी, वित्तीय निविदा खोलने की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से बाद मे सूचित की जावेगी। (पुलिस महानिदेशक म.प्र. व्दारा अनुमोदित)

(योगेश शर्मा)
सहायक पुलिस महानिरीक्षक (संपदा)
पुलिस मुख्यालय भोपाल

जी-24514/22

लॉस वेगासः सारी दुनिया एक ही नक्शे में

यात्रा वृतांत : डॉ.स्वाति तिवारी

बस जीवन में एक बार असली टेबल पर खेल लिया पोकर और बन गई जुआरी जीतने का दाँव कृत और हारने का दाँव कलि कहलाता था। बौद्ध ग्रंथों में भी कृत तथा कलि का यह विरोध संकेतित किया गया है। जुए में बाजी लगाई जाती है जिसके लिए द्रव्य की आवश्यकता होती है और इस द्रव्य (धन)के लिए पाणिनि ने ग्लह शब्द कहा है। महाभारत के प्रख्यात जुआरी शकुनी कहता है कि, इस बाजी लगाने के कारण ही जुआ लोगों में इतना बदनाम है। महाभारत और अर्थशास्त्र आदि ग्रंथों से पता चलता है कि प्राचीन काल में जुआ सभा में खेला जाता था। स्मृति ग्रंथों में जुआ खेलने के नियमों का पूरा परिचय दिया गया है। अर्थशास्त्र के अनुसार जुआरी को अपने खेल के लिए राज्य को द्रव्य देना पड़ता था। बाजी लगाए गए धन का पाँच प्रतिशत राज्य को कर के रूप में प्राप्त होता था।

पंचम शती में उज्जयिनी में इसके विपुल प्रचार की सूचना मृच्छकटिकम्, संस्कृत नाट्य साहित्य से हमें उपलब्ध होती है। इस तरह पता चलता है कि जुआ प्राचीन काल से ही एक सर्वव्यापी मनोरंजन रहा है, जिसके लिए लोगों ने क्या क्या नहीं दाँव पर लगाया है यह भी खूब पता है। मध्यम वर्गीय घरों में इस शौक को पूरा करने की छूट दीपावली के पर परम्परा कहकर दी गई कि इस दिन इसे शगुन के रूप में खेला जा सकता है, राजे-महाराजे ,लखपति-करोड़पति रोज खेल सकते हैं7 हर देश में कोई ना कोई जगह इसके लिए विशेष अतिरिक्त सुविधाओं के साथ होती ही है पर कोई जगह सारे ब्रह्माण्ड में जुआ घरों की शान शौकत के लिए ही पहचानी जाए ऐसा पहले नहीं देखा था जो देखा, वो कल्पना लोक से भी हट कर देखा7जो देखा वो अकाल्पनिक सा लगता है .जैसे वह धरती का हिस्सा नहीं है कोई और लोक है .एक अलग थलग संसार? लेकिन वह लोक भी इसी धरती का हिस्सा है।

अमेरिका की पहली यात्रा में एटलांटा सिटी देख कर ही आँखें खुली की खुली रह जाती है7 इस बार जाने कितनी एटलांटा सिटी एक जगह देखी जो कहती है कि आओ एक भूलभुलैया में चलते हैंयहाँ से बचकर सुरक्षित निकल सकते हो तो निकल लेना क्योंकि यहाँ, लाइव पोकर को छोड़कर बाकी सभी गेम्स में जुआ घर लाभ की स्थिति में होते हैं7 ये एकमात्र गेम है जिसमें कसीनो सीधे खिलाड़ियों से पैसा नहीं लेते हैं7 ये एकदम से आप और आपके कौशल पर निर्भर है कि आप कितना जीतते या हारते हैं। कसीनो में घुसने के बाद आपको अपना रास्ता खुद तलाशना होता है और ये काफ़ी चुनौती पूर्ण हो सकता है क्योंकि क्या-क्या हार जाओगे ये समझना आपके लिए भी मुश्किल हो सकता है7 यह लॉस वेगास है और लॉस का मतलब होता है हानि।

इन कसीनो के फ़्लोर इस तरह से डिज़ाइन किए जाते हैं कि बाहर का रास्ता आसान न हो7 कसीनो में आप इसलिए खो जाते हैं, क्योंकि जुआ घर चाहता है कि आप खो जाएँ। फिर इससे पहले कि आप कुछ सोच पाएँ, आप खाली मशीन पर सीट पाते हैं और जुए में डूबते हुए कुछ रकम दाँव पर लगा देते हैं7ये है मरुस्थल का स्वर्ग लॉस वेगास जहाँ कई यात्री वेगास में जुआ खेलने के साथ मुफ्त में परोसी गई बेहतरीन शराब को उपहार मानकर पीते हैं7 यह जानते हुए जुआ खेलते हुए लोगों को शराब पिलाना इन जुआ घरों की सोची समझी रणनीति होती है7 वे जानते हैं कि शराब के पैग आपके फैसलों और सोचने की शक्ति को समाप्त कर देते हैं। अगर आप यहाँ जीतने आए हैं, तो आपको नशे के बिना जुआ खेलना चाहिए। यह सब खुद देखा समझा और पाया कि किसी भी लत की अति कभी अच्छी नहीं होती।

अमेरिका के इस बार के दौरे का कारण था बेटे अनमोल का कोलंबिया यूनिवर्सिटी से मास्टर्स का कन्वोकेशन जो न्यूयॉर्क में होना था7 न्यूयॉर्क उतर कर हम सब उसके फंक्शन के बाद तत्काल निकल लिए थे सीधे केलिफोर्निया के लिए जिसमें एक विशेष आकर्षण था लॉस वेगास7 रात दस बजे हमने वेगास की धरती पर कदम रखा, एयर-पोर्ट से ही रेंटल कार उठाई7 एक दुनिया जिसकी चकाचौंध कुछ इस तरह की कि आपको लगेगा आप चाँद सितारों के स्वप्न लोक में आ गए हैं, रोशनी से नहाया हुआ कोई और ही लोक, शायद एक ऐसी दुनिया भोपाल में रहकर जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती7 कम से कम मैंने ऐसा कोई संसार सोचा भी नहीं था।

एक बारगी आपको लगेगा यह कोई मायावी नगरी है,क्या पता इन्द्र लोक यही हो? मानव निर्मित नहीं लगती, बस ख़याल आता है बचपन की सुनी किसी कहानी का जिसमें एक परी लोक होता है और परी के पास एक जादू की छड़ी, परी जैसे ही जादू की छड़ी घुमाती है सारी सृष्टि सोने की हो जाती है चमाचम चमकती, सुनहरे पेड़ों पर हीरे, मोती ,जवाहरात और हजारों तरह के नगीनों के फूल पत्ते चमकते हैं, जिनसे रंगीन रोशनी फूट रही होती है7 परियाँखुश हो कर निर्वस्त्र नाच रही होती हैं सारा क्षेत्र महलों वाला हर महल ऐसा कि आपको लगे यही सबसे श्रेष्ठ है, अभी तो यह आसमान से फ्लाइट नीचे उतरते हुए दिखाई देनेवाला नजारा ही था जिसने धरती पर स्वर्ग की कल्पना और परी लोक देखा था7 हमें तो इस स्वर्ग में तीन दिन रहना भी था यह सोचकर मन रोमांचित था।

लॉसवेगास कसीनो का शहर, वेगास होटलों का शहर, वेगास गुनाहों का शहर, दुनिया भर के पैसेवालों का शहर नेवादा का सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर, क्लार्क-काउंटी की ऐसी जगह जो जुआ-गैंबलिंग, खरीदारी, खान-पान के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाना जाने वाला एक प्रमुख रिसोर्ट शहर है7 अमेरिका का एक ऐसा अद्भुत शहर जो स्वयं को मनोरंजन की राजधानी के रूप में प्रचारित करता है? यह पता था मुझे कि यहाँ कसीनो रिसोर्ट की बड़ी संख्या है पर इतनी बड़ी, यह कल्पना से परे था7 हम लॉसवेगास के एयरपोर्ट पर खड़े थे अनमोल, विकास और पलक्षी रेंटल गाड़ी लेने गए थे, हम जहाँ थे वहीं सामने ही सबसे पहले स्लॉट मशीनें दिखी आश्चर्य हुआ स्लॉट मशीनें यहाँ !

हाँ आते ही रुका न जा रहा हो तो बैठ सकते हो या वापस जाते-जाते मन ना भरा हो तो यहाँ फिर बची कसर पूरी कर सकते हैं7 पति महोदय ने फ़रमाया7 बच्चों ने गाड़ी उठाने में कुछ समय लगा तब तक बुरे ख्यालों ने घेरना शुरू किया ज़्यादा सोचा तो क्या जरूरत थी लॉसवेगास आने की? जाने कितने अपने ज़माने के जासूसी उपन्यास याद आने लगे7 फिल्मों के मोगेम्बो की भी याद आई, सर्दी और कॅपकपी सी लगी तभी गाड़ी सामने थी7 हम होटल पहुँचे जहाँ नीचे विशालकाय कसीनो, बार रेस्टॉरेंट और स्लॉट मशीनों पर रिटायर्ड बुजुर्ग खट-खट अपनी ज़िंदगी की कमाई जुएँ में लगाते बैठे थे एकाग्रता के साथ, एक बारगी ख्याल आया जीवन का यह वैराग्य का समय लोग माया में उलझे हैं7 पता चला मनोरंजन में डूबी इस मायावी नगरी में ज्यादा से ज्यादा लोग अपनी सेवा निवृत्ति की उम्र में अपना पैसा अपनी ज़िंदगी भर की कमाई यहीं ले आते हैं एक दाँव लगाने के चक्कर में।

इस तरह अब यह संयुक्त राज्य अमेरिका का 28वांसबसे ज्यादा आबादी वाला शहर है7 हम होटल पहुँचे उसके बाद यह तय हुआ कि चलो एक चक्कर पहले स्ट्रिप का लगा लेते हैं7 जैसे ही हम लॉसवेगास की स्ट्रिप में प्रवेश करते हैं हम खुद को इस जहान से अलग किसी दूसरी ही दुनिया में पाते हैं,मुझे तो याद भी नहीं कि इस तरह की चकाचौंध किसी फिल्म में भी देखी हो?फ़िल्मों में इसका 0.5 प्रतिशत ही हिस्सा हो सकता है पर यह जादुगरों की बनायी कोई दुनिया है7 कहते हैंकिस्ट्रिप सम्पूर्ण विश्व के सट्टेबाजों,रईसों,शौकीनों के सपनों की सरजमीं है,पूरी स्ट्रिप गाड़ी से तो घूमी जा सकती थी,पैदल नहीं, बशर्ते की सड़क पर गाड़ी निकलने की जगह हो? रात अपने शबाब पर थी औरसड़क अपने जूनून पर, हम कार से बमुश्किल एक दो किलोमीटर ही स्ट्रिप पर चल पाए थे क्योंकिआगे जाम था7एक होटल की पार्किंग में घुस कर गाड़ीपलटाते हैंकि पहले खुद होटल में अपनी एंट्री दें ताकि रुकने की बेफिक्री हो जाएहोटल बहुत महँगे नहीं है यहाँ,दुनिया के हर देश का खाना उपलब्ध है।

बच्चों ने शर्त रखी थी कि इतनी दूर कौन आएगा: बार-बार माँ ज्यादा टोकाटाकी मत करना,यहाँ रूम में खाना बनाने की व्यवस्था नहीं थी हम एक इन्डियन रेस्टॉरेंट में रात का खाना खा कर कसीनो देखने निकले सब को पोकर खेलना था पर उसके पहले मुझे भी स्लॉट मशीन पर खेल कर देखनाथा बच्चोंने कहा था माँ आपको जो खेलना है खेलो सब ने मुझे पच्चीस पच्चीस डॉलर गिफ्ट किये थे मेरे पास 100 डॉलर थे पर यदि खेलने बैठ जाती तो लॉस वेगास को कैसे देखती? हम पैदल ही निकलते हैं कभी होटलों के अन्दर से,कभीपार्किंग के अन्दर से, सात किलोमीटर लम्बी सड़क के दोनों ओरक्या दीवाली क्या क्रिसमस ऐसी बिजली की रोशनी इस तरह की सजावट किशब्द नहीं है मेरे पास वर्णन के लिए।

दोनों तरह विशाल परिसरों में कई कई मंजिलों तक सजे धजे कसीनो ,अनोखे आर्किटेक्चर ,विलक्षण मूर्तियाँ, बगीचे, कई कई मंजिलों वाले कार पार्किंग ,रंगीन गाते बजाते नाचते पानी के फव्वारे जाने कितनी तरह के बार, डांस फ्लोर, हर होटल कुछ ऐसीकिअगर आप केवल अकेली उसी को देखें तो आप कहें दुनिया में इससे बेहतर दूसरी हो ही नहीं सकती, हर देश की हर कलाकृतिकी सर्वश्रेष्ठ प्रतिकृतियहाँ मौजूदहै7 यहाँ आप स्टेचू ऑफ़ लिबर्टी भी देखेंगे और एफेल टॉवर भी मिस्त्र के पिरामिड जैसी होटल भी तो फ्लेमिंगों जैसी भी,गिटार जैसी भी, झूले जैसी भी, सी वर्ल्ड तो डिजनी वर्ल्ड,सब कुछ होटलों के डिजाईन में,भीड़ इतनी किआप खो जाएँ और मोबाईल ना हो तो असंभव है खोजना7 हर धर्म हर संप्रदाय, हर देश, हर नस्ल के अपनी मस्ती में मस्त लोगों के हुजूम के हुजूम, महँगे वस्त्र सबसे लेटेस्ट फैशन, महँगे स्प्रे, सेंट खुशबू के फव्वारे अपने पर लपेटेन जाने किस दुनिया के दिखाई दे रहे थे7 चलते-चलते अनमोल ने हिदायत दी थी कि आप पापा या मेरे साथ ही रहना चलने में थकान थी इतना चलने की आदत भी नहीं और भीड़ में चलना और कठिन पर हम चलते रहे कितना कुछ था सामने।

शाइनिंग सिटी स्ट्रीट,नॉन स्टॉप एंटरटेनमेंट,लग्जरी शॉपिंग सेंटर,एलिट डिनर, एक से एक शानदार होटल और अपने में पूरी दुनिया समेटे महाकाय कसीनो7 कहते हैं कि यहाँ रातें अपने पूरे शबाब पर होती हैं7 कभी ना सोनेवाला यह शहर यहाँ पैसे खर्च करनेवालों का दिल से स्वागत करता है,लोग कहते हैं कि धरती पर स्वर्ग देखना हो तो लॉस वेगास का कोई विकल्प नहीं7 इसकी अपनी प्रतिष्ठा है एक रेपुटेशन वाला शहर, जिसने लोगों के ख्वाबों को हकीकत में बदला7 हम घूमते हैं पैदल आश्चर्य से भरे हुए मुँहसे निकलता भी है बापरे ! कितना पैसा है लोगों के पास? कौन होंगे इनसब विशाल प्रॉपर्टी के मालिक? पैसे से दुनिया में सब खरीदा जा सकता है यह यहीं पता चलता ह। दुनिया में यदि कहीं नाइट क्लबों की चकाचौंध और जुआ घरों की शानोशौकत का असली मजाहै तो यक़ीनन सिर्फ और सिर्फ लॉसवेगास में ही है। शॉपिंग मॉल्स, हेल्थ स्पा, विश्व संगीत, पॉप म्यूजिक का अलग ही आनंद है। एल्टन जोंन जैसे फेमस पॉप सिंगर यहाँ नियमित प्रस्तुति देते हैं।

इस शहर को देख कर इसकी कहानी को सुन कर एक भारतीय कहावत याद आती है घुढ़े [कचरा घरों]के भी दिन बदलते हैं। सन् 1950 मेंएक छोटे से गाँव की ख्वाबगाह में बदलने की भी एक कहानी है। एक निर्जन सा बीहड़ आज रात की रानी सा शहर है। 1905 में स्थापित लॉस वेगास को सन1911 में अधिकारिक रूप से बड़ेशहर का दर्जा दिया गया और फिर इसका सितारा जो चमका कि प्रगति के सारे सोपान तय करता यह शहर सदी के अंत तक अमेरिका का सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर बन गया, इसके पहले यह ख़िताब शिकागो के नाम बताया जाता है7 कहते हैंकि वयस्कों को यहाँ सभी प्रकार के मनोरंजन की अनुमति है और यही वजह है कि यह सिन सिटी [गुनाहों का शहर]कहलाता है।

कच्चे खिलाड़ीया तो इसकी चमक-दमक से बहक जाए या गुनाहों की पनाह में जा सकता है। यहाँ जुआ, केबरे, शराब, स्मगलिंग,नाइट क्लब,गुंडे-अपराधी, गिरोह,बंदूकें, अप्सराओं सी ओरतें, निमंत्रण देती निगाहें, ड्रग्स, जिस्म सब कुछएक जगह एक साथ,जहाँना दिन दिन होता है ना रात रात7 इस अनोखी जगह की एक रोचक कहानी सुनी, सुनिए, आपको भी सुनाती हूँक्एक बार अमेरिका के इस वीराने निर्जन मरुस्थल में जो बेहद खुश्क, गर्म ,बंजर नेवादा का रेगिस्तान है यहाँ 1844 को मई की 3 तारीख को जान सी. फ्रीमोंट जो कि युनायटेड स्टेट्स आर्मी कार्प्स ऑफ़ इंजीनियरिंग के एक वैज्ञानिक थे, जोअपने दौरे पर आये थे7 उनके आगमन के साथ ही यह नेवादा का रेगिस्तान परमाणु परीक्षण स्थल बना दूर-दूर तक यहाँ कुछ नहीं था सिर्फ वीराना ही पसरा था केवल लॉसवेगास ही एक मात्र छोटी सी बस्ती थी।

आर्मी के अधिकारी और वैज्ञानिक यहाँ विस्फोट परीक्षण के लिए भेजे जाने लगे वे यहाँ बोर होते ना बोलने वाला कोई ना कोई मनोरंजन, रहने खाने जैसी मूलभूत सुविधाएँ भी नहीं थी7 इस समस्या को डलास के एक सजायाफ्ता अपराधी ने महसूस किया और एक छोटी सी होटल शुरू की जिसमें नीचे की मंजिल पर जुआ और मनोरंजन की व्यवस्था की और ऊपर रहने की7 छत पर से वे विस्फोटकों का निरीक्षण करते7 यह व्यवसाय लाइसेंस वाला था जिसे बचाए रखने के लिए ग्राहकों की सतत आवश्यकता के चलते यहाँ एक अलग ही तरह के रोजगार ने जन्म लिया7 लोग धीरे-धीरे जुआ घर की तरफ़ आकर्षित होने लगे और लोग यहाँ स्वर्ग की परिकल्पना करने लगे और इस तरह के व्यवसाय ने एक नया रुख ले लिया जिसमेंफिर शराब और शबाब सब शामिल होते गए7 जिनमें लोग नाचने-गाने, झूमने लगे यहीं से यहाँ नाइटक्लबों की शुरुआत हुई और फिर स्वर्ग की अप्सराओं ने लॉसवेगास को धरती का स्वर्ग बना दिया7 एक रुकने खेलने की छोटी सी होटल ने लॉसवेगास को दुनिया की तमाम सबसे अच्छी होटलों का शहर बना दिया।

इस स्वर्ग में सबसे पहले देखा द सीजर पैलेसः बेल्जिओ और मिराज के बीच यह चार डायमंड श्रेणी का होटल है जिसमें नेवादा का स्वर्ग सा कसीनो है, हमइसी कसीनो में घूमतेहैं7 अन्दर जाते ही इतनी ताजगी इतनी फ्रेशनेस नींद का दूर तक कोई नाम नहीं पता चला कसीनो में ऑक्सीजन छोड़ी जाती है ताकि आप ताजगी स्फूर्ति से भरे रहें7 यहाँ मेहमानों के लिए भव्य सुविधाएँ हैं 7रोमन साम्राज्य की कल्पना को साकार करता यह लॉस वेगास का स्वर्ग महलहै7 यहपैलेस दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित कसीनो वाली होटलों में से एक है और लॉस वेगास कासबसे बड़ा और सबसे अच्छा स्थानहै जिसमें मुख्य प्रदर्शन स्थल है कालीज़ीयम, एक 22,450 वर्ग फुट (2086मीटर) का विशाल मंच है, जिसके मूल रूप की प्रतिकृति कोबनाने में . 95मिलियन की लागत लगी थी7 इसके साथ एक 4,296 सीट वालास्टेडियम सेलीन डायोन भी देखने लायक है7 लेखक, कलाकार,इतिहासकार,अंग्रेजी साहित्य के प्रेमी सब जानते हैंजूलियट सीजर को7 इसे देखना अपने आप में अलग महत्व रखता है, सड़क पर द्वार के पास लगी है बेहद खूबसूरत आदमकद सफ़ेद संगमरमर सेतराशी हुई मूर्ति हम पहुँचते हैं इसके कैफेटेरिया में जिसकी छत चार नक्काशीदार स्तंभों पर रखी गई है7 आँखों के सामने है अतिथि को हलके से भिगोते हुए मद्धम फव्वारे,जिससेगुजरते हुए हम देखते हैं सामने एक भव्य भाव दर्शाती सीजर की खूबसूरत मूर्ति7 इसकसीनो का ऐश्वर्यकिसी साम्राज्य के राजसी ऐश्वर्य से एक तोला भी कम नहीं आँका जा सकता7 जुआ-घर के तमाम उपकरण यहाँ शानो शौकत दर्शाते आपको किसी सीटपर बैठने का न्यौतादेते हैं7पोकर टेबलें, हसीन-कमसिन न्यूनतम कपड़ों वाली कार्ड डीलर लड़कियाँ ,जिन्हें देखकर विचार आता है किये कौन से देश की होंगी? पर वे अलग अलग शक्लो सूरत से मुझे दुनिया के हर देश की प्रतिनिधि सी लगती हैं,हाथ में छोटे-छोटे ग्लासों में बीयर, शैंपेन, रम, ब्रांडी वाइन, वोदका की ट्रे लिए घूमती लड़कियाँ, हर एक घंटे में टेबल बदलती लड़कियाँ, राजाओं नवाबों ने भी शायद ऐसी ज़िंदगी नहीं देखी होगी7 हम केवल एक राउंड पोकर खेलते हैं पहले में मिलता है फिर मिलता है और बंद करते हैंतब तक जो मिला था वो जा चुका था7मज़ा अद्भुत था जिसकी कोई कीमत नहीं आँकी जा सकती। जीतनेसे ज्यादा हारने का अनुभव रोमांचक होता है हम नो प्रॉफिट नोलॉस के साथ आगे जाते हैं आगे घोड़ों, योद्धाओं की सेविकाओं की मूर्तियों से निकलते हैं। एक महान सम्राट की राजधानी में कुछ समय बिताने के अनुभव को कोई शब्द नहीं देपा रही हूँ कुछ पल नाइट क्लबके आसपास बिताते हुए हम सीजर पैलेस चौक में निकल आते हैंबाहर निकलना एक हल्का-पन देता है, मायावी कल्पना लोक से बाहर आने वाला।

सामने एक दूसरी दुनिया है ठीक सामने पेरिस का एफिल टॉवर है हम आधी रात गुज़ार चुके हैं पर एफिल टॉवर के सामने जाते ही इवनिंगइन पेरिस हो जाती है जाने कितने जोड़े यहाँ पेरिस होटल में अपना हनीमून मनाने रुकते हैं,वाह !यहाँ पेरिस का आनंद है वेगास में? फोटो, एफिल टॉवर के सामने खड़े होकर हम भी क्यूँ ना खिंचवाएँ? कहते हैं कि यह शादियों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है, एफिल टॉवर का अनुभव रात में विशेष रूप से रोमांटिक है। उज्ज्वल रातें, रंगीन रोशनी और पानी के जलाशयों का विचार कितना बेजोड़ है। 11मंजिल वाले एफिल टॉवर के रेस्तरां में खाने के साथ आनंद दोगुना हो जाता है। इसकी ऊँचाई मूल टॉवर से आधी और रोशनी दुगनी। दुकानें ही दुकानें, भीड़ ही भीड़ हम भी आधी रात के वक्त एक हसीं शाम गुज़ारते हुए एफिल टॉवर से गुज़रते हैं।

अनमोल को आईसक्रीम लेनी है विकास मेरा हाथ पकड़ सड़क पार करवाते हैं सुकून से बैठने की इच्छा यहाँ पूरी होती है। खुले में यूँ फुटपाथ पर आइसक्रीम का लुत्फ एक बहाना है पैरों की थकान को कम करने का, हम देख रहे थे ब्लैक ब्यूटी वाइट ब्यूटी, तरह तरह के चेहरे ,नस्लें, कोशिश है मेरी कि किसी चेहरे का कोई भाव पकड़ सकूँ पर सब सतत चलते हुए से हैं किसी को फुर्सत ही नहीं,सोचती हूँ मैं नहीं समझ पति मैं कि कहाँ जा रहे हैं सब? इनमें गोरे भी हैं और अश्वेत भी 7अश्वेत को देखकर नस्ल भेद याद आता है।

अफ्रीकी अमरीकियों के प्रति भेदभाव के कारण लॉस वेगास को 'द मिसिसिप्पी ऑफ़ द वेस्ट' भी कहा जाता है। पर मैं आज देख रही थी गोरे-काले सब एक हैंना धर्म का पता है किसी का ना जाति7अनमोल ने इसकी हिस्ट्री बताते हुए बताया कि वेगास के इतिहास में एक खास दिन है जब ब्रांज आइडोल जिनका असली नाम जो सेफिन बेकर है ने अपने पर फोर्मेंस से इनकार कर दिया था कि जब तक उसकी नस्ल को कसीनो में शो देखने के लिए प्रवेश नहीं दिया जाएगा वह परफॉर्म नहीं करेगा उसके बाद होटलों में कसीनो के मालिकों को एफ्रो अमेरिकन को प्रवेश देना प्रारंभ कियाथा।

अगले दिन हम ग्रैंड केनियन से लौट रात में फिर स्ट्रिप पर जाते हैं कसीनो सिर्फ कसीनो नहीं दुनिया के सब रंग समेटे हैं। हमें एक कसीनो के बाहर एक आदमी गाता हुआ मिलता है कि मैंने अपना सब गँवा दिया है लेकिन एक चांस और लेना चाहता हूँ,मदद करें ? हम हँसते हैं भीख? जुआ खेलने के लिए उसने अपनी ब्लैक टोपी खुली रखी है जिसमें डॉलर पड़े है जिसे देखकर लगता है कि यहाँ भी लोग दयालु है अभी भी?

हर कसीनो अलग थीम पर एक अलग बाजार है। दुनिया के सबसे चर्चित मूल शहरों की जस की तस प्रतिकृतियाँ, जीता जागता संसार, हर कसीनो एक शहर,यहीं मिस्त्रके पिरामिड भी हैं, यहीं रोम भी तो यहीं लंदन, न्यूयॉर्क वेनिस सब मिलकर स्वर्ग बनाते हैं। वेगास में स्थापत्य, शिल्प, बाजार, मनोरंजन की हरएक सुविधा उपलब्ध है यहाँ बस चाहिए केवल पैसा जो डॉलरों में होना चाहिए।

अभी हमारे पास और समय है हम जाते हैंवेनिस। पैदल कितना भी घूम लीजिये पैसे नहीं लगेंगे,पैसे खरीदने या खाने पर खर्च होंगे,सोचते हैंयहीं इटली का अद्वितीय वेनिस देखने को मिल रहा है तो देख ही लिया जाएवेनिस की सुंदरता का अंदाज तो हो ही जाएगा , इटली यात्रा करेंगे या नहीं किसको पता?यह है एक भव्य होटल नीचे कसीनो और ऊपर पतली सी सड़कों वाला शहर का लुक, जहाँ मौजूद है एक नहर जिसमें नाव से आप घूम सकते हैंइटली की कोई फेमस धुन के साथ। यहाँ वेनिस की तरह आपके पोट्रेट बनाने वाले भी हैं पैसे दीजिए,बनवा लीजिए। यहाँ पेड़ों की वेशभूषा में आपका स्वागत करते लोगों के साथ वेनिस दिलो दिमाग पर बैठ जाता है, लगता है कि यह इटली का एक प्रमुख नगर है। आभास होता है सुदूर देश में स्थित इटली में एक छोटा सा शहर हैं वेनिस, मान्यता है कि जिसकी प्राकृतिक खूबसूरती एक कला-चित्र के समान दिखाई देती है, यह शहर सांस्कृतिक एवँव्यापारिक केंद्र है। नहर पर गॉनडोला नाव में सवार होकर सैलानी घूमते हैं। हर साल वेनिसमें 120रैगाटा (एडवेंचर गेम)आयोजित किए जाते हैं। रोमांचित कर देने वाला रैगाटा खेल वेनिसमें पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। हजारों लोग इस खेल में भाग लेते हैं। इस दौरान दर्शकों में उत्साह एवँतालियों की गूँज दूर तक सुनाई देती है। वेनिस के इतिहास एवँसंस्कृति से परिपूर्ण कार्निवाल के भिन्न-भिन्न प्रकार के रंग इस पर्व में उभर कर आते हैं जहाँ पर सैलानियों एवँदर्शकों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है एवँ यह त्यौहारसेंट मार्क स्क्वेयर में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। देश-विदेश से पर्यटक इस स्थान पर आते हैं और इस त्यौहार का आनंद लेते हैं। एक पल को मन में ख़याल आता है कि कभी अवसर मिला तो वेनिस मैंप्रतिकृति नहीं तुम्हें तुम्हारे असली रूप में देखने ज़रूरआऊँगी7एक पल को लगा हम किसी वेनिस में क्यूँ नहीं जन्मेप्यार और रोमांस केशहर में? हँसी आती है खुद को अपने ही विचार पर7 अभी फ्लेमिंगो भी जाना था हमें वेनिस को वहीं छोड़ना पड़ा, फ्लेमिंगो का ताल भी हमारा इंतजार कर रहा था7 सुना था जहाँ 15000 वर्गफीट का कसीनो बना है, जो लॉस वेगास का सन् 1946 में बना पहला सबसे शानदार होटल है इसकी आकृति पिंक राजहंसों अर्थात् फ्लेमिंगों के आकार की है जो सबसे आकर्षक है। यहाँ कैरिबियन स्टाइल का शानदार बड़ा सा जलाशय है,इस होटल में एक रिसॉर्ट की सुविधा है जहाँ वन्यजीव, झरने और उनमें तैरते राजहंस देखे जा सकते हैं।

लॉसवेगास में अमेरिका के सर्द से मौसम का असर कम दिखता है, सर्दियों की अवधिकम होती है। मौसम आमतौर पर हल्का होता है, लॉस वेगास के आसपास की पहाड़ियों पर बर्फ पड़ती है पर लॉस वेगास में बर्फ दुर्लभ होती है लॉस वेगास रेगिस्तानी खुश्क जलवायु वाली जगह है। कहते हैं कि यहाँ 300 दिन और 3800 घंटे धूप खिली रहती है। अमेरिका में हर कहीं आप हरी घासके लॉनदेखते हैंवहाँफुटपाथ पर आपको गोल गोल चिकने पत्थर कुछइस अंदाज में लगे हुए मिलते हैंजैसे सड़क पर नगीने जड़ दिए हों। यहाँ घूमनाएक वर्ल्डटूरजैसा अनुभव हैजैसे आप दुनिया को एक ही नक़्शे पर देख रहेहों।

कहते हैंकि लॉसवेगास पहले मैक्सिकोका हिस्सा था फिर यह लिंकन काउंटी का हिस्सा बना उसके बाद क्लार्ककाउंटी का। कहते हैंकि स्पेन के लोगों ने टेक्सास से ओल्डस्पेनिश ट्रेल से होकर उत्तर और पश्चिम की ओरजाते हुए इसक्षेत्र का पानी उपयोग किया था उस वक्त यहाँ आर्टजन के कुएँथे जिनके कारणयहाँ हरेभरे घास के मैदान थे जिन्हें स्पेनिश में वेगास कहते हैं इसलिए इसका नाम लॉस वेगास पड़ गया था।

यात्रा के ये तीन दिन विश्व की परिक्रमा जैसे रहे,हम दुनिया जहान घूम लिए लॉस वेगास के लिए 3000 पृष्ठों पर लिखूँतो भी बहुत कुछ छूटही जाएगा7 कोई तीन दिन में कितना और क्या-क्या देखे? जो देखा और जो याद रहा उसके लिए ही शब्द कम है उपलब्धि ज्यादा। पोकर मेरा पसंदीदा गेम है एक राउंड मैं रोज ही अपने आई पेड पर खेलती हूँ,स्क्रीन पर खेलना और टेबल पर खेलने में बहुत अंतर है पर सभी ने कहा था माँ को एक बार खेलने देंगे जितना चाहेंगी थोड़ा ही सही, लॉस वेगास के द सीजर पैलेस कसीनोमें आखिर मैं भी पोकर खेल ही आई। गिफ्ट में दिए गएथे डॉलर आनंद के लिए लेकिनआनंद का कोई मोल डॉलर वॉलर से नहीं आँका जा सकता7 बस जीवन में एक बार असली टेबल पर खेल लिया पोकर और बन गई जुआरी, पहली बार समझ आया जुआ कैसा नशा है, कैसी लत––––अब स्क्रीन पर ही जहाँ ना डॉलर देने हैंना लेने हैं।

यहाँ हर देश के व्यंजन खाए जा सकते हैं, वेजीटेरियंस के लिए थोड़ामुश्किलहोता है पर थाई और मेक्सिकन,चायनीस, साउथइंडियन इडली डोसा,पंजाबी छोला भटूरा भी मिल जाता है। हमने लंच में मेक्सिकन टॉरटीला रैप स्वाद लिया यह लगभग हमारे स्प्रिंग रोल्स या फ्रेंच रोल्स जैसा ही लगा पता चला इस पौष्टिक रैप को संपूर्ण आहार के रुप में खाया जा सकता है। चीज़ी पैपर चावल और रीफ्राईड बीन्स का सौम्य मेल जिसमें हरे रंग के गार्लिक सॉस का स्वाद भरा गया है7 इसमें सॉर क्रीम मिलानाना भूलें, जो इस रैप को और भी स्वादिष्ट बनाता है7 जब ताज़ा हरा लहसुन का प्रयोग किया गया होता है तोयह व्यंजन शाकाहारी लोगों के लिए दाल रोटी खाने वालोंकास्वाद बदलने के लिए ठीक है पर वो तृप्ति शायद नहीं मिलती पर इसकेसाथ में स्पायसी सालसा बीन सूप भी लिया जो गलती से तीखा वाला ले लिया जिसने आँख नाकसब से पानी निकालदिया7 सबने सूप पीते-पीते कहा कि लॉस वेगास तुमने हमें जाते-जाते रुला दिया तुम बहुत याद आओगे।

10 साल पहले का आधार कार्ड अपडेट करना जरुरी, नयी गाइडलाइंस लागू

नई दिल्ली। आधार कार्ड एक अहम डॉक्युमेंट है। इसके बिना कोई भी फाइनेंशियल काम होना काफी मुश्किल है. बैंक अकाउंट खुलवाने से लेकर किसी भी सरकारी स्कीम को अवेल करने तक हर काम के लिए आधार कार्ड जरूरी है।

ऐसे में आधार कार्ड पर दी गई जानकारी पूरी तरह से सटीक होनी चाहिए. आधार कार्ड में किसी भी प्रकार की गलती आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है. आधार फ्रॉड से निपटने के लिए, सरकार यूजर्स को हर दस साल में अपने आधार कार्ड की जानकारी अपडेट करने के लिए कहती है. सरकार ने अब आधार कार्ड के लिए गाइडलाइंस लागू कर दी है. इसके मुताबिक अगर आपका आधार कार्ड दस साल पहले बना था और अब तक अपडेट नहीं हुआ है तो अब आपको इसे अपडेट कराना होगा.कहां अपडेट करें आधार डिटेल?

यूआईडीएआई (एसएसयूपी) के मुताबिक आप सेल्फ सर्विस अपडेट पोर्टल में अपना अड्रेस ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं. आधार में डेमोग्राफिक डिटेल (नाम, पता, डीओबी, लिंग, मोबाइल नंबर, ईमेल) और बायोमेट्रिक्स (फिंगर प्रिंट, आईरिस और फोटोग्राफ) जैसी अन्य जानकारी नजदीक के आधार नॉमिनेशन सेंटर से अपडेट किया जा सकता है. आधार होल्डर, बच्चे (15 वर्ष से अधिक आयु), और अन्य जिन्हें अपने बायोमेट्रिक्स डिटेल- उंगलियों के निशान, आईरिस और तस्वीरों को अपडेट करने की आवश्यकता है, को भी आधार नॉमिनेशन सेंटर जाना होगा.आधार डिटेल कैसे अपडेट करें?

परमानेंट इनरोलमेंट सेंटर केंद्र पर जाकर यूआईडीएआई.जीओवी.इन की आधिकारिक वेबसाइट पर, नजदीकी आधार नॉमिनेशन सेंटर सर्च करने के लिए नॉमिनेशन सेंटर सर्च पर सेल्फ सर्विस अपडेट पोर्टल आपको ऑनलाइन जानकारी (एसएसयूपी) अपडेट करने की परमीशन देता है. ऐसा करने के लिए, यूआईडीएआई.जीओवी.इन पर जाएं और अपडेट आधार डिटेल (ऑनलाइन) लिंक पर . आधार कार्ड को कैसे अपडेट करें?

ऑफलाइन अपडेट के लिए आपको अपने नजदीकी आधार सेंटर पर जाना होगा. यूआईडीएआई के अनुसार, आप 50 रुपये का शुल्क देकर आसानी से अपने डेमोग्राफिक डिटेल (नाम, पता, जन्म तिथि, लिंग, मोबाइल नंबर और ईमेल पता) को अपडेट कर सकते हैं।

- आधार सेल्फ सर्विस अपडेट पोर्टल पर जाएं.
-प्रोसीड टू अपडेट एड्रेस ऑप्शन चुनें.
-अपने आधार नंबर, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ओटीपी के साथ साइन इन करें.
-प्रोसीड टू एड्रेस अपडेट' चुनें.
-12 अंकों की आधार नंबर दर्ज करें.
-अपना ओटीपी दर्ज करें और लॉग इन करें.
-'अपडेट न्यू एड्रेस प्रूफ' ऑप्शन का चयन करने के बाद, नया अड्रेस दर्ज करें.
-डॉक्युमेंट अपलोड करें.
-अपने एड्रेस प्रूफ की स्कैन कॉपी अपलोड करें और 'सबमिट' बटन दबाएं.
-आधार के लिए अपडेट रिक्वेस्ट स्वीकार किया जाएगा, और एक 14-अंकों का अपडेट रिक्वेस्ट नंबर जेनरेट हो जाएगा।

अब होलसेल में बजेगा रिलायंस इंडस्ट्रीज का डंका, 2,850 करोड़ की डील को हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज रिटेल के बाद अब होलसेल मार्केट में भी झंडे गाड़ने की तैयारी में है। रिलायंस ने जर्मनी की रिटेलर कंपनी मेट्रो एजी के भारतीय बिजनस को 2,850 करोड़ रुपये में खरीदने के लिए तीन महीने पहले एक डील की थी। कंप्टीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने हरी झंडी दे दी है। इस डील से रिलायंस को होलसेल मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। रिटेल इंडस्ट्री में रिलायंस पहले ही अपना सिक्का जमा चुकी है। रिटेल में कंपनी का बिजनस इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रॉसरी और फैशन तक फैला हुआ है। मेट्रो 2003 से भारतीय मार्केट में एक्टिव है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर 2022 में खत्म हुई फाइनेंशियल ईयर में कंपनी की सेल 7,700 करोड़ रुपये की रही थी। यह कंपनी देश के 21 शहरों में 31 स्टोर चलाती है और रेस्टोरेंट्स तथा छोटे दुकानदारों को सप्लाई करती है। करीब 3500 कर्मचारी हैं। कंपनी के करीब 30 लाख ग्राहक हैं। इसमें से 10 लाख लोग ऐसे हैं, जो मेट्रो के रेगुलर कस्टमर हैं, जो बी2बी ऐप के जरिए खरीदारी करते हैं। जर्मन कंपनी का कहना है कि इस डील से उसे करीब 15 करोड़ यूरो का फायदा होगा।

इंडियन कॉफ़ी हाउस की नई शाखा का भोपाल लालघाटी चौक में हुआ शुभारम्भ

भोपाल। सहकारिता क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले इंडियन कॉफी हाउस (आईसीएच) ने अपनी नई शाखा, तथा भोपाल में 8वीं शाखा, लालघाटी चौक, एयरपोर्ट रोड, भोपाल में शुभारम्भ हुआ है। इंडियन कॉफी हाउस, इसकी सुगंधित कॉफी और स्वादिष्ट व्यंजन के लिए बहुत ही प्रसिद्ध है। ग्राहक सेवा और गुणवत्ता के साथ अब इस इंडियन कॉफी हाउस (रेस्टोरेंट) द्वारा प्रदान किए जाने वाला भोजन का स्वाद का आनंद ले सकते हैं।

कॉफी हाउसों का मुख्य आकर्षण स्वादिष्ट दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय और चायनीज़ व्यंजन, विशेष रूप से मसाला डोसा, इडली, वड़ा सामबर, चटनी, कटलेट, उप्पमा, उथप्पम, बिरियानी, आदि विशिष्ट रसोइयों द्वारा तैयार की जाती है, बच्चों से लेकर वयोवृद्ध जनता कॉफी हाउस के खाने पीने की चीजों से परिचित है। स्वच्छ और सुव्यवस्थित सफेद वर्दी में वेटर- ग्राहक के साथ अच्छे व्यवहार, स्वच्छ और चमकदार क्रॉकरी और कटलरी और आकर्षक माहौल में सभी वर्ग के लोग वास्तव में भोजन का आनंद ले सकते हैं।

इंडियन कॉफी हाउस की इस शाखा का उद्घाटन, इंडियन कॉफी वर्कर्स सहकारी सोसायटी लिमिटेड, जबलपुर के अध्यक्ष ओके राजगोपालन, तथा आनंद सबधाणी, सुरेश वाधवानी, भीषम राजदेव, के कर कमलों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर, अंटोनी, वाईस प्रेसिडेंट श्री प्रकाशन, सेक्रेटरी, सुनील, जॉइंट सेक्रेटरी, कुमारन भोपाल उपस्थित थे। इसके अलावा उपस्थित भोपाल के कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस नई शाखा की प्रगति और सफलता की कामना की। इंडियन कॉफी वर्कर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, जबलपुर के अध्यक्ष ओ.के. राजगोपालन ने बहुत खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें भोपाल में इस शाखा को खोलने के लिए बहुत गर्व है। इस स्थान उपलब्ध कराने के लिए आनंद सबधाणी, सुरेश वाधवानी, भीषम राजदेव एवं उनका परिवार को इंडियन कॉफी हाउस के सदस्यों की ओर

पेयजल समस्या से सभापति को कराया अवगत

छिन्दवाड़ा । नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 16 में व्याप्त पेयजल समस्या से जल सभापति को अवगत कराया गया। आज कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने वार्ड में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा के जल सभापति प्रमोद शर्मा से भेंट की साथ ही पीने के लिये शुद्ध पानी उपलब्ध कराने हेतु मांग रखी।
जिला कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फिरोज खान के नेतृत्व में वार्ड नंबर 16 में जल समस्या को लेकर सभापति प्रमोद शर्मा को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। वार्ड 16 सिवनी प्राणमोती में विगत कई वर्षों से पेयजल की समस्या है। प्रमोद शर्मा द्वारा जल्द से जल्द समस्या का निराकरण किये जाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय सपना वर्मा, असफाक कुरैशी, सानू कुरैशी, उषा राउत, नसीम पठान, इरफान मंसूरी सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा के भूगोल विभाग में 2 दिवसीय व्याख्यानमाला

छिन्दवाड़ा ।शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ.पी.आर.चन्देलकर के मार्गनिर्देशन में गत दिवस महाविद्यालय के भूगोल विभाग की 2 दिवसीय व्याख्यानमाला संपन्न हुई । इस व्याख्यानमाला में प्रमुख वक्ता एवं डॉ.एच.एस.गौर विश्वविद्यालय सागर के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष प्रो.कमल शर्मा द्वारा स्थानीयकरण सिध्दांत एवं जनसंख्या वितरण विषय पर व्याख्यान दिया गया । कार्यक्रम में भूगोल विभाग के सभी प्राध्यापक, अतिथि विद्वान और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

जलकर बाकी होने पर किये नल कनेक्शन विच्छेद

छिंदवाड़ा। वित्तीय वर्ष 2022- 23 समाप्ति के पूर्व निगम अमले द्वारा कर संग्रहण की कवायद की जा रही है इसी क्रम में निगम निगमायुक्त राहुल सिंह के आदेश पर प्रभारी सहायक यंत्री विवेक चौहान ने कुल 06 नल कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही की। इस कार्यवाही में सिपतिया बाई पन्नालाल 6445, बुद्धू पति काली चंद 18340, हबीब खान 16700, यशोदा शालिग्राम 11560, सुनीता वंशकार 16550, शांति 9150 रुपए के नल कनेक्शन विच्छेद किए गए। निगमायुक्त के आदेश पर जलकर जमा न करने वाले लोगो के नल कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही प्रतिदिन की जाएगी।

निगमायुक्त ने दिव्यांग को प्रदान की ट्राई साइकिल

छिंदवाड़ा। बुधवार को नगर निगम कार्यालय परिसर में एक दिव्यांग व्यक्ति निगमायुक्त राहुल सिंह से मिलने पहुंचा। इसकी खबर मिलते ही निगमायुक्त तुरंत अपने कार्यालय से नीचे बुजुर्ग दिव्यांग व्यक्ति से मिलने पहुंचे। निगम आयुक्त को देखते ही उन्होंने बताया कि वह लकड़ी के पटेनुमा गत्ते की सहायता से आवागमन करते है इसके साथ ही ट्राईसाइकल की मांग की। संवेदनशील निगम आयुक्त राहुल सिंह ने मात्र 15 मिनट के भीतर ही बुजुर्ग दिव्यांग माग्या करावड़े को ट्राईसाइकल उपलब्ध कराई। बुजुर्ग दिव्यांग ने बताया कि वह कई दिनों से ट्राई साइकल के लिए लगातार कोशिश कर रहा था, परंतु निगम आयुक्त ने तत्काल ही ट्राई साइकिल उपलब्ध करवा दी। बुजुर्ग ने निगमायुक्त को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया।

डेहरिया समाज का हुआ होली मिलन समारोह

परासिया । कार्यक्रम का आयोजन गोपाल डेहरिया एसडीओ के द्वारा डेहरिया मेहरा समाज स्वजातीय बंधुओं का होली मिलन समारोह का कार्यक्रम सतपुड़ा की हसीन वादियों में (सिलवर लेक) सुकरी नदी के तट पर संपन्न हुआ विधानसभा परासिया एवं जिला छिंदवाड़ा के सामाजिक बंधु एवं समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ जिसमें जिले के सम्माननीय सीताराम डेहरिया जी दयानंद डेहरिया जी संजय मंगरे जी, राम कुमार डेहरिया जी, बलदास डेहरिया सभी मुख्य अतिथियों ने आयोजक श्री गोपाल डेहरिया (एसडीओ)का तहे दिल से धन्यवाद कहा कि उन्होंने इतना अच्छा प्रोग्राम इन हसीन वादियों में किया और इतना अच्छा लाइव आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया आयोजन में स्वजातीय बंधुओं एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं बच्चे सम्मिलित हुए इस कार्यक्रम मैं चार चांद लगाने हेतु आर्केस्ट्रा (सगीतं) के माध्यम से सामाजिक बंधुओं ने नृत्य कर आनंद की अनुभूति प्राप्त किया साथ ही साथ स्वरुचि भोज ग्रहण किया।

कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे स्थानीय पदाधिकारी

अमरवाड़ा। भोपाल में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में स्थानीय पदाधिकारियों ने भी शिरकत करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान,राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के चुनाव प्रभारी डॉ संदीप पाठक द्वारा कार्यकर्ताओं को दिए गए संदेशो को सुना गया। इस अवसर पर आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मध्यप्रदेश में सभी जिलों से चुनाव लड़ने की भी रणनीति बनाई गई। वही बेरोजगारी महंगाई घोटाले जैसे बड़े मुद्दे पर वर्तमान सरकार को घेरने की भी बात कही। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा अमरवाड़ा से रतिराम उईके,पहलाद कुसरे,वीरू सहित अन्य साथी कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

बड़े बकायादारों पर कुर्की करने निर्देश

नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

छिंदवाड़ा । राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए उन्होंने कम वसूली करने वाले मोहर्रिरों को त्वरित प्रभाव से नोटिस देने के निर्देश दिए। सभी मोहर्रिरों को 31 मार्च तक अपनी शेष डिमांड राशि वसूल करने के आदेश देते हुए आयुक्त ने कहा कि खराब परफॉरमेंस वाले मोहर्रिरों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। बड़े बकायादारों के खिलाफ कुर्की की कार्यवाही करने के साथ उनके नाम समाचार पत्रों में देने के निर्देश भी आयुक्त ने राजस्व अधिकारियों को दिए।भवन अनुज्ञा, बिल्डिंग परमिशन आदि कार्यों की भी बकाया राशि पूर्ण वसूल करने के लिए भी आदेशित किया। आयुक्त ने 31 मार्च तक सभी राजस्व तथा अन्य शुल्क की अधिकतम वसूली का टारगेट लेकर काम करने के निर्देश कर्मचारियों को दिए।जलकर वसूली बढ़ाने और अधिकतम बकाया वसूल करने के लिए आयुक्त ने जलकर प्रभारी विवेक चौहान को निर्देशित करते कहा कि बड़े बकायादारों के नल कनेक्शन काटें जाएं और उनके नाम भी समाचार पत्रों दिए जाएं।लाडली बहना योजना में अधिक से अधिक महिलाओं को शामिल करने के निर्देश आयुक्त ने देते हुए कहा कि सभी वार्डो,जोन कार्यालयों में सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करते हुए पात्र महिलाओं के ऑन लाइन फॉर्म भरवाए जाएं।वार्डों में स्थित योजना के सर्विस सेन्टर पर होर्डिंग लगवाने के निर्देश निगम आयुक्त ने दिए। आयुक्त ने शहर में सफाई कार्य की लगातार निगरानी करने, पेड़ -पौधों की कटाई-छंटाई डिवाइडरों की साफ-सफाई व रंग-रोगन करने के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिए।इसके साथ ही निगम आयुक्त ने कॉलोनी सेल के कार्य प्राथमिकता से करने और विलंबित कार्य यथाशीघ्र करने के आदेश अधिकारियों को दिए।

नगर महिला काँग्रेस ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

परासिया । नगर महिला काँग्रेस परासिया के नेतृत्व में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नरेन्द्र विश्वकर्मा ब्रज कुमारी सरेआम पूर्णिमा बेले नजमा खान शशि जायसवाल साधना दास शीबा रावतेल पूनम कैथवास अंजली श्रीवास्तव ने अपने अपने विचार रखें। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओ का स्वागत किया गया । महिलाओ को उपहार देकर सम्मानित किया गया । सभी को तिलक लगा कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में महिलाए उपस्थित थी कार्यक्रम का आयोजन नगर अध्यक्ष मन्जु सोनी के द्वारा किया गया था । बाद में मंहगाई एवं बढ़ते गैस सिलेंडरों के दामों के विरोध में एवं राशन दुकान में गेहूँ प्रदान करने हेतु ज्ञापन दिया गया । ज्ञापन तहसीलदार महोदय को दिया गया । कार्यक्रम में सर्व ब्रज कुमारी सरेआम पूर्णिमा बेले शशि जायसवाल फेमुन्निशा कुरैशी दुर्गा इवनाती इमला पवार अंजली श्रीवास्तव पूनम कैथवास सावित्री वर्मा रुकमा बंसोड़ फरीदा खान शीबा रावतेल रोशन आरा साधना दास प्रभा पाल शारदा कुमरे सुनीता बेलवंशी दशोदा दिवाकर रजनी डेहरिया लता वेश चमेली उइके वर्षा जवरकर संगीता वंदेवार शकुन बाई शहनाज परवीन मल्लों बाई समशुन निशा परवीन खान किरण वर्मन अर्चना वर्मन ममता अठनकर भावना साहू प्रतिमा बैस उपस्थित थे ।

ठेल नदी पर डैम बनाने की मांग

तहसील के चालीसगांव के किसानों ने किया मुख्य चौराहे पर प्रदर्शन

अमरवाड़ा । अमरवाड़ा तहसील में पेयजल कृषि कार्य हेतु पानी की कमीगर्मी के आते ही किसानों को भारी-भरकम पानी की समस्या को लेकर भारी विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है वही ग्राम बमोरी सिंचाई विभाग के द्वारा सर्वे उपरांत महीनों पहले डैम निर्माण कार्य को लेकर स्वीकृति की गई थी? जो वर्तमान में डैम का निर्वाण कार्य ना होने पर समस्त 40 पंचायतों के किसानों ने तहसीलदार छवि पंत को ज्ञापन सौंपा और अमरवाड़ा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और शासन प्रशासन को चेतावनी दी कि विगत दिनों पर जलाशय का निर्माण प्रारंभ ना होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा आगामी विधानसभा चुनाव का भी समस्त 40 पंचायतों के किसान चुनाव का बहिष्कार करेंग। इस प्रदर्शन में जनपद सदस्य मंतूलाल परतेती जनपद सदस्य सुखारी, सरपंच हिररी, चंदन गांव, सुखारी कला, धसन वाड़ा, करबढोल, जुंगाबाड़ा, दुलारा, सेजा कोंडरा, छुआदेही ,बोरी माल, लखन वाडा ,वारा हीरा, मोहाली भारत, जुंगा वानी, पुतर्रा, पौनार, सालीवाडा शारदा,गड़ा दरियाव, छुई पंचायतों के ग्रामों के किसानों ने राम पंचायत से प्रथक प्रथक प्रस्ताव बनाकर बताया कि डैम के ना होने से घरों में पशुओं के लिए एवं फसलों के लिए पानी की अति गंभीर समस्या है बच्चों की पढ़ाई समेत किसानों की जीवन शैली पर आर्थिक स्थितियों अति गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार अमरवाड़ा के माध्यम से किसानों ने ज्ञापन मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी चौहान ,जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, प्रभारी मंत्री कमल पटेल, जिला कलेक्टर एवं सिंचाई विभाग को प्रेषित करने के लिए तहसीलदार छवि पंथ को सभी ने अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंपा।

गांव की नल जल योजना बंद

अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अधिकांश ग्रामों में नल जल योजना बंद है कपड़ो को पीने के पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है ग्रामीणों ने बताया कि पीने के पानी की स्थिति काफी चिंतनीय है और पानी की तलाश में हमें प्रतिदिन 2 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है और अभी भीषण गर्मी आने वाली है किस को लेकर ग्रामीणों ने कहा कि अगर जलाशय बन जाएगा तो काफी हद तक क्षेत्रवासियों को पानी मिलेगा।

अधिवक्ता संघ बैठे निराहार पर, न्यायालय का किया कामकाज बंद

अमरवाड़ा अमरवाड़ा तहसील अधिवक्ता संघ ने बुधवार को निराहार रहकर अनशन मंच पर बैठकर प्रतिकार किया, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा समक्ष न्यायालय को निर्देशित किया गया है कि समय सीमा अर्थात 25 प्रकरणों का निराकरण 3 महीने के अंदर किया जाए !निर्देश के अनुसार पुराने प्रकरण समय सीमा के अंतर्गत निराकृत किए जाएंगे ! इस आदेश का विरोध करते हुए अधिवक्ता संघ ने आदेश को वापस लेने की मांग की है ! अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मोहन कुमार वेलवंशी अधिवक्ता ने कहा कि इतने कम समय में हम पक्षकारों को उचित न्याय नहीं दिला पाएंगे । अनशन करते हुए अधिवक्ताओं ने उच्च न्यायालय से निवेदन किया कि 25 प्रकरणों के संबंधों में आदेश वापस लिया जावे तहसील अधिवक्ता संघ द्वारा इस आशय की मांग के संबंध में कार्ड से विरक्त रहकर प्रतिवाद के साथ में अनशन भी किया जा रहा है ज्ञापन अधिवक्ता संघ के द्वारा जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अमरवाड़ा एवं एसडीएम तहसीलदार छवि पंत को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें 15 मार्च से 19 मार्च तक न्यायालय मैं कार्यरत सभी अधिवक्ता न्यायालय के कार्य से विरत रहकर प्रतिवाद करेंगे तथा दिनांक 15 /3/ 23 से लेकर 19 मार्च तक अधिवक्ता क्रमिक निराहार कर न्यायालय में नहीं जाकर प्रतिवाद भी करेंगे अधिवक्ताओं ने कहा कि हम आदेश वापस करने की मांग कर रहे हैं लेकिन आदेश वापस नहीं किया जा रहा इस दौरान अधिवक्ताओं के न्यायालय में नहीं जाने से पक्षकारों को भारीदिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता निष्ठावान है: ओक्टे

बडगोना जोशी एवं चन्हियाकला में हुई क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी की बैठक

छिन्दवाड़ा । कांग्रेस का प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कमर कसकर मैदान में उतर चुका है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का बीड़ा उठाकर कांग्रेस का प्रत्येक सच्चा सिपाही भाजपा के प्रत्येक झूठ का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता निष्ठावान और सच्चा सिपाही है, उक्त उदगार आज जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे ने कांग्रेस की क्षेत्रीय कमेटियों की आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी बडगोना जोशी की बैठक बडगोना में एवं बोहनाखैरी व उमरिया की संयुक्त बैठक चन्हियाकला में सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुये जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि देश और प्रदेश में आज केवल छिन्दवाड़ा का नाम माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी की वजह है। हमारे नेताद्वय के द्वारा कराये गये विकास कार्यों के चलते ही आज स्थानीय स्तर पर युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। किन्तु छिन्दवाड़ा जिले के विकास पर भाजपा ने विराम लगाया है। अपने उदबोधन में उन्होंने आगे कहा कि 18 साल से प्रदेश में भाजपा की सरकार का राज है। इन सालों में जनता ने अनेकों कठिनाईयों का सामना किया और आज भी कर रही है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को तरह-तरह से परेशान किया गया किन्तु हमारे सच्चे व निष्ठावान कार्यकर्ता व पदाधिकारी नहीं डिगे। उन्होंने संगठन को लेकर चर्चा करते हुये कहा कि संगठन का उद्देश्य होता है कि वह पार्टी व राजनीतिक बातों के अलावा पारिवारिक चर्चा भी करें।

राष्ट्रपति पुरस्कृत जल सखी अनीता का संकल्प सोसायटी ने किया सम्मान

छिंदवाड़ा । जिले को गौरवान्वित करने वाली जिले की बेटी छोटे से ग्राम गढ़मऊ में रहने वाली श्रीमती अनिता चौधरी को भारत की राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू द्वारा स्वच्छ सुजल जल शक्ति सम्मान 2023 से सम्मानित गया है मध्यप्रदेश के साथ साथ छिंदवाड़ा जिले के लिए गौरव की बात है मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों द्वारा आज एक कार्यक्रम के आयोजन में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त जलसखी श्रीमती अनीता चौधरी को संस्था अध्यक्ष समाजसेवी चंद्रकांत विश्वकर्मा ,महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुश्री आराधना शुक्ला, संकल्प प्रवक्ता डॉ.डी.एस चौरे, निर्मला घई के हस्ते संकल्प अंगवस्त्र, श्रीफल एवम पौधा देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में जलसखी ने अपने अनुभव भी साझा किए संस्था अध्यक्ष डा चंद्रकांत विश्वकर्मा ने कहा कि आज आपको सम्मानित करते हुए संकल्प परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है हमें आप पर गर्व है आपके साथ सहयोग और मार्गदर्शन से संकल्प सोसायटी को और नई ऊर्जा मिलेगी इस अवसर पर संस्था की वरिष्ठ श्रीमती बंदना भट्टपगार, नंदिनी बाजपाई, संदीप अग्निहोत्री , भावना बनारसे, आशीष द्विवेदी ,सुभाष शुक्ला,डॉ महेश ,नंदू निर्मलकर आदि सदस्य उपस्थित रहे ।

बुजुर्गों को कराया भोजन, फल वितरण कर किया पौधा रोपण

छिन्दवाड़ा। नगर के प्रियदर्शनी कालोनी में स्थित गौधुली वृद्धाश्रम बेसहारा बुजुर्गों के लिए वरदान सिद्ध हो रहा है जहां वर्तमान में 87 बुजुर्ग निवास करते हैं जिनकी आवास, भोजन, चाय, नास्ता सहित औषधि आदि की समुचित व्यवस्था नगर पालिक निगम द्वारा की जाती है। पूजा अर्चना के लिए मंदिर है, घूमने फिरने के लिए शानदार पार्क सहित एक मनोरंजन कक्ष जहां सभी बुजुर्ग मिलजुल परिवार की तरह रहकर एक दूसरों का सुख दुख बांटते हैं।इन सभी 87 बुजुर्गों सहित उनकी सेवा में कार्यरत सभी सेवाभावी सदस्यों की खुशियाँ ओर भी बढ़ जाती है जब कोई सामाजिक संस्था अथवा गणमान्य नागरिक पारिवारिक खुशियों सहित अपने बुजुर्गों की पुण्य स्मृति में यहां आते हैं और सभी बुजुर्गों की कुशलता पूछकर उन्हें भोजन कराकर फल, औषधि, वस्त्रों सहित आवश्यक सामग्री का वितरण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।गत दिवस ऐसा ही प्रसंग बना गौधुली वृद्धाश्रम में जब सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश सयोंजक दीपकराज जैन के साथ अहिंसा प्रेमी टीम के समर्पित सदस्य अमित पटवा, अखिल पटवा एवं आरती पटवा वृद्धाश्रम पहुंचे और स्मृतिशेष गुरुवर पूज्यपिताश्री द्वारकाप्रसादजी पटवा की प्रथम पुण्यतिथि पर तीन घण्टे आश्रम में रहे, एक एक बुजुर्ग के निवास पर जाकर उनका परिचय प्राप्त किया और सभी का सुख दुख बांटकर उन्हें भोजन परोसा, फल वितरण कर पिताश्री की स्मृति में पौधारोपण किया। यह पुनीत एवं नेककार्य पटवा परिवार के साथ मोतीलाल गढ़ेवाल, पवन सूर्यवंशी, मोहन तिवारी, रामता सोनी, सोहन रन्नेरे, श्रीराम पटवा, आदया पटवा एवं आदित्य पटवा ने अपने हांथों से कर अपूर्व शांति का अनुभव किया एवं भविष्य में भी समय समय पर वृद्धाश्रम आकर सेवाकार्य करने का संकल्प लिया।

श्री आदिनाथ जन्म एवं तप कल्याणक - जैन युवा फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन ने बताया कि सकल जैन समाज के साथ मुमुक्षु मण्डल एवं फेडरेशन आज चैत्र कृष्ण नवमी गुरुवार को प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री आदिनाथ भगवान ऋषभदेवजी का मंगलकारी जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनावेगा।

एनएसएस के शिविर में किया हेल्थ चेकअप

छिंदवाड़ा । राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा द्वारा प्राचार्य डा. अजरा एजाज के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में महाविद्यालय द्वारा गोद ग्राम गुरेया ढाना चिमन छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर में कार्यक्रम अधिकारी प्रो.पूनम उसरेठे एवं प्रो. रिंकी भाबर ने बताया कि शिविर के चतुर्थ दिवस के अंतर्गत आज डॉ.अल्पना शुक्ला, डॉ.रीना पाटनीय, डॉ.प्रज्ञा वर्मा द्वारा गोद ग्राम के पुरुष महिलाए व स्कूल के बच्चों का हेल्थ चेकअप किया गया साथ हिमोग्लोबिन की जांच एवं परंपरागत पोषण आहार से संबधित जानकारी दी गई। शिविर में आज के कार्यक्रम का उद्देश्य गोद ग्राम पुरुष ,महिलाएं व बच्चें के भोजन और पोषण पर संदेशों को जनसमुदाय तक पहुंचाना । साथ ही आज शिविरार्थियों द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर नेतृत्व विकास पर संदेश यात्रा का आयोजन किया गया एवं पालीथिन मुक्त भारत पर नारे लगाए गए। शिविर में महाविद्यालय के डॉ.सुदीश सूर्यवंशी ,जम्होरे, कु.तंजीम मंसूरी बड़ी संख्या में छात्राएं ,ग्राम के पुरुष, महिलाएं एवं स्कूल के बच्चें उपस्थित हुए।

ड्यूडेट 28 मार्च तक ऋण नहीं चुकाने वाले कृषकों को देना होगा सात प्रतिशत ब्याज

छिन्दवाड़ा । प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से अल्पकालीन फसल ऋण लेने वाले कृषकों को ड्यू डेट पर चुकौती करने पर ही 0 प्रतिशत ब्याज सहायता का लाभ प्राप्त हो सकेगा, जबकि डिफाल्टर कृषकों को राज्य शासन एवं केन्द्र शासन से प्राप्त होने वाली अतिरिक्त ब्याज अनुदान तथा प्रोत्साहन राशि की पात्रता नही होगी यह राशि 7 प्रतिशत की दर से कृषक को ही ऋण वितरण दिनांक से ड्यू दिनांक तक भुगतान करना होगा, उल्लेखनीय है कि, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक छिन्दवाड़ा से सम्बद्ध 24 शाखाओं अंतर्गत 146 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 103113 से भी अधिक ऋणी किसान है जो इस समय शाखा व समितियों के माध्यम से प्रदत्त सुविधाओं और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे है इस वर्ष 2022-23 में बैंक अपनी शाखाओं से संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से अब तक खरीफ सीजन में 560 करोड़ एवं रबी सीजन में 176 करोड़ इस प्रकार कुल 736 करोड़ से भी अधिक का ऋण वितरण कर चुका है ऐसे में उक्त वितरित चालू व कालातीत ऋण की वसूली के लिए सहकारी समितियां अपने ऋणी सदस्यों के हितों को ध्यान रखते हुए उन्हें शासन की योजनाओं और बैंक कि शाखाओं व समितियों द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दे रहे है। सहकारी समितियों द्वारा कृषकों को 0 प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन फसल ऋण उपलब्ध कराया जा रहा हैं वर्ष 2022-23 में अल्पकालीन फसल ऋण लेने वाले कृषकों को 0 प्रतिशत ब्याज सहायता योजना के लाभ के लिए शासन के निर्देशानुसार उक्त अवधि में समय पर (ड्यूडेट के पूर्व) अपना ऋण चुकाने वाले कृषकों को केन्द्र सरकार 3 प्रतिशत प्रोत्साहन राज्य सरकार 4 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज सहायता प्रदान करेगी। इसके अलावा प्रत्येक कृषक को उपलब्ध सामान्य ब्याज अनुदान राज्य सरकार से 1 प्रतिशत तथा केन्द्र सरकार से 2 प्रतिशत का भी लाभ प्राप्त होगा जबकि समय पर अपना ऋण नहीं चुकाने वाले डिफाल्टर कृषकों को केन्द्र सरकार से प्रोत्साहन ब्याज सहायता 3 प्रतिशत और अतिरिक्त ब्याज सहायता राज्य सरकार से 4 प्रतिशत प्राप्त करने की पात्रता नहीं होगी उन्हे प्रत्येक कृषक को उपलब्ध सामान्य ब्याज अनुदान राज्य सरकार से 1 प्रतिशत तथा केन्द्र सरकार से 2 प्रतिशत ही मात्र प्राप्त हो सकेगा शेष 7 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि स्वयं कृषक को ही ऋण अदायगी तक भुगतान करना होगा। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से वर्ष 2022-23 में अल्पकालीन फसल ऋण लेने वाले खरीफ सीजन के ऋणी कृषकों को शासन द्वारा ऋण चुकौती की ड्यू डेट 28 मार्च तक ऋण अदा करने पर ही 0 प्रतिशत ब्याज सहायता का लाभ प्राप्त होगा जबकि डिफाल्टर कृषकों को राज्य शासन एवं केन्द्र शासन से प्राप्त होने वाली अतिरिक्त ब्याज अनुदान तथा प्रोत्साहन राशि कीपात्रता नही होगी यह राशि 7 प्रतिशत की दर से कृषक को ही ऋण वितरण दिनांक से ड्यू दिनांक तक भुगतान करना होगा।

वन विभाग के अधिकारियों का कारनामा गड्ढे खुदाई का पैसा ही खा गए

मजदूरों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

चौरई । वन परिक्षेत्र चौरई के अंतर्गत आने वाली सांख चौकी फिर विवादों के मामले मे आ गई वर्तमान मे यहां पर प्लांटेशन का काम चल रहा था जिसमे पौधा रोपण के लिए गड्डे खुदवाने का कार्य मजदूरों के द्वारा कराया जाना शासन की मंशानुसार निर्धारित है जिसके लिए इस चौकी मे पदस्थ डिप्टी रेंजर रामगोपाल पाण्डेय के द्वारा अपने जिले रीवा व शहडोल, उमरिया, जबलपुर जिले के आस पास के जिले के मजदूरों को प्लांटेशन मे गड्डे खोदने के कार्य के लिए लाया गया ?र उनसे गड्डे भी खुदवाये गये परन्तु मजदूरी नहीं दी गई ज़ब दो चार दिन हो गए तब मजदूर के द्वारा वन परिक्षेत्र अधिकारी चौरई को इस बात से अवगत कराया गया पर वहाँ भी उनकी सुनवाई नहीं हुई तो सभी मजदूर जिला कलेक्टर कार्यालय अपनी गुहार लेकर मंगलवार शाम से बैठे है परन्तु अभी तक उनकी व्यथा कोई भी अधिकारी सुनने नहीं आया है! गौरतलब है की लगातार चौरई वन परिक्षेत्र की सांख चौकी मे अधिकारियो की मिलीभगत के चलते ऐसे कई प्रकार के कारनामें होते रहते है जैसे की कीमती लकड़ी चौरी, मजदूरी की चोरी,अवैध रेत परिवहन, वन पशु शिकारर भी कई भाष्टाचार परन्तु आज तक इस सम्बन्ध मे कोई बड़ी कार्यवाही नहीं हुई है! जिससे साफ नजर आता है की इन सब कामों मे अधिकारियो की मिली भगत है! सूत्रों की माने तो जिस भी वन चौकी के अंतर्गत जो भी काम होना होता है उसकी पूर्व सूचना वन परिक्षेत्र अधिकारी को दी जाती है फिर उनकी सहमति के बाद ही कार्य किया जाता है इस बात इस ?र इंगित करती है की सारे वन परिक्षेत्र के अधिकारी व सम्बंधित वन चौकी के कर्मचारी इस मामले मे लिप्त है!
बाहर जिले से लाये गये मजदूरों को 17 रूपए गड्डे के हिसाब से 28 हजार गड्डो की पेमेंट करना था पर 5 रुपये के हिसाब पेमेंट डिप्टी रेंजर पाण्डेय द्वारा की जा रही थी , सांख परिक्षेत्र के आस पास ही इतने मजदूर है की दूसरे जिले मे पहुंचाया जा सकता है परन्तु ये मजदूर बुलाने का क्या कारण था। मजदूरों को उनके खाते में उनकी मजदूरी क्यों नहीं दी गई मजदूरी का बाकी का पैसा कहा गया, इतने मजदूर बुलाने की क्या आवश्यकता थी जबकि ग्राम मे ही मजदूर है

इनका कहना

मै इस सम्बन्ध मे कुछ नहीं कह सकता आप वरिष्ठ अधिकारियो से बात कर ले!
हीरालाल सनोडिया,
वन परिक्षेत्र अधिकारी चौरई

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट उद्यान में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा के साथ पीपल, अमरूद और शहतूत के पौधे लगाए।

बारिश-ओले के डर से किसान काट रहे फसल

प्रदेश में 20 मार्च तक प्रदेश में तेज बारिश और ओले गिरने की आशंका

भोपाल। मध्यप्रदेश में बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मार्च की शुरुआत में पांच दिन तक तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी ने 20 से ज्यादा जिलों में गेहूं-चने और सरसों की फसलें बर्बाद कर दी थी। अब फिर से मौसम बदला है। 16 से 20 मार्च के बीच प्रदेशभर में तेज बारिश, ओले गिरने और तेज आंधी चलने की आशंका है। इस कारण शाजापुर, उज्जैन, विदिशा, नर्मदापुरम, हरदा, सीहोर समेत कई जिलों में किसान गेहूं की फसल पहले ही कटवाकर सुरक्षित रख रहे हैं।

यह प्रदेश में गेहूं उत्पादन के बड़े जिले हैं। शाजापुर के किसान शरद भंडावत ने बताया कि गेहूं अभी गीला है। इसके बावजूद कटवा लिया है, ताकि बारिश और ओले की वजह से फसल बर्बाद न हो। सतना जिले में ज्यादातर किसानों ने चना कटवाकर सुरक्षित रख लिया है। भिंड-मुरैना में सरसों की कटाई की जा रही है।

उधर, आज सुबह से राजधानी भोपाल में बादल हैं। हल्की बूंदाबांदी भी हो रही है। छिंदवाड़ा में रात से मौसम बदल गया। तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। अभी भी बादल हैं और बूंदाबांदी हो रही है।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 16 मार्च से प्रदेशभर में बारिश का सिस्टम एक्टिव हो जाएगा। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन समेत प्रदेशभर में बारिश होगी। कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। हवा की रफ्तार सामान्य से दोगुनी रहेगी।

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि उत्तर भारत में एक विक्षोभ सक्रिय है, जो काफी मजबूत है। इसी के प्रभाव से एक प्रेरित चक्रवात साउथ-ईस्ट राजस्थान में 14 मार्च से बना हुआ है। इससे प्रदेश में बादल छा गए। 15 मार्च को भी बादल रहेगी। इंदौर, रीवा, जबलपुर और नर्मदापुरम में बारिश हो सकती है और आंधी चलने की संभावना भी है। 16 मार्च से फिर एक पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है। दक्षिण-पूर्वी हवाएं बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी लेकर आ रही है। इन दोनों के मिश्रण से प्रदेश में बारिश, ओलावृष्टि और तेज आंधी का असर रहेगा।

बारिश के असर से 2.8 डिग्री तक लुढ़का पारा- प्रदेशभर में बिगड़े मौसम के मिजाज की वजह से दिन के तापमान में 2.8 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, रात के तापमान में भी इतनी ही गिरावट दर्ज की गई है। कई जिलों में पारे में बढ़ोतरी भी हुई है।

दिग्गज एक्टर समीर खाखर का निधन, खोपड़ी के किरदार से हुए थे मशहूर

भोपाल। दिग्गज अभिनेता समीर खाखर का गत दिवस निधन हो गया। एक्टर ने 71 साल की उम्र में मुंबई के पश्चिमी उपनगर बोरीवली में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। समीर ने मशहूर सीरियल नुक्कड़ में खोपड़ी का किरदार निभाया था। अभिनेता की मौत के कारणों की जानकारी उनके भाई गणेश खाखर ने दी। कहा कि समीर को सांस लेने में तकलीफ थीं। पिछले कुछ दिनों से उनकी हालत बिगड़ रही थीं। अभिनेता समीर खाखर को मंगलवार से सांस लेने में तकलीफ हो रही थीं। उन्हें एमएम अस्पताल, बोरीवली में भर्ती कराया गया। जहां वे बेहोश हो गए थे। डॉक्टर्स की टीम ने उन्हें आईसीयू में रखा। बुधवार सुबह करीब 4.30 बजे मल्टीपल ऑर्गन फेल होने के कारण उनका निधन हो गया।

भोपाल विमान तल: पिछले साल के मुकाबले इस फरवरी में 30 हजार से ज्यादा यात्री बढ़े

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट पर फरवरी में 96947 यात्रियों ने सफर किया। वहीं, फ्लाइट मूवमेंट भी इस महीने के दौरान 899 रहा। वर्ष 2022 के फरवरी के महीने के मुकाबले यह यात्री संख्या 30 हजार से ज्यादा रही है। हालांकि जनवरी 2023 के मुकाबले फरवरी के महीने में फ्लाइट मूवमेंट भले ही ज्यादा रहा हो पर यात्री संख्या कुछ कम थी।

लेकिन कोरोना संक्रमण काल के बाद यह यात्री संख्या जल्द ही एक लाख और समर सीजन में सवा लाख की तरफ बढ़ती दिख रही है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि बढ़ती यात्री संख्या के आंकड़े नए डेस्टिनेशन्स के लिए फ्लाइट्स बढ़ाने में मददगार होंगे।

जनवरी के मुकाबले ज्यादा फ्लाइट मूवमेंट

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने फ्लाइट मूवमेंट के साथ ही फरवरी के महीने में यात्रियों के आवागमन के आंकड़े जारी किए हैं। 28 दिन के फरवरी के महीने के दौरान जनवरी के मुकाबले ही 125 से ज्यादा फ्लाइट मूवमेंट हुए। साथ ही यात्री संख्या भी काफी बढ़ी और आंकड़ा 30 हजार को पार कर गया। यदि वर्ष 2021-22 के मार्च के महीने तक के आंकड़ों की तुलना 2022-23 से करें तो वह भी 727922 से बढ़कर 905056 पर पहुंच चुके हैं। यानी करीब 177134 से ज्यादा यात्री संख्या भी इस दौरान बढ़ी। जबकि फ्लाइट मूवमेंट भी इस अवधि में 7280 से बढ़कर 8200 पर पहुंच गया। इस तरह 920 फ्लाइट का मूवमेंट भी बढ़ा।

एनीमिया की जांच का लक्ष्य दिए जाने का आयुष चिकित्सकों ने किया विरोध, प्रदर्शन किया

भोपाल। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के एक हजार से अधिक आयुष चिकित्सकों ने राजधानी के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कार्यालय के सामने बुधवार को प्रदर्शन किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मुख्य गेट से करीब दो घंटे तक अवागमन बंद रहा। आयुष चिकित्सक डिजिटल हीमोग्लोबिन मीटर के माध्यम से एनीमिया की जांच के लक्ष्य दिए जाने को लेकर नाराज थे। एक दिन में आरबीएसके के एक चिकित्सक को 50 जांच करने का लक्ष्य दिया गया है।

नर्मदापुरम की आरबीएसके की डा. रूपाली तिवारी ने बताया कि प्रदेश के आयुष चिकित्सकों को अब चिकित्सीय कार्य के स्थान पर लैब टेक्नीशियन के तर्ज पर खून की जांच साथ डाटा एंट्री करने का काम दिया गया है। जिसके विरोध में चिकित्सक सड़क पर उतरे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आरबीएसके में चिकित्सकों की कमी भी है। आरबीएसके टीम में एक महिला चिकित्सक, एक पुरुष चिकित्सक, एक फार्मासिस्ट और एक एएनएम होती है।

एक दर्जन से अधिक लोगों को ठग चुका है फर्जी डिप्टी कलेक्टर

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार फर्जी डिप्टी कलेक्टर मुकेश सिंह के बारे में नया खुलासा हुआ है। म्यूजिक स्टूडियो चलाने वाले हिमांशु के अलावा एक दर्जन से अधिक लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है। हिमांशु से पांच लाख रुपए की ठगी करने से पहले वह चार लोगों से लगभग 40 लाख रुपए की ठगी कर चुका है। हिमांशु को मुलाकात के डेढ़ साल बाद ही पता चल गया था कि मुकेश फर्जी अफसर है, लेकिन वह हमेशा रुपए देने की बात पर झांसा देकर टालता रहा। इंदौर क्राइम ब्रांच ने मुकेशसिंह को मंगलवार रात उसके होशंगाबाद स्थित घर से गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आए नकली डिप्टी कलेक्टर मुकेश सिंह से पुलिस ने उसकी मानव अधिकार आयोग की नेम प्लेट लगी कार भी जब्त कर ली है। मुकेश इसी कार पर लाल बत्ती लगाकर रंगदारी करता था। वह इंदौर में शीतल नगर में किराए के घर में रहता था। पेशे से किसान पिता ने उसे पढ़ाई के लिए बाहर भेजा, लेकिन अफसर नहीं बन पाया तो ठगी करने लगा। मकान मालिक को भी उसने अपने अफसर होने की बात कही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी मुकेश 4 अन्य लोगों को भी जमीन और शासकीय पट्टे दिलाने के नाम पर 40 लाख ठग चुका है। पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर ठगी का शिकार हुए लोगों की जानकारी निकाल रही है।

गाने का शौकीन ठग कई किस्तों में ले चुका था लाखों रुपए- पीड़ित हिमांशु ने बताया

कि उसका इंदौर के पिपल्याहाना इलाके में म्यूजिक स्टूडियो है। आरोपी मुकेश गाने का शौकीन है। उससे पहली बार स्टूडियो में ही मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान मुकेश ने भरोसे में लेकर करीब डेढ़ साल में किस्तों में ले लिए। ट्रेनिंग के साथ नियुक्ति पत्र नहीं मिलने के चलते हिमांशु और उसके रिश्तेदार शशांक ने अपने परिचित के माध्यम से मुकेश सिंह की जानकारी निकाली। जिसमें इंदौर में उसकी पोस्टिंग नहीं होने की बात पता चली। इसके बाद मुकेश सिंह ने भोपाल में पदस्थ होने की बात की, लेकिन वहां भी उसकी जानकारी नहीं मिली।

हिमांशु ने परेशान होकर रुपए मांगना शुरू किया। पिछले एक साल से वह हिमांशु को रुपए देने में टाल मटोल करने लगा। इसके बाद उसने स्टूडियो पर आना भी बंद कर दिया। डिप्टी कलेक्टर के नकली होने की जानकारी मिली तो हिमांशु ने आपत्ति ली। तब मुकेश ने कहा कि मैं डिप्टी कलेक्टर ही हूं, पर मैंने किसी को थप्पड़ मार दिया था। उस घटना की शिकायत भोपाल हो गई थी। इसके बाद मेरी पोस्टिंग मानव अधिकार विभाग में कर दी गई है।

दिसंबर माह में मुकेश सिंह को हिमांशु ने कहा कि उसकी बहन की शादी के लिए होशंगाबाद जा रहा है। शादी होने के बाद वह उसके रुपए चुका देगा। दिसंबर निकलने के बाद हिमांशु ने मोबाइल पर संपर्क किया और पुलिस से शिकायत करने की धमकी दी। इस पर मुकेश ने कहा कि उसकी नौकरी को लेकर दिक्कत हो जाएगी। वह कुछ दिन और रुके। मुकेश ने अपने पिता का हार्वेस्टर बेचकर रुपए देने की बात कही और हिमांशु को फिर से भरोसे में ले लिया।

दोनों मोबाइल किए बंद: मुकेश सिंह ने इसके बाद दोनों मोबाइल बंद कर लिए। हिमांशु अपनी मौसी के बेटे शशांक के साथ मुकेश के शीतल नगर वाले घर पर भी गया, जहां से उसके गांव में ही होने की जानकारी लगी। इसके बाद अपने परिचित के माध्यम से क्राइम ब्रांच के अफसरों से चर्चा की। मुकेश सिंह की जानकारी निकालने के बाद टीम उसे पकड़कर इंदौर ले आई। बताया जा रहा है कि मुकेश सिंह का पीएससी मेंस में सिलेक्शन नहीं हो पाया, इस वजह से उसने ठगी का रास्ता चुना।

टेलीग्राम एप पर पेपर लीक मामले में अभी तक साक्ष्य नहीं जुटा पाई साइबर पुलिस

भोपाल। इंटरनेट मीडिया माध्यम टेलीग्राम पर माध्यमिक शिक्षा मंडल के 10वीं-12वीं के पेपर लीक मामले में भोपाल साइबर क्राइम पुलिस बारह दिन बाद भी कुछ पता नहीं लगा सकी है। हालांकि आला पुलिस अधिकारी जांच शुरू होने और जल्द आरोपितों को पकड़ने की बात कह रहे हैं। दूसरी तरफ, बोर्ड ने अब मामले की जांच के लिए छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी परीक्षा शुरू होने के पहले पेपर लीक हुआ या नहीं, इसकी जांच करेगी। कमेटी के अध्यक्ष मंडल के परीक्षा नियंत्रक बलवंत वर्मा हैं, जबकि सदस्य चीफ सिस्टम आफिसर भूपेश गुप्ता, पंजीयक परीक्षा विजय गुहे, विधि सलाहकार अनिल गुप्ता, प्रभारी कमल किशोर वरवड़े, सहायक सचिव उमेश ठाकुर होंगे। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा एक व दो मार्च से शुरू हुई है। परीक्षा में 19 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। हालांकि किसी विषय की परीक्षा की शुरुआत से पहले ही टेलीग्राम पर पेपर लीक होने की सूचना मंडल तक पहुंचने लगी। मामले में माशिमं के परीक्षा नियंत्रक बलवंत वर्मा ने भोपाल साइबर क्राइम ब्रांच में चार मार्च को आवेदन दिया। इसमें कहा गया कि मंडल के लोगो का उपयोग कर टेलीग्राम एप पर फर्जी लिंक तैयार की गई है। उक्त लिंक से मंडल परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र उपलब्ध कराए जाने का दावा करते हुए छात्रों से भीम एप के माध्यम से पैसों की अवैध वसूली की जा रही है। आवेदन पर साइबर क्राइम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पटवारी परीक्षा देने जा रहे युवाओं ने मांगा राज सरकार से आने जाने का होटल एवं बस का किराया

छिंदवाड़ा। कर्मचारी आयोग द्वारा पटवारी की परीक्षा का सेंटर छिंदवाड़ा में न होने के कारण युवा परीक्षार्थियों को भारी परेशानी के सामना करना पड़ रहा है जिसमें महिलाएं भी शामिल है 18 तारीख को पटवारी की परीक्षा का सेंटर जबलपुर में है , जबलपुर में जो सेंटर रखे गए हैं उसमें सुबह 7:00 बजे अटेंड करना है परीक्षार्थियों को इसके लिए एक दिन पहले जाना पड़ेगा और वहां होटल में रुकना पड़ेगा जो भारी खर्चे का घर है,उसे रात में जाना पड़ेगा जिससे मैं भारी परेशानी के सामना करना पड़ेगा छिंदवाड़ा से रेल नहीं चल रही है इसलिए परीक्षार्थी को बस से जाना पड़ रहा है एवं उन्हें आर्थिक बोझ पड़ रहा है ,उन्होंने शिवराज सिंह से मांग की है परीक्षा में जो खर्चा आ रहा है छिंदवाड़ा में केंद्र बन सकते थे, किंतु कमलनाथ का प्रतिनिधित्व होने के कारण छिंदवाड़ा में जानबूझकर सेंटर नहीं बनाए गए द्वारा ऐसा आप परीक्षार्थियों ने लगाया

खेत जा रहे युवक को ट्रक ने रौंदा, गुस्साई भीड़ ने ट्रक में लगाई आग

सागर। नेशनल हाइवे-44 पर सुरखी थाना क्षेत्र में बुधवार रात खेत जा रहे युवक को ट्रक ने कुचल दिया। इससे मौके पर ही युवक मौत हो गई। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने फोरलेन पर जाम लगाकर ट्रक में आग लगा दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने ट्रक की आग पर काबू पाया। वहीं सडक़ पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों को समझाइश देकर उन्हें शांत कराया गया, तब कहीं जाकर फोरलेन पर आवागमन सामान्य हुआ।

जानकारी के अनुसार चितौरा गांव निवासी 22 वर्षीय जितेंद्र लोधी बुधवार देर रात अपनी बाइक से खेत पर जा रहा था। तभी राजा ढाबे के पास फोरलेन पर देवरी की ओर जा रहे महाराष्ट्र पासिंग के आलू से लदे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ इकठ्ठी हो गई। युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतर आए और उन्होंने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे सुरखी थाना प्रभारी मीनेश भदौरिया ने कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी, जिसके बाद ट्रक में लगी आग को बुझाने के लिए सुरखी, मकरोनिया और सागर से दमकलों को घटना स्थल पर भेजा गया। आक्रोशित लोगों को नियंत्रित करने के लिए सागर से भी पुलिस अधिकारियों को मौके पर रवाना किया गया। ट्रक में आलू लदा हुआ था। आग से ट्रक के माल को नुकसान न हो और आग को जल्द नियंत्रित करने के लिए जेसीबी की मदद से ट्रक को खाली कराया गया।

लापरवाही: सत्रह करोड़ की लागत से बिछाई केरवा लाइन, दो साल बाद ही करनी पड़ रही शिफ्ट

भोपाल। शहर में विकास एजेंसियों में शुरू से ही तालमेल की कमी रही है। इसी के चलते पिछले वर्षों में किए गए निर्माण कार्य अब बेकार साबित हो रहे हैं या फिर उन्हें हटाना पड़ रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण कोलार सिक्सलेन रोड का है, जहां दो साल पहले 17 करोड़ रुपये की लागत से बिछाई गई केरवा लाइन को शिफ्ट करना पड़ रहा है।

बता दें कि भोपाल का मास्टर प्लान वर्ष 1995 में आया था, जिसमें कोलार रोड को मास्टर प्लान सड़क के तौर पर विकसित करने का प्रविधान किया गया था। इसके बाद भी तत्कालीन अधिकारियों ने छह साल पहले मास्टर प्लान रोड की जद में ही केरवा लाइन बिछाने की योजना बना दी। अब कोलार सिक्सलेन रोड शुरू करने की वजह से पाइप लाइन को हटाना पड़ रहा है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि एक महीने में लाइन शिफ्टिंग का काम पूरा हो जाएगा। तब तक मौजूदा लाइन से ही जलापूर्ति की जा रही है।

केरवा की लाइन बिछाने का काम भी धीमी गति से किया गया। जिससे दो साल पहले ही इस

लाइन से केरवा बांध के जरिए कोलार क्षेत्र में जलप्रदाय शुरू कर दिया गया था। कोलार के 30 से 40 हजार घरों में पानी दिया जा रहा है। अब कोलार सिक्सलेन बनने के कारण केरवा पाइप लाइन को शिफ्ट किया जा रहा है। इसके लिए कुछ दिन जलापूर्ति बंद तक कर दी गई थी, लेकिन अब इसे फिर से शुरू कर दिया गया है। यहां अब भी नई पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि कोलार रोड पर सीवेज लाइन भी बिछी हुई है। इसे अभी शिफ्ट नहीं किया जा रहा है। सीवेज के चैंबरों को ऊंचा करने का काम किया जाएगा।

भोपाल के लोग अगले माह देख सकेंगे मेट्रो का कोच

भोपाल। भोपाल और इंदौर में इस साल शुरू होने वाली मेट्रो ट्रेन के कोच फ्रांस की एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड की बोगियां गुजरात स्थित यूनिट में बन रही हैं। मेट्रो ट्रेन सेट की यूनिट का पूजन व शुभारंभ करवाने के बाद मेट्रो कंपनी अधिकारियों को दल बुधवार को बोगियां गुजरात से भोपाल वापस आ गया। सबसे पहले मेट्रो कोच का मॉडल तैयार हो रहा है, राजधानी के उस स्थान पर रखा जाएगा, जहां आसानी से लोग देख सकें। यह मॉडल अगले माह अप्रैल के दूसरे हफ्ते में भोपाल आने की उम्मीद है।

मध्य प्रदेश मेट्रो कंपनी के एमडी मनीष सिंह के द्वारा निर्माण कार्य पर लगातार निगाह रखी जा रही है, जिससे कार्य में काफी तेजी आई है। उन्होंने निर्देश दिया है कि किसी भी काम में समय सीमा का ध्यान रखा जाए, जिससे मेट्रो का ट्रायल इस साल अगस्त के आखिरी सप्ताह में कर लिया जाए। अधिकारियों के अनुसार अगले माह मेट्रो की सबसे पहली खेप मॉडल के रूप में आएगी, जबकि मेट्रो की तीन डिब्बों की ट्रेन अगस्त में आना शुरू होगी।

स्टेशन के सिविल वर्क 95 फीसदी पूरे

भोपाल मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार सुभाष नगर मेट्रो डिपो से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक बन रहे 5 मेट्रो स्टेशन के सिविल वर्क 95 फीसदी पूरे हो चुके हैं। इसके शेष कार्य पूरा करने के 15 दिन का वक्त है। इसके साथ ही पटरी बिदाने का काम भी समानांतर चलता रहेगा। सुभाष नगर मेट्रो डिपो से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक अगले माह पटरी और स्टेशन के काम पूरे होने की उम्मीद है। इसलिए मेट्रो कोच का मॉडल इनमें से किसी स्टेशन के आसपास रखने की चर्चा चल रही है।